राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 318 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,26 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

बिहार के सहरसा में सामूहिक दुष्कर्म, एक आरोपी गिरफ्तार

पटना, (एजेंसी)। बिहार के सहरसा जिले में एक महिला का अपहरण करने के बाद चार पुरुषों ने उसके साथ गैंगरेप किया। महिला अपने एक दोस्त के साथ मोटसाइकिल से किसी की शादी से लौट रही थी। सूनसान सड़क में आरोपियों ने अपनी कार को उनकी बाइक के आगे लाकर उनका रास्ता रोका। आरोपियों ने पहले पीड़िता के दोस्त के साथ मारपीट की। इसके बाद महिला को सूनसान इलाके में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने महिला से इसका जिक्र किसी से भी नहीं करने को कहा, नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

आजम खान के फेफड़ों में मिला फाइब्रोसिस और कैविटी

लखनऊ, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के सांसद और यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां की स्थिति चिंताजनक लेकिन नियंत्रण में बताई जा रही है। अस्पताल ने इसकी जानकारी दी। मेदांता अस्पताल की ओर से मंगलवार को जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक आजम (72) के फेफड़ों में फाइब्रोसिस और कैविटी पाये जाने के बाद उनका इससे संबंधित इलाज शुरू कर दिया गया है, आज भी उनको पांच लीटर ऑक्सीजन की आवश्यकता पड़ रही है। उनको वार्ड में क्रिटिकल केयर टीम की निगरानी में रखा गया है। उनकी तबीयत अभी चिंताजनक लेकिन नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम की स्थिति अभी स्थिर है।

विधायक ने कोरोना भगाने के लिए हवन किया

बेंगलुरू, (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगाम में स्थानीय विधायक अभय पाटिल ने कोरोना भगाने के लिए हवन किया फिर उसे एक ट्रॉली में रखकर पूरे शहर में घुमाया। जहां विधायक नहीं पहुंच सके, वहां अलग से हवन का इंतजाम किया गया ताकि कोरोना से बेलगाम को छुटकारा दिलाया जा सके। इस इलाके में कोरोना संक्रमण के कारण अब तक तकरीबन 500 लोगों की मौत हुई है।

चुनाव बाद हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल और केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार और केंद्र से उस याचिका पर जवाब की मांग की है, जिसमें राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा को लेकर एसआईटी जांच की मांग की गई थी। याचिका में टीएमसी कार्यकर्ताओं द्वारा की गई हिंसा के चलते आंतरिक रूप से विस्थापित लाखों लोगों को राहत पहुंचाने की भी बात कही गई थी। याचिकाकाताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पिंकी आनंद ने न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति बी.आर. गवई की पीठ के समक्ष अपना पक्ष रखा कि विभिन्न मानवाधिकार आयोगों ने इस हिंसा पर रिपोर्ट की है और कोर्ट से इन रिपोटरें पर गौर फरमाने का आग्रह किया है।

पिंकी आनंद ने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने विस्थापित महिलाओं की मदद की है। उन्होंने इन संगठनों के खिलाफ अभियोग चलाए जाने की भी मांग की। आनंद के अनुरोध पर पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता अरुण मुखर्जी और चार अन्य द्वारा दायर जनहित याचिका में एनएचआरसी और राष्ट्रीय महिला आयोग को लेकर एक पक्ष बनाने को कहा। पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई के लिए जून की तारीख तय की। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से राज्य में राजनीतिक हिंसा और लक्षित हत्याओं की घटनाओं की जांच करने और मामला दर्ज करने के लिए एक एसआईटी गठित करने का आग्रह किया गया था। दलील में कहा गया, राज्य प्रायोजित हिंसा के कारण पश्चिम बंगाल में लोगों के पलायन ने उनके अस्तित्व से संबंधित गंभीर मानवीय मुद्दों को जन्म दिया है, जहां वे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत निहित अपने मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के साथ दयनीय परिस्थितियों में रहने के लिए मजबूर हैं। यह याचिका मुखर्जी और कुछ अन्य लोगों द्वारा दायर की गई थी, जो 2 मई के बाद राज्य में चुनाव के बाद हो रही हिंसा से पीड़ित होने का दावा करते हैं।

बंगाल-ओडिशा के कई इलाकों में बारिश जारी, तूफान आज टकराने के आसार; यूपी- बिहार सहित इन राज्यों में भी अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। चक्रवात यास बुधवार को ओडिशा और पश्चिम बंगाल के समुद्र तट से टकराएगा। इससे पहले कई इलाकों में मंगलवार से ही बारिश शुरू हो गई है। ओडिशा के भुवनेश्वर, चांदीपुर और बंगाल के दिघा में बारिश हो रही है। वहीं तूफान को लेकर बिहार, झारखंड सहित कई राज्यों में भी अलर्ट जारी किया गया है। चक्रवात यास खतरनाक होना शुरू हो गया है। इसके असर से बंगाल के मेदिनीपुर, 24 परगना और हुगली में भी बारिश हो रही है। नेशनल डिजास्टर रेस्पॉन्स फोर्स ने पूर्वी मेदिनीपुर और दिघा के कई इलाकों को खाली करवा लिए थे।

165 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के साथ उठेगी ऊंची लहरें

यास तूफान पारादीप और सागर आइलैंड के बीच बुधवार को टकराने के आसार हैं। इसके असर से 165 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और 2 मीटर से 4.5 मीटर तक लहरें उठ सकती हैं। मौसम विभाग का कहना है कि समुद्र तट से टकराने से पहले यास काफी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। समुद्र तट से गुजरने के बाद बुधवार दोपहर तक इसका असर और बढ़ने की आशंका है।

ओडिशा के 6 जिले हाई रिस्क जोन घोषित –यास तूफान को देखते हुए पश्चिम बंगाल और ओडिशा में आपदा राहत की टीमें तैनात हैं। एयरफोर्स और नेवी ने भी अपने कुछ हेलिकॉप्टर और नावें राहत कार्य के लिए रिजर्व रखे हुए हैं। तूफान को लेकर ओडिशा के बालासोर, भद्रक, केंद्रपारा, जगतसिंघपुर, मयूरभंज और केओनझार जिले हाई रिस्क जोन घोषित किए गए हैं।

बंगाल में 10 लाख लोग सुरक्षित जगहों पर पहुंचाए जा रहे

यास के असर से पश्चिम बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, हुगली में बुधवार को 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। उत्तरी और दक्षिणी 24 परगना के तटीय इलाकों में 90 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के आसार हैं। ये रफ्तार 120 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि राज्य सरकार 10 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटी है। उनका कहना है कि यास का असर अम्फान तूफान से भी काफी ज्यादा होगा।

बिहार व झारखंड के कई इलाकों में भारी बारिश के आसार

यास तूफान को लेकर यूपी, बिहार झारखंड सहित कई राज्यों में भी अलर्ट किया गया है। मौसम विभाग पटना ने सोमवार को कहा कि अगले 2-3 दिनों में राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। विभाग ने 27 और 28 मई के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। उधर झारखंड में यास को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के दक्षिणी और केंद्रीय इलाकों में बुधवार और गुरुवार को तेज बारिश हो सकती है। पूर्वी सिंघभूम और रांची जिलों में एनडीआरएफ की टीमें भी तैनात कर दी गई हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात का सबसे ज़ेयादा असर तटीय ओडिशा और पश्चिम बंगाल में देखने को मिलेगा। वहीं तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भी इसका प्रभाव दिखाई देने की आशंका है। इन राज्यों के अलावा झारखंड और केरल के तटवर्ती इलाकों के कुछ हिस्े से भी तक्रवाती तूफान से प्रभावित हो सकते हैं। असम और मेघालय में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल और ओडिशा में 26 और 27 मई को भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

यूएन चीफ से मिलेंगे भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर, कहा- बड़ी चर्चाओं को आकार देना जारी रखेगा भारत

न्यूयॉर्क । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विश्वास व्यक्त किया है कि भारत हमारे वक्त की बड़ी बहसों को आकार देना जारी रखेगा. संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाय प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति और अन्य अधिकारियों तथा राजनयिकों से संवाद के बाद उन्होंने यह बात कही. इस साल जनवरी में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गैर स्थायी सदस्य के तौर पर भारत के शामिल होने के बाद जयशंकर की यह पहली अमेरिका यात्रा है जिसमें रविवार की शाम वह न्यूयॉर्क पहुंचे. वह संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मंगलवार को मुलाकात करेंगे.

तिरुमूर्ति, उपस्थायी प्रतिनिधि राजदूत के नागराज नायडू और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन से राजनयिकों से मुलाकात के बाद जयशंकर ने सोमवार को ट्वीट किया, राजदूत तिरुमूर्ति और न्यूयॉर्क में हमारी संयुक्त राष्ट्र की टीम के साथ रणनीति पर सार्थक सत्र हुआ. भरोसा है कि भारत हमारे समय की बड़ी बहसों को आकार देना जारी रखेगा.

तिरुमूर्ति ने ट्वीट किया, संयुक्त राष्ट्र में और 2021-22 के लिए सुरक्षा परिषद में हमारे प्रयासों को केंद्रित करने में मार्गदर्शन देने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर का आभार.

न्यूयॉर्क से, जयशंकर वाशिंगटन जाएंगे जहां वह अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात करेंगे. विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि ब्लिंकन और जयशंकर कोविड-19, क्वाड समूह के माध्यम से हिंद-प्रशांत सहयोग को मजबूत करने के प्रयासों सहित कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे और संयुक्त राष्ट्र एवं बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ाएंगे. प्रवक्ता ने कहा, ÷ब्लिंकन विदेश मंत्री जयशंकर की यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात करने के और कोविड-19 राहत, क्वाड के माध्यम से हिंद-प्रशांत सहयोग मजबूत करने के प्रयास सहित कई मुद्दों और साझा क्षेत्रीय सुरक्षा एवं आर्थिक प्राथमिकताओं पर चर्चा करने के इच्छुक हैं. ''

अपने समकक्ष से मुलाकात करने के अलावा जयशंकर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन, बाइडन प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, प्रभावशाली सांसदों, थिंक टैकों, कॉर्पोरेट क्षेत्र के नेताओं और भारतीय अमेरिका समुदाय के सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे. जयशंकर-ब्लिंकन मुलाकात के दिन एवं समय की न तो अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने न ही भारत के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की है. पश्चिम एशिया में बाइडन प्रशासन की शांति प्रक्रिया के प्रयासों के तहत ब्लिंकन सोमवार को वहां की संक्षिप्त यात्रा पर रवाना हुए. अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और वॉशिंगटन की यात्रा पर आए भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर कोविड-19, क्वाड के माध्यम से भारत-प्रशांत सहयोग को मजबूत बनाने, संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षीय सहयोग बढ़ाने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे. अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी.

रविवार को न्यूयॉर्क पहुंचे जयशंकर की जनवरी, 2021 में अस्थाई सदस्य के रूप में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के प्रवेश के बाद यह पहली अमेरिका यात्रा है. उनका बुधवार को वाशिंगटन डीसी जाने की कार्यक्रम है. जो बाइडन के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद भारत के किसी वरिष्ठ मंत्री की यह पहली अमेरिका यात्रा है.

विदेश मंत्री जयशंकर का अमेरिका यात्रा का कार्यक्रम काफी व्यस्तता भरा है. अमेरिका के विदेश मंत्री के साथ मुलाकात के अलावा जयशंकर अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन, अन्य वरिष्ठ मंत्रियों, सांसदों, थिंक टैंक, कॉरपोरेट सेक्टर के लोगों और भारतीय अमेरिकी समुदाय के सदस्यों से भी मिलेंगे. हालांकि, दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों ने जयशंकर-ब्लिंकन के मुलाकात का समय अभी तक नहीं बताया है. ब्लिंकन सोमवार को पश्चिम एशिया के संक्षिप्त दौरे पर हैं.

दिल्ली एम्स में कोवैक्सिन की बूस्टर डोज के लिए परीक्षण शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च में जिस कोरोना वैक्सीन की खुराक ली थी उसी पर अब दिल्ली एम्स में एक और परीक्षण शुरू हुआ है जिसमें बूस्टर खुराक दी जा रही है। दिल्ली एम्स के परीक्षण केंद्र पर 5 लोगों को बूस्टर खुराक दी गई। बूस्टर खुराक उन लोगों को दी जा रही है जिन्हें वैक्सीन की दोनों खुराक लिए छह माह का वक्त पूरा हो चुका है। देश में टीकाकरण कार्यक्रम 16 जनवरी से शुरू हुआ है। इसलिए परीक्षण में उन लोगों को शामिल किया गया जिन्हें पिछले वर्ष कोवाक्सिन के दूसरे और तीसरे चरण में शामिल किया था।

दरअसल आईसीएमआर के साथ मिलकर हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक कंपनी ने कोवाक्सिन को तैयार किया है जिसे एक कोरोना के जिंदा विषाणुओं को असक्रिय करने के बाद बनाया है। तीन जनवरी को यह वैक्सीन आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति लेने के बाद राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा बनी। फरवरी में भारत बायोटेक ने सरकार से अपील की थी कि उन्हें बूस्टर खुराक के लिए भी परीक्षण करने की अनुमति दी जाए। 2 खुराक लेने के बाद कुछ फीसदी लोगों में एंटीबॉडी कम होने का खतरा बन सकता है। इसलिए वे बूस्टर खुराक पर काम करना चाहते हैं।

पहली 2 खुराक लेने के छह माह बाद इसे लेकर एंटीबॉडी की मात्रा काफी बढ़ाई जा सकती है। इस आवेदन पर सरकार के ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने 18 मार्च की बैठक में अनुमति दी थी लेकिन इसके लिए शर्त यह रखी है कि बूस्टर खुराक जिन लोगों को मिलेगी उन्हें अगले 6 माह तक व्यवस्थित तरह से फॉलोअप लिया जाएगा। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिहाज से इसकी क्षमता और असर के बारे में साबित किया जा सके। इसी के तहत अब दिल्ली एम्स में परीक्षण शुरू हुआ है। एम्स के अलावा देश के अन्य अस्पतालों में भी यह परीक्षण होने वाला है।

मेहुल चौकसी के क्यूबा भागने की खबरों को वकील ने किया खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के क्यूबा भाग जाने की अफवाहों का खंडन करते हुए उनके वकील विजय अग्रवाल ने मंगलवार को कहा कि वह एंटीगुआ का वैध नागरिक है और द्वीप देश में उसके पास कोई कानूनी बाधा या जोखिम नहीं है। वकील ने बताया कि उन्हें चोकसी के परिवार द्वारा बताया गया था कि आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) चोकसी की तलाश के लिए जांच में एंटीगुआ पुलिस के साथ है। वकील विजय अग्रवाल ने बताया, उसके लापता होने की खबरें वास्तविक हैं। मुझे उसके परिवार से भी फोन आया था, और अब एंटीगुआ की पुलिस ने भी इसकी पुष्टि की है। मुझे उसके परिवार ने बताया है कि एंटीगुआ पुलिस और सीआईडी जांच कर रहे हैं। परिवार सदमे में है और चिंतित। हर कोई उसके ठिकाने के बारे में अनजान है। चोकसी के एंटीगुआ छोड़ने की अफवाहों का खंडन करते हुए वकील ने कहा कि उसके पास कहीं जाने का कोई कारण नहीं है। वकील ने आगे कहा, वह एंटीगुआ का एक वैध नागरिक है। उसके पास एंटीगुआ में कोई कानूनी बाधा या जोखिम नहीं था। इसके अलावा, एंटीगुआ की नागरिकता अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देकर, हमने प्रत्यर्पण पर भी रोक लगवा दी है। चोकसी के वकील ने दोहराया कि वह एंटीगुआ नहीं छोड़ेंगे क्योंकि रेड कॉर्नर नोटिस (आरसीएन) जारी किया गया है और अगर वह किसी भी (अंतरराष्ट्रीय) सीमा को पार करने की कोशिश करता है, तो उसे पकड़ा जा सकता है और भारत सरकार को सूचित किया जा सकता है। वहीं, आगे की कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर वकील ने कहा कि आगे बढ़ने से पहले चोकसी को ढूंढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि आज शाम और कल सुबह तक हमारे पास कुछ अपडेट होंगे। एंटीगुआ में मीडिया में ऐसी खबरें थीं कि पुलिस ने मेहुल चोकसी की तलाश शुरू कर दी है। यह बताया गया कि चोकसी द्वीप के दक्षिणी हिस्से में एक प्रसिद्ध रेस्तरां में रात के खाने के लिए जाने के लिए कल शाम अपने घर से निकला और फिर कभी नहीं देखा गया। जॉली हार्बर में बाद में उसकी एक गाड़ी मिली, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। बता दें कि मेहुल चोकसी गीतांजलि ज्वैलर्स का मालिक था और 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक धोखाधड़ी के मामले में शामिल है। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने उसके खिलाफ कई मामले दर्ज किए हैं और उसके खिलाफ जांच जारी है।

कार्टून

कोविड की तीसरी लहर पर विशेषज्ञ बोले- कुछ कहना संभव नहीं, बच्चों के लिए अच्छी खबर

नई दिल्ली । कोरोना महामारी पर गठित एक सरकारी समूह के प्रमुख ने कहा है कि इस पर यकीन करने का कोई कारण नहीं है कि कोरोना महामारी की अगली या तीसरी लहर से बच्चे ज्यादा प्रभावित होंगे। हालांकि, उन्होंने कोरोना संक्रमण से बच्चों को सुरक्षित करने के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर दिया है।

टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी परामर्श समूह (एनटीएजीआइ) के चेयरमैन डॉ. एनके अरोड़ा ने कहा कि भारत में कोरोना संक्रमण की मौजूदा स्थिति से ऐसा कोई संकेत नहीं मिलता कि इससे खासकर बच्चे या युवा ज्यादा प्रभावित हुए हैं। चूंकि मामले ज्यादा आ रहे हैं इसलिए हर आयुवर्ग से अधिक संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं।

डॉ. अरोड़ा ने यह भी कहा कि फिलहाल किसी तीसरी लहर के बारे में कुछ कहना संभव नहीं है। परंतु, अपने देश या दूसरे देशों के आंकड़ों और अनुभवों के आधार पर इस पर विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि आने वाले हफ्तों, महीनों या अगली लहर में महामारी का बच्चों पर ज्यादा प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

इससे पहले भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा बताया जा चुका है कि तीसरी लहर में बच्चों के ज्यादा प्रभावित होने के ठोस वैज्ञानिक संकेत नहीं हैं। इसके लिए वे पहली और दूसरी लहर के बीच समानता की दलील देते हुए तीसरी लहर के अलग होने की आशंका को निराधार बता रहे हैं।

तीसरी लहर में बच्चों के ज्यादा प्रभावित होने के बारे में पूछे जाने पर एम्स के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने कहा था कि पहली और दूसरी लहर का डाटा देखें तो पाते हैं कि बच्चे बहुत कम संक्रमित होते हैं और अगर हुए भी हैं तो लक्षण हल्के (माइल्ड) ही रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक ऐसा कोई संकेत नहीं है कि तीसरी लहर में संक्रमण बच्चों में ज्यादा होगा और वह भी गंभीर (सीवियर) होगा। बच्चों में कोरोना के कम संक्रमण या माइल्ड संक्रमण का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि इसके पीछे एक वैज्ञानिक तर्क यह दिया जा रहा है कि कोरोना वायरस जिस रिसेप्टर के सहारे कोशिका से ज़ुड़ता है, वह बच्चों में कम होता है।

भारत बायोटेक को उम्मीद, जुलाई-सितंबर तक कोवैक्सीन के लिए डब्ल्यूएचओसे मिल जाएगी इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देसी टीका कंपनी भारत बायोटेक ने मंगलवार को कहा कि उसे कोरोना के अपने टीके कोवैक्सीन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन से जुलाई-सितंबर तक इमरजेंसी इस्तेमाल मंजूरी (ईयूए) मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि कोवैक्सीन के लिए 60 से अधिक देशों में नियामकीय मंजूरी प्रक्रिया में है, जिसमें अमेरिका, ब्राजील, हंगरी जैसे देश शामिल हैं।

इसने एक बयान जारी कर कहा, ईयूए के लिए आवेदन डब्ल्यूएचओ-जिनेवा को सौंप दिया गया है, नियामकीय मंजूरी जुलाई-सितंबर 2021 तक मिलने की उम्मीद है। टीका निर्माता ने कहा कि इसे 13 देशों में ईयूए हासिल हो गया है और अन्य कई अन्य देशों में मिलने की उम्मीद है। अधिकतर देशों ने कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण की अनुशंसा की है। भारत बायोटेक ने कहा कि बिना टीका लगवाए यात्री नेगेटिव आरटी-पीसीआर जांच के साथ यात्रा कर सकते हैं, जब तक कि किसी देश ने विशिष्ट यात्रा पाबंदियां नहीं लगाई हों। वहीं, इससे पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि कोविड-19 के लिए अपने कोवैक्सीन टीके को आपात उपयोग वाली सूची में शामिल कराना चाह रही भारत बायोटेक से और अधिक जानकारी प्राप्त करने की जरूरत है।

डब्ल्यूएचओ की वेबसाइट पर 18 मई को जारी डब्ल्यूएचओ की ईयूएल मूल्यांकन प्रक्रिया में कोविड-19 टीकों की स्थिति पर ताजा दिशा-निर्देश रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत बायोटेक ने 19 अप्रैल को ईओआई जमा किया था तथा उससे अभी और जानकारी चाहिए। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, टीकों के इमरजेंसी इस्तेमाल की प्रक्रिया के लिए सूचीबद्ध करने के लिहाज से अनुमति देने के आवेदन गोपनीय होते हैं। एजेंसी के अनुसार, यदि मूल्यांकन के लिए जमा किया गया कोई दस्तावेज सूची में शामिल करने के मानदंड को पूरा करता पाया जाता है तो डब्ल्यूएचओ व्यापक परिणाम जारी करेगा।

सार समाचार

पाकिस्तान के शिक्षा मंत्री को हुआ कोरोना वायरस, टीका लगाने के बाद भी हो रहे लोग संक्रमित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के शिक्षा मंत्री शफकत महमूद ने मंगलवार को घोषणा की कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाये गये है लेकिन उनमें इस वायरस के ''हल्के लक्षण'' है। महमूद ने ट्वीट किया, ''मैं कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया हूं। मुझ में हल्के लक्षण है लेकिन मैं ठीक महसूस कर रहा हूं। इंशाअल्लाह, जल्द ठीक हो जाऊंगा।'' मार्च में कोरोना वायरस का टीका लगवाने के बावजूद वह इस वायरस से संक्रमित हो गये। देश में पिछले साल फरवरी में यह महामारी शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री इमरान खान, राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और कई सरकारी अधिकारी कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। पाकिस्तान में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 905,852 मामले सामने आ चुके हैं और इस महामारी से 20,400 लोगों की मौत हो चुकी हैं।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन पहुंचे इजरायल, क्यो हो रहा है यह दौरा?

यरुशलम। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन पश्चिम एशिया के अपने दौरे के शुरुआती चरण के तहत इजराइल पहुंच गये हैं। इस यात्रा का उद्देश्य गाजा संघर्ष विराम को प्रोत्साहित करना है। ब्लिंकन मंगलवार की सुबह इजराइल पहुंचे। वह क्षेत्र का दौरा करने वाले राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन के सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ब्लिंकन को उन्हीं गतिरोधों का फिर से सामना करना पड़ेगा जिनकी वजह से एक दशक से अधिक समय से शांति प्रक्रिया बाधित हुई है। इनमें इजराइली नेतृत्व, फलस्तीन का विभाजन और यरुशलम एवं उसके धार्मिक स्थलों के आस पास व्याप्त तनाव जैसे मुद्दे शामिल हैं। 11 दिन तक चले इजराइल-गाजा संघर्ष में 250 से अधिक लोग मारे गये जिनमें अधिकतर फलस्तीनी हैं। इस संघर्ष में तटीय क्षेत्र में चौतरफा तबाही हुई है जिसकी हालत पहले से ही दयनीय है। ब्लिंकन के , गाजा के सैन्य शासन हमास से संपर्क किये बिना वहां पुनर्निर्माण के काम में सहयोग पर ध्यान केंद्रित किये जाने की संभावना है। हमास को इजराइल और पश्चिमी देश आतंकवादी मानते हैं। संघर्ष विराम शुक्रवार से प्रभाव में आया है। हालांकि इससे अब तक मौजूदा मुद्दों का कोई समाधान नहीं हो पाया है।

मलेशिया में दो ट्रेन की हुई आपस में भीषण टक्कर, 200 से अधिक घायल

कुआलालंपुर। मलेशिया के कुआलालंपुर में एक सुरंग के भीतर दो लाइट रेल ट्रेनों (मेट्रो एवं ट्राम की विशेषता वाली ट्रेन) के बीच हुई टक्कर में 200 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह हादसा 23 साल पुरानी मेट्रो प्रणाली का सबसे बड़ा हादसा है। सोमवार रात हुई टक्कर की सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों में खून से लथपथ यात्री दिख रहे हैंऔर चारों तरफ शीशे टूट कर बिखरे हुए हैं। परिवहन मंत्री वी का सियोंग ने स्थानीय मीडिया को बताया कि मेट्रो ट्रेन देश के सबसे ऊंचे ट्विन टावरों में से एक पेट्रोनास टॉवर्स के पास सुरंग के भीतर परीक्षण के लिए चलाई गई खाली गाड़ी से टकरा गई। ट्रेन में 213 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा, फ्रएक गाड़ी 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जा रही थी और दूसरी गाड़ी करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी, जब यह टक्कर हुई। भीषण झटका लगने की वजह से कुछ यात्री अपनी सीट से बाहर गिर गए।'' संघीय क्षेत्र मंत्री अन्नुआर मूसा ने मंगलवार को ट्वीट कर बताया कि तीन यात्रियों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। वहीं 40 से अधिक लोगों को गंभीर चोटें आई हैं और अन्य 160 को मामूली चोटें आई हैं। प्रधानमंत्री मुहिद्दीन यासीन ने हादसे की संपूर्ण जांच कराने को कहा है। पुलिस ने कहा है कि उन्हें संदेह है कि ट्रेनों के परिचालन नियंत्रण केंद्र से कुछ गलत सूचना दी गई। खाली गाड़ी को एक चालक चला रहा था लेकिन यात्रियों वाली ट्रेन पूर्णतः स्वसंचालित थी और उसका नियंत्रण परिचालन केंद्र कर रहा था।

पाकिस्तान को लगा तगड़ा झटका, अमेरिका की ओर से अब भी निलंबित रहेगी सुरक्षा सहायता

वाशिंगटन/इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पेंटागन की ओर से कहा गया है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पाकिस्तान को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता को निलंबित रखने की पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति को बरकरार रखा है और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि प्रशासन भविष्य में इस बारे में अपने रूख में बदलाव लाएगा या नहीं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी 2018 में पाकिस्तान को दी जाने वाली सभी सुरक्षा सहायता निलंबित करते हुए कहा था कि वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान की भूमिका तथा उसकी ओर से मिलने वाले सहयोग को लेकर संतुष्ट नहीं हैं। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने एक संवाददाता सम्मेलन में सोमवार को कहा, ''पाकिस्तान को अमेरिका की ओर से दी जाने वाली सुरक्षा सहायता अब भी निलंबित है। आगे इसमें कोई बदलाव होगा या नहीं इस बारे में मैं अभी कुछ नहीं कहना चाहता।'' किर्बी से सवाल किया गया था कि राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने इस विषय पर पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन की नीति की समीक्षा की है या नहीं? उनसे पूछा गया था कि क्या इसमें कोई परिवर्तन किया गया है या पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ इस मुद्दे पर चर्चा हुई है? किर्बी ने बताया कि इससे पहले रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा से बात की। ऑस्टिन ने जनरल बाजवा के साथ साझा हितों एवं लक्ष्यों के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया, ''रक्षा मंत्री ने अफगानिस्तान शांति वार्ता में पाकिस्तान के समर्थन की सराहना की और अमेरिका-पाकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की अपनी इच्छा जाहिर की।'' ऑस्टिन ने ट्वीट किया, ''मैंने दोहराया कि अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों की मैं सराहना करता हूं। क्षेत्रीय सुरक्षा तथा स्थिरता को बढ़ाने की खातिर मिलकर काम करने की इच्छा भी मैंने दोहराई।'' एक दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने जिनेवा में अपने पाकिस्तानी समकक्ष मोईद यूसुफ से मुलाकात की। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एमिली होर्न ने बताया, ''दोनों पक्षों ने साझा हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की तथा व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर बात की। इस संवाद को जारी रखने पर भी दोनों ओर से

सहमति बनी।'' व्यक्तिगत उपस्थिति वाली पहली उच्च स्तरीय बैठक में पाकिस्तान और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने विस्तृत मुद्दों पर बात की। इस्लामाबाद में यूसुफ के कार्यालय की ओर से जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, ''दोनों पक्षों के बीच साझा हित के अनेक क्षेत्रीय, द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर सकारात्मक बात हुई। वे इन मुद्दों पर व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने पर भी सहमत हुए।

कांगो में ज्वालामुखी फटने के बाद भूकंप के झटके, कम से कम 32 लोगों की मौत

किन्शासा। (एजेंसी)।

पूर्वी कांगो में ज्वालामुखी फटने के कारण अब तक कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ज्वालामुखी फटने के दो दिन बाद गोमा शहर के बाहरी इलाकों में नष्ट हो चुके घरों के बीच लोग अपने प्रियजनों को खोजते नजर आए। यहां ज्वालामुखी फटने के बाद भूकंप के झटके भी महसूस किए गए। अधिकारियों तथा प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कांगो के गोमा शहर के नजदीक स्थित ज्वालामुखी माउंट नीरागोंगो शनिवार को फट गया था। जिसके बाद लावा बहकर यहां के गांवों में आ गया, जिसके कारण यहां 500 से ज्यादा मकान नष्ट हो गए। 'नॉर्थ किवू' प्रांत में नागरिक सुरक्षा प्रमुख जोसफ माकुंडी ने बताया कि मरने वालों की संख्या सोमवार को 32 हो गई। उन्होंने बताया कि ज्वालामुखी से बचकर भागने के प्रयास में विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं में दस से अधिक लोगों की मौत हो गई। कई अन्य की लावा की चपेट में आने से मौत हो गई। गोमा में ज्लावामुखी संबंधी वेधशाला के निदेशक सेलेस्टिन कासेरेका महिंदा ने बताया कि कई लोगों की लावा से निकलने वाले धुंए तथा जहरीली गैस के संपर्क में आने से मौत हुई। महिंदा ने बताया कि वेधशाला के वैज्ञानिक ज्वालामुखी फटने की आशंका के संबंध में जनता को उचित तरीके से सचेत नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि ज्वालामुखी अब भी सक्रिय है तथा भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। महिंदा ने लोगों से अब भी सतर्क रहने को कहा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने बताया कि ज्वालामुखी माउंट नीरागोंगो शनिवार को फट गया था, जिसके कारण करीब पांच हजार लोग गोमा शहर छोड़कर चले गए जबकि अन्य 25,000 ने उत्तर पश्चिम में साके शहर में शरण ली।

विद्रोही सैनिकों ने माली देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को किया गिरफ्तार

बमाको (माली)। (एजेंसी)।

माली में विद्रोही सैनिकों ने देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। घटना के कुछ ही घंटों पहले सरकार में फेरबदल किया गया था और सेना के दो सदस्यों को सरकार में शामिल नहीं किया गया था। अफ्रीकी संघ और संयुक्त राष्ट्र ने यह जानकारी दी। माली में नौ महीने पहले सेना ने सैन्य तख्तापलट करके सत्ता अपने हाथ में ले ली थी। पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्रीय खंड (ईसीओडब्ल्यूएएस) और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के अन्य सदस्यों ने एक संयुक्त बयान जारी कर राष्ट्रपति बाह एन डॉव और प्रधानमंत्री मोक्टर ओउने को तुरंत रिहा करने की मांग की है।

दोनों नेताओं को काती सैन्य मुख्यालय ले जाया गया है। संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने वालों ने माली की राजनीतिक व्यवस्था को तत्काल बहाल करने तथा तय समयसीमा के अंदर उसे अपना कार्यकाल पूरा करने की मांग की है। बयान में कहा गया है, ''अंतरराष्ट्रीय समुदाय जबरन इस्तीफे समेत तमाम कार्रवाइयों का विरोध करता है।'' उन्होंने कहा, ''आज का यह अविवेकपूर्ण फैसला भविष्य में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को माली के समर्थन में आने से रोकेगा।'' इस घटनाक्रम से एक नयी चिंता उभर कर सामने आयी है कि क्या मौजूदा सरकार स्वतंत्र रूप से भविष्य में काम कर पायेगी और अगले साल फरवरी में माली में तय लोकतांत्रिक चुनाव को आयोजित कराने की योजना को आगे बढ़ा पायेगी। संयुक्त राष्ट्र माली में शांति अभियानों पर हर साल 1.2 अरब डॉलर खर्च करता है।

कोवैक्सिन को आपात इस्तेमाल लिस्ट में शामिल करने के लिए भारत बायोटेक से और जानकारी जरूरी : डब्ल्यूएचओ

न्यूयॉर्क/जिनेवा। (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि कोविड-19 के लिए अपने कोवैक्सिन टीके को आपात उपयोग वाली सूची (ईयूएल) में शामिल कराना चाह रही भारत बायोटेक से और अधिक जानकारी प्राप्त करने की जरूरत है। डब्ल्यूएचओ की वेबसाइट पर 18 मई को जारी 'डब्ल्यूएचओ की ईयूएल मूल्यांकन प्रक्रिया में कोविड-19 टीकों की स्थिति' पर ताजा दिशा-निर्देश रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत बायोटेक ने 19 अप्रैल को ईओआई (रुचि पत्र) जमा किया था तथा उससे अभी और जानकारी चाहिए। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, टीकों के आपात उपयोग की प्रक्रिया के लिए सूचीबद्ध करने के लिहाज से अनुमति देने के आवेदन गोपनीय होते हैं। एजेंसी के अनुसार, यदि मूल्यांकन के लिए जमा किया गया कोई दस्तावेज सूची में शामिल करने के मानदंड को पूरा करता पाया जाता है तो डब्ल्यूएचओ व्यापक परिणाम जारी करेगा। इस बीच हैदराबाद स्थित भारत बायोटक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) ने सरकार से कहा है कि उसने कोवैक्सिन टीके को आपात उपयोग सूची (ईयूएल) में शामिल कराने के लिए डब्ल्यूएचओ को 90 प्रतिशत दस्तावेज जमा कर दिये हैं। नयी दिल्ली में सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, भारत बायोटेक ने केंद्र सरकार से कहा कि शेष दस्तावेज जून तक जमा किये जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि ईयूएल पर बीबीआईएल के साथ बैठक में कंपनी के प्रबंध निदेशक वी. कृष्ण मोहन और उनके सहयोगी तथा स्वास्थ्य मंत्रालय, जैवप्रौद्योगिकी विभाग तथा विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला भी बैठक में शामिल हुए।

म्यांमार में हो सकता है भयंकर गृह युद्ध, संयुक्त राष्ट्र के दूत ने दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

म्यांमार के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत ने देश में गृह युद्ध की आशंका के प्रति सोमवार को आगाह किया। उन्होंने कहा कि लोग सैन्य जुंटा के खिलाफ खुद को तैयार कर रहे हैं और प्रदर्शनकारियों ने घर पर बने हथियारों एवं कुछ नस्ली सशस्त्र समूहों से प्राप्त प्रशिक्षण का इस्तेमाल कर रक्षात्मक रुख अपनाने के बजाय आक्रामक रुख अपनाना शुरू कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में क्रिसरीन श्रैनर बर्जनर ने कहा कि लोग आत्मरक्षा के कदम उठा रहे हैं क्योंकि वे निराश हैं और सेना के हमलों को लेकर भयभीत हैं।

सेना ने लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार का एक फरवरी को तख्तापलट किया था और अब 'बड़े पैमाने पर हिंसा÷ हो रही है। उन्होंने कहा कि गृह युद्ध 'हो सकता है' और इसलिए पिछले तीन हफ्तों से अपने स्थान पर, जो अब थाइलैंड में है, उन्होंने कई प्रमुख पक्षों के साथ विमर्श कर समावेशी वार्ता शुरू करने के विचार पर चर्चा की जिसमें नस्ली सशस्त्र समूह, राजनीतिक दल, नागरिक समाज, हड़ताल समितियां और तात्मादॉ के तौर पर चर्चित सेना को शामिल करने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय से प्रत्यक्षदर्शियों के छोटे समूहों को भी शामिल किया जाएगा।

बर्जनर ने कहा, 'स्पष्ट तौर पर दोनों पक्षों को वार्ता के लिए रजामंद करना आसान नहीं होगा लेकिन मैं अपने प्रभाव की.... और खून-खराबा तथा लंबे समय तक चल सकने वाले गृह युद्ध को टालने की पेशकश करती हूं।' उन्होंने कहा, 'हम स्थिति को लेकर चिंतित हैं और स्पष्ट तौर पर

चाहते हैं कि वहां के लोग तय करें कि वह देश को सामान्य स्थिति में पहुंचते हुए कैसे देखना चाहते हैं।' बर्जनर ने म्यांमा में स्थिति को 'बहुत खराब' बताते हुए कहा कि 800 से ज्यादा लोगों की मौत हुई, करीब 5,300 को गिरफ्तार किया गया है और सेना ने 1,800 से अधिक गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

अफगानिस्तान : अमेरिकी सैनिकों की वापसी शुरू होते ही अपना दायरा बढ़ा रहा तालिबान, तीन जिलों पर किया कब्जा

काबुल। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी शुरू होने के साथ ही आतंकी संगठन तालिबान ने अपना दायरा बढ़ाना शुरू कर दिया है। उसने पिछले कुछ हफ्तों में युद्ध प्रभावित इस देश के तीन जिलों पर कब्जा कर लिया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, तालिबान आतंकियों ने हाल में वरदक प्रांत के जलरेज जिले और लघमन प्रांत के दौलत शाह जिले पर कब्जा कर लिया। आतंकियों ने अफगान सुरक्षा बलों से संघर्ष के बाद इस महीने की शुरुआत में बगलान प्रांत के बुर्का जिले पर भी कब्जा कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि अफगान बलों ने इन जिलों को मुक्त कराने के लिए अभियान चला रखा है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रोहुल्ला अहमदजई ने बताया कि सुरक्षा बलों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए तालिबान आतंकी नागरिकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सुरक्षा बल जिलों से आतंकियों को खदेड़ने में सक्षम हैं। नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर समय लग रहा है। जबकि सेना प्रमुख मुहम्मद यासीन जिया ने सोमवार को लघमन की राजधानी मेहतर लाम का दौरा किया। उन्होंने बताया कि प्रांत में आतंकियों के खिलाफ अभियान चलाया गया है। अब तक 50 से ज्यादा आतंकी ढेर कर दिए गए और करीब 60 घायल हुए हैं। बता दें कि अफगानिस्तान में करीब 20 वर्षो से जारी संघर्ष को खत्म करने के प्रयास में अमेरिका और तालिबान के बीच गत वर्ष फरवरी में शांति समझौता हुआ था। इसी समझौते के तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी हो रही है। राष्ट्रपति बाइडन ने गत माह एलान किया था कि अमेरिकी बल 11 सितंबर तक अफगानिस्तान को छोड़ देंगे।

लॉटरी का टिकट फेंक कर गई महिला, भारतीय मूल ने वापस लौटाया; हुई लखपति

न्यूयॉर्क। अमेरिका के मेसाच्युसेट्स राज्य में भारतीय मूल के एक परिवार ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए एक महिला को उसका लॉटरी का टिकट वापस कर दिया, जिसे वह बेकार समझ कर फेंक गई थी और इस टिकट ने महिला को रातोंरात लखपति बना दिया। भारतीय मूल के परिवार की, ईमानदारी के लिए खूब प्रशंसा हो रही है। ली रोज़ फिएगा ने मार्च के महीने में 'लकी स्टॉप' नामक दुकान से लॉटरी का एक टिकट खरीदा था। यह दुकान साउथविक इलाके में रहने वाले भारतीय मूल के एक परिवार की है। महिला अक्सर इस दुकान से टिकट खरीदती थी। फिएगा ने सोमवार को बताया कि ,''मेरा लंच ब्रेक था और मैं जल्दी में थी। मैंने जल्दबाजी में टिकट का नंबर खुरचा और उसे देख कर लगा कि मेरी लॉटरी नहीं निकली है तो मैंने उन्हें टिकट दे कर उसे फेंकने के लिए कहा।'' न्यूयॉर्क पोस्ट ने अपनी खबर में बताया कि महिला ने जल्दबाजी में टिकट पूरी तरह नहीं खुरचा था और यह टिकट बेकार टिकटों के बीच दस दिन तक रखा रहा। इसके बाद दुकान के मालिक के बेटे अभि शाह की नजर उस टिकट पर गई। खबर में अभि शाह ने कहा ,''यह टिकट उसकी मां अरुणा शाह ने बेचा था और जिसे बेचा था वह महिला हमारी नियमित ग्राहक थी।'' स्थानीय टेलीविजन स्टेशन डब्ल्यूडब्ल्यूएलपी ने अपनी खबर में अभि के हवाले से बताया,'' एक शाम मैं बेकार पड़े टिकटों को देख रहा था और मैंने देखा कि उन्होंने ठीक से नंबर को खुरचा नहीं है। मैंने नंबर को खुरचा और देखा कि उसमें दस लाख डॉलर का इनाम है।'' अभि ने मजाकिया लहजे में कहा,'' मैं रातोंरात लखपति बन गया।'' उसने कहा कि उसने इस पैसे से एक कार खरीदने की सोची पर बाद में उसने टिकट वापस करने का निर्णय किया। शाह परिवार ने कहा कि टिकट वापस करने का निर्णय आसान नहीं था। दुकान के मालिक मुनीश शाह ने कहा,'' हम दो रात सोए नहीं। उसने भारत में मेरी मां, यानी अपनी दादी को फोन किया और उन्होंने कहा कि टिकट वापस कर दो, हमें वह पैसा नहीं चाहिए।'' इसके बाद परिवार ने टिकट वापस करने का फैसला किया। पूरी घटना पर फिएगाा ने कहा,'' शाह मुझे बुलाने आया तो मैंने कहा कि मैं काम कर रही हूं,लेकिन उसने कहा कि नहीं तुम्हें आना होगा,तो मैं वहां गई और वहां पहुंच कर मुझे पूरी बात पता चली। मुझे विश्वास ही नहीं हुआ। मैं रोई और उन्हें गले से लगाया।'' भारतीय मूल के परिवार के इस काम के लिए उनकी खूब प्रशंसा हो रही है।

कोरोना वायरस लगातार बदलते रहते हैं अपना रूप, क्या वैक्सीन होगा प्रभावी?

लंदन। (एजेंसी)।

वायरस लगातार अपना रूप परिवर्तित करते रहते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि आनुवंशिक सामग्री की प्रति बनाने के वक्त कई बार कुछ त्रुटियां रह जाती हैं। कुछ त्रुटियों का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। कुछ वायरस को कम टिकाऊ बनाती हैं। कुछ इसे और अधिक सुसाध्य बनाती हैं जिसका मतलब है कि वायरस जीवित तो रहेगा लेकिन इससे बीमारी नहीं होगी। यहां जिन त्रुटियों पर नजर रखी जानी है वे ऐसी त्रुटियां हैं जो वायरस को ज्यादा संक्रामक बनाती हों या प्रतिरक्षा तंत्र से बच निकलने में बेहतर ढंग से सक्षम हो जाएं।

कोविड-19 के लिए जिम्मेदार वायरस सार्स-सीओवी-2 भी अलग नहीं है। जितनी बार यह विभाजित होता है या रूप बदलता है उतनी बार यह नया जोखिम पैदा करता है जिससे वायरस का और गंभीर स्वरूप सामने आ सकता है। यह कहीं भी, किसी भी वक्त हो सकता है। इसलिए वायरस के प्रकारों पर नजर रखना और यह देखना जरूरी है कि क्या यह व्यक्ति से व्यक्ति में आसानी से फैल रहा है, मामूली या ज्यादा गंभीर बीमारी फैला रहा है, मौजूदा जांचों में उसका पता लगाने में दिक्कत तो नहीं हो रही या मौजूदा इलाजों का उसपर असर नहीं हो रहा है। दरअसल सबसे बड़ी चिंता का विषय है सुरक्षा कवच को भेदने वाला संक्रमण, जहां टीकों की सभी खुराक ले चुके व्यक्ति को भी कोविड हो जा रहा है।

वायरस के दूसरे स्वरूप का पता लगने के बाद, उसे या तो दिलचस्पी के स्वरूप या चिंताजनक स्वरूप या उच्च परिणाम वाले स्वरूप के तौर पर वर्गीकृत किया जाता है। राहत की बात है कि हमारा सामना उच्च परिणाम वाले किसी स्वरूप से अब तक नहीं हुआ है जिसपर मौजूदा चिकित्सा उपाय सभी काम नहीं करेंगे। लेकिन हमारे पास चिंता के कारण वाले कम से कम चार स्वरूप हैं। वायरस के किसी प्रकार के इस वर्गीकरण का मतलब है कि उनके ज्यादा फैलाव, ज्यादा गंभीर बीमारी करने, एंटीबॉडीज का उनपर घटता प्रभाव या टीकों एवं इलाजों का कम असर दिखाने वाले साक्ष्य हैं। इनमें बी117 (पहली बार ब्रिटेन में मिला), बी1351 (दक्षिण अफ्रीका में पहली बार पहचाना गया), पी 1 (पहली बार ब्राजील में मिला) और बी16172 (पहली बार भारत में पहचाना गया) स्वरूप शामिल हैं। ऐसे साक्ष्य हैं ये सभी ज्यादा फैलने वाले हैं और ऐसा क्यों है इसे समझने के लिए बेहतर आणविक समझ उपलब्ध है। अधिक प्रसार को महामारी विज्ञान की दृष्टि से (जनसंख्या में) देखा जा सकता है लेकिन एक लैब में भी इसकी पुष्टि करना आवश्यक है कि कोई खास चिंताजनक स्वरूप तेजी से क्यों फैल रहा है। मानवीय कोशिकाओं के रिसेप्टर एसीई2 से चिपक जाने वाला वायरस का हिस्सा, स्पाइक प्रोटीन इन सभी चिंताजनक स्वरूपों में बदला है और इनमें से कुछ में से इस बदलाव को एसीई2 से जुड़ जाने की वायरस की बढ़ी हुई क्षमता के रूप में देखा जा सकता है।

प्रयोगशाला के कुछ अध्ययनों में पाया गया कि मूल स्पाइक प्रोटीनों को निशाना बनाने वाली एंटीबॉडीज वायरस के चिंताजनक स्वरूपों के स्पाइक प्रोटीन को बेअसर करने में कम सक्षम हैं। लेकिन सबस अहम यह है कि तथाकथित वास्तविक दुनिया के आंकड़ों ने दिखाया है कि इसका वायरस के कुछ स्वरूपों के खिलाफ टीके के प्रभाव पर बड़ा असर नहीं पड़ता है। कतर का उम्मीद देने वाला एक अध्ययन दिखाता है कि फाइजर/ बायोटेक एन टीका बी117 के खिलाफ 90 प्रतिशत और बी1351 के खिलाफ 75 प्रतिशत प्रभावी है। एस्ट्राजेनेका टीका बी117 के खिलाफ 75 प्रतिशत असरदार है। 'पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड' ने खबर दी है कि दोनों फाइजर/बायोएनटेक और एस्ट्राजेनेका के टीके बी16172 के खिलाफ काफी असरदार हैं। फाइजर 88 प्रतिशत, तो एस्ट्राजेनेका 60 प्रतिशत प्रभावी है। यह अध्ययन इसलिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि बी16172 प्रकार वैश्विक तौर पर प्रमुख स्वरूप बन सकता है। ये विश्लेषण संक्रमण के जोखिम से जुड़े हुए हैं। हालांकि, किसी प्रकार के टीके के सुरक्षा कवच को तोड़ने की आशंका के लिहाज से सबसे जरूरी सवाल है कि कोई संक्रमित होता है कि नहीं बल्कि यह है कि संक्रमण गंभीर बीमारी या मौत का रूप न ले ले।

टीके का काम गंभीर बीमारी को रोकना है और अब तक यह उचित अपेक्षा है कि प्रयोग में आने वाले मुख्य टीके वायरस के चिंताजनक स्वरूपों के खिलाफ ऐसा करने में सक्षम हों। ऐसा कुछ हद तक संभवतः इसलिए है क्योंकि प्रत्येक टीका मजबूत एंटीबॉडी प्रतिक्रिया पैदा कर रहा है। भले ही एंटीबॉडी की गुणवत्ता कम हो लेकिन मात्रा ज्यादा देकर इस कमी को पार किया जा सकता है। वे स्पाइक प्रोटीन पर चिपक सकती हैं और भले ही वे कम चिपचिपी हों लेकिन एंटीबॉडीज जितनी अधिक होंगी उतनी ज्यादा वे प्रोटीन पर जाकर चिपकेंगी। और भले ही एंटीबॉ़डीज की शक्ति हल्की भी हो जाए प्रतिरक्षा तंत्र

के पास एक और मजबूत हथियार है टी कोशिकाएं। टी कोशिकाएं वायरस के कई हिस्सों की पहचान कर सकती हैं। वे दो तरीकों से काम करती हैं- बी कोशिकाओं को ज्यादा से ज्यादा एंटीबॉडीज बनाने में मदद कर सकती हैं या संक्रमित कोशिका को मार सकती हैं। संक्रमण शुरू होने के बाद टी कोशिकाओं की यह प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है। प्रकारों के खिलाफ टी कोशिकाओं के विफल होने की संभावना बहत कम होती है। इन सभी बातों से भरोसा जगता है कि टीके कितने प्रभावी हैं। सबसे आवश्यक है कि संभवतः स्पाइट प्रोटीन के साथ बूस्टर टीके लगाएं जाएं या चिंताजनक स्वरूपों से एमआरएनए लेकर खुराकों में डाला जाए और ऐसे कदम भी उठाए जा रहे हैं कि एक ऐसा टीका बने जो सभी प्रकार के कोरोना वायरसों के खिलाफ बचाव दे।

ब्लैक फंगस की दवा की किल्लत : सत्येन्द्र जैन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में ब्लैक फंगस के बढ़ते मामलों के साथ ही इसकी दवा की भी किल्लत हो गई है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का कहना है कि दवा का मामला केंद्र सरकार के नियंत्रण में है और इसकी कमी पूरे देश में है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली के अस्पतालों में बुधवार रात तक ब्लैक फंगस के 197 मामले आए थे। उन्होंने कहा कि इनमें वे मरीज भी शामिल हैं जो बाहर से यहां के अस्पतालों में इलाज कराने आए हैं। दिल्ली में 18 से 44 साल के लोगों का टीकाकरण कर रहे केंद्र को शुक्रवार को बंद किया, क्योंकि राजधानी दिल्ली में इस आयुवर्ग के टीकाकरण के लिए टीके की कमी है। दिल्ली में कोवाक्सिन की खुराक कई दिन पहले ही खत्म हो गई थी। कोविशील्ड की खुराक भी खत्म हो रही है। कई केंद्रों को आज बंद किया है। मंत्री जैन ने कहा कि दिल्ली के अस्पतालों में बुधवार रात तक ब्लैक फंगस के 197 मामले आए थे, जिनमें वे मरीज भी शामिल हैं जो इलाज के लिए दूसरे राज्यों से यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में ब्लैक फंगस या म्यूकरमाइकोसिस के इलाज में इस्तेमाल एम्फोटेरीसिन-बी इंजेक्शन की कमी है। केंद्र से 2000 इंजेक्शन दिल्ली को मिलने की उम्मीद है जिन्हें इन अस्पतालों को दिया जाएगा। मंत्री जैन से डॉक्टरों की सलाह के बिना कोविड-19 मरीजों द्वारा स्टेरॉयड लेने के प्रति आगाह किया। यह बहुत ही खतरनाक है। स्टेरॉयड लेने से मरीजों की प्रतिरक्षण क्षमता शून्य हो जाती है। ब्लैक फंगस मिट्टी या घर के अंदर सड़ रहे सामान में पाया जाता है और स्वस्थ व्यक्तियों को प्रभावित नहीं करता, लेकिन क्षीण प्रतिरक्षण क्षमता वालों के इससे संक्रमित होने का अधिक खतरा है।

नवनीत कालरा की जमानत अर्जी पर सुनवाई 28 मई तक टली

नई दिल्ली। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की जमाखोरी और कालाबाजारी के आरोप में गिरफ्तार कारोबारी नवनीत कालारा की जमानत अर्जी पर अदालत में मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने कालरा की जमानत अर्जी पर सुनवाई 28 मई तक के लिए स्थगित कर दिया। ड्यूटी मेट्रोपोलिटस मजिस्ट्रेट स्वाती शर्मा ने कहा कि वह आज मामले की सुनवाई नहीं करने जा रही है क्योंकि संबंधित अधिवक्ता ने इसे स्थगित करने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि आरोपी की जमानत याचिका पर 28 मई को सुनवाई होगी। गुरुवार को अदालत ने कालारा को दोबारा से पुलिस हिरासत में भेजने से इनकार करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया था। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को पुलिस हिरासत बढ़ाने से इनकार किए जाने के बाद गुरुवार को दोबारा से अर्जी दाखिल कर कालरा को पूछताछ के लिए हिरासत में भेजने की मांग की थी। कोरोना संक्रमण के मरीजों के इलाज में काम आने वाले खाना चाचा व अन्य रेस्तरां से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बरामद होने के मामले में पुलिस ने कालारा को गिरफ्तार किया है। इस ममले में अन्य आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है।

नई दिल्ली। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने देव नगर करोलबाग सहित कई जगहों पर सूखा राशन, पका भोजन, सेनेटाइजर, स्टीमर, मास्क सहित अन्य उपकरण का वितरण किया।

दिल्ली के मंत्री इमरान हुसैन ने अधिकारियों के साथ की वर्चुअल बैठक, किया मुफ्त राशन वितरण की समीक्षा

नई दिल्ली । दिल्ली के खाद्य और नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री इमरान हुसैन ने वेबिनार के माध्यम से कोविड-19 महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन के दौरान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और पीएमजीकेएवाई के तहत मई और जून 2021 के महीनों के लिए एनएफएसए लाभार्थियों को मुफ्त राशन वितरण की समीक्षा करने के लिए आयुक्त (एफ एंड एस), अतिरिक्त आयुक्त (एफ एंड एस), संयुक्त आयुक्त (एफ एंड एस), सहायक आयुक्त (एफ एंड एस), खाद्य और आपूर्ति अधिकारियों और दिल्ली के सभी 70 एफएंडएस सर्किल निरीक्षकों के साथ बैठक की।

इमरान हुसैन ने खाद्य विभाग के सहायक आयुक्तों , खाद्य और आपूर्ति अधिकारियों और निरीक्षकों को नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करने का निर्देश दिया। मंत्री ने अधिकारियों से हाल ही में दिल्ली के शालीमार बाग, सुल्तानपुरी और मुस्तफाबाद इलाकों का दौरा करने के दौरान बंद पाई गई कई राशन दुकानों के बारे में अपनी नाराजगी व्यक्त की। खाद्य मंत्री ने कहा कि जब सरकार ने एनएफएसए के तहत मई 2021 और जून 2021 के महीनों के लिए एनएफएसए लाभार्थियों को मुफ्त राशन प्रदान करने के लिए बिना किसी साप्ताहिक अवकाश के रोजाना सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक और दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक एफपीएस खोलने का आदेश दिया है, ऐसी स्थिति में राशन दुकानों का बंद रहना स्वीकार्य नहीं है।

खाद्य मंत्री ने फील्ड अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उनके क्षेत्र के सभी एफपीएस नियमित रूप से और समय पर खुलें और एफपीएस डीलर मई और जून 2021 के महीनों के लिए लाभार्थियों को मुफ्त में खाद्यान्न का पूरा कोटा वितरित करें। मंत्री ने चेतावनी दी कि यदि एफपीएस निर्धारित कार्य घंटों के दौरान बंद पाए जाते हैं, तो न केवल गलती करने वाले एफपीएस डीलरों के खिलाफ बल्कि संबंधित एफएसआई, एफएसओ और सहायक आयुक्तों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इमरान हुसैन ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि एफपीएस डीलर अन्य कदाचार जैसे कि दुर्व्यवहार, खाद्यान्न का डायवर्जन, जमाखोरी, कालाबाजारी, राशन के कम वितरण आदि में लिप्त न हों और यदि कोई भी डीलर इस तरह के कदाचार में लिप्त पाया जाता है तो दोषी एफपीएस डीलरों के खिलाफ सख्त और त्वरित क़ानूनी कार्रवाई की जाए।

पैरा ट्रांजिट वाहन मालिकों को मिलेगी 5000 की वित्तीय सहायता आज से

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लॉकडाउन के दौरान आर्थिक तौर पर प्रभावित ऑटो, टैक्सी और ई रिक्शा (पैरा ट्रांजिट वाहन) मालिकों के खाते में देर शाम से वित्तीय सहायता राशि भेजने की शुरूआत कर दी जाएगी। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने सोशल ट्वीट कर कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वाहन मालिकों को राहत देने के लिए पिछले साल की तरह इस बार भी 5000 रु की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की गई थी। मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि परिवहन विभाग ने 1,55,301 ऐसे वाहन मालिकों के लिए वित्तीय सहायता को मंजूरी दे दी गई है। यह राशि उनके आधार से जुड़े बैंक खातों में भेजी जाएगी ताकि उन्हें राहत मिल सके।

चिकित्सकीय लापरवाही से कोरोना मरीज की मौत के बाद परिजनों ने अदालत में लगाई मुआवजे की गुहार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट में दायर एक याचिका में मांग की गई है कि चिकित्सीय लापरवाही के कारण जान गंवाने वाले कोविड-19 से पीड़ित एक व्यक्ति की पत्नी तथा माता-पिता को मुआवजा दिया जाए। इस याचिका पर अदालत ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) तथा दिल्ली सरकार से मंगलवार को जवाब मांगा। इस सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा ने अदालत को मुआवजे के मुद्दे पर शीर्ष अदालत के आदेश के बारे में सूचित किया और कहा कि कोविड-19 के कारण मरने वाले लोगों के परिवारों को राज्य सरकार 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि देने पर विचार कर रही है और इस प्रस्ताव को अगले हफ्ते कैबिनेट के सामने रखा जाएगा।

न्यायमूर्ति विपिन सांघी तथा न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने इस याचिका पर दिल्ली सरकार के राव तुला राम अस्पताल से भी जवाब मांगा है। याचिका में दावा किया गया है कि पीड़ित की हालत नाजुक थी तथा उसका ऑक्सीजन का स्तर बहुत कम हो गया था। इसके बावजूद अस्पताल के चिकित्सक ने अस्पताल में भर्ती करवाने की सिफारिश नहीं की और उनकी लापरवाही के कारण ही एम्बुलेंस का इंतजार करने के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। उसके परिवार ने अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही तथा कुप्रबंधन की वजह से अपने प्रियजन की जान जाने पर उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

पीठ ने उच्चतम न्यायालय के उस आदेश के मद्देनजर एनडीएमए को याचिका में पक्षकार बनाया, जिसमें कहा गया था कि प्राधिकरण ने कोविड महामारी के कारण मरने वाले लोगों के परिजनों के लिए मुआवजे के रूप में न्यूनतम अनुग्रह राशि निश्चित की है। इसके बाद अदालत ने इस विषय पर दिल्ली सरकार, अस्पताल और एनडीएमए को जवाबी हलफनामे जमा करवाने का निर्देश दिया और कहा कि अब मामले पर सुनवाई जुलाई में की जाएगी। दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा ने अदालत को मुआवजे के मुद्दे पर शीर्ष अदालत के आदेश के बारे में सूचित किया और कहा कि कोविड-19 के कारण मरने वाले लोगों के परिवारों को राज्य सरकार 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि देने पर विचार कर रही है और इस प्रस्ताव को अगले हफ्ते कैबिनेट के सामने रखा जाएगा।

अदालत नवीन नाम के व्यक्ति की पत्नी और माता-पिता द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। कोविड-19 से पीड़ित नवीन की 26-27 अप्रैल की दरम्यानी रात को कथित चिकित्सीय लापरवाही के कारण मौत हो गई थी। याचिकाकताओं ने कहा कि राव तुलाराम अस्पताल में नवीन का ऑक्सीजन स्तर 60 फीसदी मापा गया था, उसके बावजूद उसे उपचार नहीं दिया गया। परिजनों को कहा गया कि वे मरीज को वहां से ले जाएं। हालांकि, अन्य अस्पताल ले जाने के लिए अनेक प्रयास करने के बावजूद वाहन की व्यवस्था नहीं हो पाई तथा मरीज की मौत हो गई।

कोरोना काल में सांसद हंसराज की टीम कर रही जरूरतमंदों की मदद, हंस रसोई से मिलता है खाना

नई दिल्ली । घातक कोरोना वायरस के संकट काल में कुछ जनप्रतिनिधि अपनी टीम के साथ जरूरतमंदों की हरसंभव सहायता कर रहे हैं. दिल्ली के उत्तर पश्चिमी लोकसभा क्षेत्र के सांसद हंसराज हंस भी अपनी टीम के साथ लोगों की मदद में जुटे हैं. उनकी टीम दिन-रात जरूरतमंदों की मदद कर रही है.

पद्मश्री से सम्मानित सांसद हंसराज हंस ने कहा, इस संकट की घड़ी में जहां दिल्ली सरकार हर तरह की व्यवस्था करने में विफल रही, चाहे वो ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करना हो या अस्पताल में बेड या जरूरी इंजेक्शन मुहैया कराना, लेकिन हमारी टीम कोरोना संक्रमित मरीजों की मदद कर रही है. उन्होंने कहा कि इस मुश्किल वक्त में उनकी टीम के सदस्य देर रात तक अस्पतालों में जरूरतमंदों के लिए व्यवस्था कराने की कोशिशों में जुटे रहते हैं.

हंसराज हंस ने हंस रसोई की भी शुरुआत की है जिसके जरिये कोरोना संक्रमित मरीज़ों को उनके घर पर खाना मुहैया कराया जा रहा है. उन्होंने बताया कि जब तक वे पूरी तरह इस खतरनाक वायरस से उबर नहीं जाते, उन्हें खाना उपलब्ध कराया जाता है. वह अपनी टीम से देर रात तक सम्पर्क में रहते हैं और हरसम्भव प्रयास करते हैं ताकि किसी भी परिवार या मरीज को इस मुश्किल समय में किसी तरह की परेशानी ना आए.

उन्होंने बताया कि उनकी टीम पूरी तत्परता से काम कर रही है और लोगों की परेशानी को अपनी समझकर उनकी दिन रात मदद कर रही है. उन्होंने हाल में ऑक्सिजन मशीन भी अपने क्षेत्र में वितरित कीं ताकि किसी को भी जीने के लिए जरूरी तमाम सम्बन्धी वस्तुओं की कमी ना हो. वह राशन किट भी मुहैया करा रहे हैं.

दिल्ली में 5 माह में सिर्फ 5 फीसदी को लगी कोरोना डोज, कांग्रेस बोली-प्राइवेट से लगवाने को मजबूर कर रही सरकार

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोना वैक्सीन की भारी कमी को लेकर अब प्रदेश कांग्रेस ने भी केजरीवाल सरकार पर हमला बोला है. कांग्रेस ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि 16 जनवरी से शुरू हुए वैक्सीनेशन अभियान में केवल 5 महीने में मात्र 5त्न दिल्लीवासियों को ही वैक्सीन की दोनों डोज लग पाई हैं जबकि हर रोज एक लाख टीकाकरण की घोषणा जोर शोर से की गई थी.

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने केजरीवाल सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह 16 जनवरी से अब तक मात्र 5 फीसदी ही लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज दे पाई है, यह उसकी नाकामी का सबसे बड़ा उदाहरण है.

चौधरी अनिल कुमार ने मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने राज्य स्तर की 25 प्रतिशत वैक्सीन की हिस्सेदारी नही खरीदी है. जबकि निजी क्षेत्र और दिल्ली सरकार को 25-25 प्रतिशत कुल 50 प्रतिशत वैक्सीन स्वयं खरीदनी थी और बाकी 50 प्रतिशत वैक्सीन केन्द्र सरकार द्वारा खरीदी जानी है.

आर्थिक संकट से जूझ रहे गरीबों को लगवाने पड़ रहे पेड टीके - चौ. अनिल कुमार ने कहा कि कोविड महामारी के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे गरीब लोग वैक्सीन की भारी कमी के कारण निजी केन्द्रों पर 900-1250 रुपये में टीका लगवाने को मजबूर है. उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार निजी अस्पतालों को फायदा पहुंचाने के लिए गरीबों के साथ सजिश कर रही, जबकि उनका निःशुल्क टीकाकरण होना चाहिए.

400 टीका केन्द्र बंद हुये, लेकिन निजी टीका केन्द्रों पर वैक्सीन उपलब्ध

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि 18-44 वर्ष के लोगों के 400 टीका केन्द्र बंद हो गए है, जबकि 45 वर्ष से उपर के लोगों के लिए कोवाक्सिन के टीके खत्म है, जबकि निजी टीका केन्द्रों पर वैक्सीन उपलब्ध है. उन्होंने मांग की कि दिल्ली सरकार वैक्सीन के प्राईवेट कोटे को सरकारी कोटे में परिवर्तित करके जनता को निःशुल्क वैक्सीन मुहैया कराये.

पत्रकारों को कोरोना योद्धा घोषित करे दिल्ली सरकार- प्रदेश अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने दिल्ली सरकार से मांग की कि फ्रंटलाइन पर आकर काम करने वाले पत्रकारों को कोरोना योद्धा घोषित करें. पत्रकारों की सुविधा के लिए विशेष वैक्सीनेशन केन्द्र बनाकर निःशुल्क वैक्सीन लगाने की व्यवस्था की जाए या निजी केन्द्रों पर पहचान दिखाकर निःशुल्क वैक्सीन लगाई जाए.

26 मई को होने वाले किसानों के विरोध मार्च में दखल देने से दिल्ली हाईकोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी में यानी 26 मई को नए कृषि कानून के खिलाफ पंजाब के किसानों द्वारा आयोजित मार्च पर रोक लगाने से दिल्ली हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि किसानों से जुड़े मामलों को सुप्रीम कोर्ट देख रहा है और हाईकोर्ट इससे जुड़े मसलों में दखल नहीं देगा। जस्टिस विपिन सांघी और जसमीत सिंह की बेंच ने कहा कि यह कोई ऐसा मुद्दा नहीं है, जिसे हम देख रहे हैं। बेंच ने कहा कि हम यहां किसानों के आंदोलन से निपटने के लिए नहीं हैं, यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। कोरोना संक्रमण के संभावित तीसरी लहर की तैयारियों की निगरानी को लेकर हो रही सुनवाई के दौरान बेंच के समक्ष 26 मई को किसानों द्वारा दिल्ली में आयोजित होने वाले विरोध मार्च का उल्लेख करते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की गई। इसके बाद बेंच ने उपरोक्त टिप्पणी की। जानकारी के अनुसार, 26 मई को केंद्र सरकार द्वारा पारित तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के छह माह पूरे हो रहे हैं और इसके मद्देनजर भारतीय किसान संघ ने किसानों से राजधानी तक मार्च निकालने का आह्वान किया है। वकील धनंजय ग्रोवर ने बेंच के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि 26 मई को 6 माह को पूरे होने पर किसान राजधानी में विरोध मार्च निकालेंगे। साथ ही कहा कि फसल का मौसम खत्म होने से काफी संख्या में इसमें किसान भाग ले सकते हैं। वकील ने कहा कि किसानों के विरोध मार्च के चलते कई बाधाएं हो सकती हैं और उसमें ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रमुख होगी। हाईकोर्ट ने वकील की मांग पर विचार करने से इनकार कर दिया। बेंच ने कहा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति चल रही है और फिलहाल इसमें कोई परेशानी नहीं है।

नई दिल्ली में कोविड-प्रेरित लॉकडाउन के दौरान यात्री नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अपनी ट्रेनों की प्रतीक्षा करते हुए।

कुंडली बार्डर पर आंदोलनकारियों ने फिर बढ़ाई प्रशासन की टेंशन, बढ़ सकता है तनाव

नई दिल्ली/सोनीपत । तीनों कृषि कानूनों को रद्द कराने की मांग को लेकर कुंडली बार्डर पर चल रहे आंदोलन को छह माह पूरे हो गए हैं। आंदोलन लंबा खिंचता देख धरनास्थल पर आंदोलनकारियों ने एक बार फिर से ईंट व सीमेंट से पक्का निर्माण कर लिया है। आंदोलनकारियों ने बार्डर से लेकर केएमपी-केजीपी जीरो प्वाइंट तक इस तरह के करीब 12-14 घर बना लिए हैं। इससे पहले जीटी रोड पर पक्का निर्माण करने पर आंदोलनकारियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई थी। पक्का निर्माण करने पर पुलिस की ओर से नोटिस देने की बात कही जा रही है।

कृषि कानूनों के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन का फिलहाल समाप्त होता नहीं दिख रहा है। सरकार और संयुक्त मोर्चा के सदस्यों के बीच 12 दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला है।

आंदोलन को लंबा खिंचता देख किसानों ने अब बार्डर के पास जीटी रोड के साथ स्थायी पक्के मकान बना लिए हैं। ये मकान ईंट, सीमेंट और गारे से बनाए गए हैं, ताकि धूप व बारिश से वे बच सकें। साथ ही इन पक्के निर्माण से वे यह भी संदेश देना चाहते हैं कि आंदोलनकारी यहां लंबे समय तक डटे रहेंगे। आंदोलनकारियों ने कुंडली बार्डर से लेकर एक्सप्रेस-वे के पुल तक 12 से 14 पक्के मकान बना लिए हैं।

यहां दीवार ईंटों से बनाई गई है, जबकि छत मोटे प्लास्टिक, तिरपाल और बांस-बल्लियों से तैयार किए गए हैं। धरनारत लोगों के अनुसार, वे केवल निर्माण सामग्री के लिए भुगतान कर रहे हैं। घरों का निर्माण आंदोलन में मौजूद कुछ मिस्त्री ही कर रहे हैं। एक प्रदर्शनकारी ने बताया कि आंदोलन की कोई समय-सीमा नहीं है और गर्मी का मौसम जारी है। अब मानसून सिर पर है, इसलिए हमने स्थाई घर बनाए हैं।

पूर्व में भी हुआ था स्थाई निर्माण

जीटी रोड पर करीब तीन माह पहले भी पंजाब के किसान संगठन ने मंजीत सिंह राय के नेतृत्व में जीटी रोड के ऊपर पक्का निर्माण किया था। इसको लेकर एनएचएआइ ने कुंडली पुलिस को शिकायत दी थी, जिस पर मंजीत राय व अन्य पर एफआइआर दर्ज की गई है। हालांकि इस मामले में अब तक पुलिस प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

इसके बाद फिर से पक्का निर्माण होने पर कुंडली थाना प्रभारी रवि कुमार का कहना है कि अवैध रूप से सड़क पर बनाए जा रहे मकान के निर्माण कार्य को पुलिस ने रुकवाया था। इसके बावजूद आंदोलनकारियों ने मकान बना लिए हैं। इसको लेकर एक एफआइआर दर्ज है और अब नोटिस जारी किए गए हैं।

संपादकीय

टीके पर एक राय तो बनाइए

एक भीड़-भाड़ वाले चिड़ियाघर में एक मजबूत कद-काठी का इंसान शेरों को देखने की कोशिश में था। तभी एक अन्य शख्स की कोहनी उसे जा लगी, जो खुद शेरों को अच्छी तरह से देखना चाहता था। नाराज होकर पहले व्यक्ति ने दूसरे शख्स को शेर के बाड़े में फेंक दिया, और कहने लगा- अब तुम बहुत करीब से शेर देख सकोगे। 45 साल से कम उम्र के लोगों के लिए टीकाकरण शुरू करके टीके की तरफ रुझान बढ़ाने की नीति भी कुछ इसी तरह की तनातनी बढ़ाती दिख रही है; वह भी उस समय, जब टीके की आपूर्ति कम हो रही है। इससे राज्यों में प्रतिस्पर्द्धा बढ़ेगी और कंपनियां दाम बढ़ाएंगी। सभी के लिए टीकाकरण को लेकर राज्य उत्सुक नहीं हैं, क्योंकि रोजाना 30 लाख खुराक की आपूर्ति भी नहीं हो रही है। केंद्र उनकी मांग मानने को लेकर लापरवाह है और पिछली नीति को बदलकर एक नई 'उदारीकृत' योजना बनाने को लेकर संवेदनहीन। किसी भी वैक्सीन-पॉलिसी में जल्द से जल्द और हरसंभव आपूर्ति बढ़ाने की दरकार होती है। कम कीमत पर टीके की खरीदारी, मध्यम अवधि की योजना और प्रभावी ढंग से टीके का बंटवारा अभी व भविष्य में भी जीवन बचाने में सक्षम है। मगर मौजूदा नीति ऐसा करने में कारगर नहीं है।

हम टीके को उसी तरह से खरीद रहे हैं, जैसे महीने के राशन का सामान। वित्त मंत्री ने कहा था कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक को क्रमश~ 3,000 करोड़ और 1,567 करोड़ रुपये एडवांस दिए जाएंगे। इसके बजाय, उन्हें लगभग आधा भुगतान किया जा रहा है, जिसके तहत 16 करोड़ खुराक की आपूर्ति 157 रुपये प्रति टीके की दर पर हुई। यदि लक्ष्य 50 लाख खुराक प्रतिदिन है, तो यह सिर्फ एक महीने की आपूर्ति है। इसका अर्थ है कि केंद्र सिर्फ 45 से अधिक उम्र की आबादी के टीकाकरण में मदद करेगा, बाकी की आपूर्ति संभवत~ अन्य कंपनियों से पूरी की जाएगी और बाकी का टीकाकरण राज्यों का काम है। ऐसे में, भविष्य की किसी उम्मीद के बिना टीका बनाने वाली कंपनियां क्या आपूर्ति बढ़ाने को लेकर निवेश करेंगी? फिलहाल, स्पूतनिक-वी को मंजूरी मिल गई है और उससे कुछ लाख खुराक का आयात किया जाएगा। कहा जा रहा है कि छह कंपनियां टीके देने को तैयार हैं, लेकिन अभी इस बाबत आदेश का इंतजार है। जॉनसन और नोवावैक्स को अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। दोनों ने भारतीय साझीदार खोज लिए हैं और उम्मीद है कि वे मौजूदा जरूरत के मुताबिक केंद्र सरकार के बजाय सूबे की सरकारों से बातचीत करें। कोवैक्सीन की आपूर्ति भी अन्य कंपनियों से आउटसोर्सिंग करके बढ़ाई जा सकती है, खासकर तब, जब बौद्धिक संपदा अधिकार को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ साझा किया जाएगा। हमें नकली धींगामुश्ती को रोकना होगा। किसी भी अन्य देश में ऐसी प्रांतीय सरकारें नहीं हैं, जो टीका खरीदने के लिए प्रतिस्पर्द्धा कर रही हों। केंद्र सरकार को प्रत्येक टीके के दाम पर बातचीत करनी चाहिए, साथ-साथ उसके आयात की तारीख, अनुमोदन आदि पर भी उसे कदम बढ़ाना चाहिए। अगर राष्ट्रीय स्तर पर आदेश मिलता है, तो टीका निर्माताओं को न सिर्फ आवश्यक आश्वासन मिलेगा, बल्कि डेढ़ अरब टीके की खुराक की मांग की आपूर्ति को लेकर उनमें भरोसा भी पैदा होगा। ऐसा करने से कंपनियां हमारी अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने को लेकर प्रेरित होंगी, विशेष रूप से कोवैक्स को लेकर, जहां आपूर्ति में हमारी गड़बड़ी के कारण अधिकांश विकासशील राष्ट्र अधर में लटक गए हैं। ऐसे में, चीनी कंपनी को पैठ बनाने का मौका मिल रहा है।

दूसरा मसला कीमत का है। नई वैक्सीन नीति राज्यों को दंडित करने के लिए बनाई गई प्रतीत होती है। अपेक्षाकृत विवेकशील 'पूर्व-उदारीकरण' नीति में, वैक्सीन की लागत केंद्र उठा रहा था। इसके लिए उसने 35,000 करोड़ रुपये का बजट रखा। और टीकाकरण की लागत राज्यों द्वारा वहन की जानी थी। राज्यों को निःशुल्क टीके मुहैया कराने की दैनिक प्रेस विज्ञप्ति मानो खैरात बांटने की जानकारी हो। यह संघीय लागत-साझाकरण की भावना के खिलाफ है। नई वैक्सीन नीति के तहत, केंद्र आपूर्ति का आधा हिस्सा खरीदेगा। एक चौथाई टीके राज्यों के लिए हैं, जो केंद्रीय कोटे के अनुसार साझे किए जाएंगे, और एक चौथाई वैक्सीन निजी क्षेत्र को मिलेगी, जो कोवैक्सीन के मामले में दोगुना से तीगुना कीमत चुका रहा है। अगर सीरम इंस्टीट्यूट और भारत बायोटेक सामान्य निजी कंपनियों की तरह व्यवहार करती हैं, तो वे पहले ऊंची कीमत देने वाले निजी क्षेत्र की मांग पूरी करेंगी, और फिर यदि बचेगा, तब राज्यों को आपूर्ति की जाएगी। यानी, नौजवानों को लगाने के लिए राज्यों को अब कम टीके उपलब्ध होंगे और उन्हें कीमत भी ज्यादा चुकानी होगी।

तीसरा, यदि केंद्र टीका बनाने वालों के साथ मूल्य और खुराक को लेकर बातचीत करता है, तो आपूर्ति की मौजूदा नीति के तहत पारदर्शी व्यवस्था बनाई जा सकती है। जो राज्य अधिक टीकाकरण करते हैं, उन्हें अतिरिक्त टीके दिए जा सकते हैं, जबकि जिन राज्यों की जरूरत कम है, उन्हें उसी अनुपात में आपूर्ति की जा सकती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में भी इसी तरह का लचीला रुख अपनाया गया है। यदि राज्य कर-बंटवारे पर सहमत हो सकते हैं, तो फिर टीके साझा करने पर भी वे एक राय बना ही सकते हैं। बेहतर पूर्वानुमानित आपूर्ति राज्यों को इंतजार करने के बजाय बेहतर योजना बनाने और टीकों की तरफ लोगों की रुझान बढ़ाने और तेज टीकाकरण की तरफ आगे बढ़ने को प्रेरित करेगी। इस तरह की संशोधित नीति से ही साल के अंत तक टीका लेने योग्य पूरी आबादी का टीकाकरण संभव हो सकता है, और यदि कंपनियां जल्द ही उत्पादन के लिए निवेश करती हैं, तो हम निर्यात भी कर सकते हैं। तो क्या केंद्र और राज्य सरकारें अपना-अपना रुख बनाए रखेंगी या एक समझदारी भरी वैक्सीन नीति बनाने के लिए मिलकर फैसले करेंगी? अतीत में इस तरह के मनमुटाव ने अमूमन आजीविका को नुकसान पहुंचाया है। मगर इस बार भारतीयों और दुनिया भर के लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है।

प्रवीण कुमार सिंह

महामारी के दौर में बौद्धिक संपदा अधिकार से मुक्त हो कोरोना टीका, पेटेंट के अधिकार दिलाती ज्ञान परंपरा

> विदेशी दवा कंपनियों की निगाहें इस हरे सोने के भंडार पर टिकी हैं। इसलिए 1970 में अमेरिकी पेटेंट कानून में नए संशोधन किए गए। विश्व बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि नया पेटेंट कानून परंपरा में चले आ रहे देशी ज्ञान को मान्यता नहीं देता। बल्कि इसके उलट जो जैव व सांस्कृतिक विविधता और उपचार की देशी प्रणालियां प्रचलन में हैं, उन्हें नकारता है। जबकि इनमें ज्ञान और अनुसंधान अंतर्निहित हैं। ये समाज में इसलिए संज्ञान में हैं, ताकि इन्हें आपस में साझा करके उपयोग में लाया जा सके। साफ है, बड़ी कंपनियां देशी ज्ञान पर एकाधिकार प्राप्त कर समाज को ज्ञान और उसके उपयोग से वंचित करना चाहती हैं।

यह सुखद खबर है कि विश्व के प्रत्येक देश में कोरोना टीका पहुंचाने की दिशा में अमेरिका ने अहम पहल की है। दरअसल भारत एवं दक्षिड्डण अफ्रीका ने कोरोना टीकों को बौद्धिक संपदा अधिकार (आरपीआइ) अर्थात 'पेटेंट' से छूट देने की मांग की थी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में पिछले साल कोरोना महामारी जब चरम पर थी, तब यह प्रस्ताव रखा गया था। अमेरिकी प्रशासन ने इस प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। यूरोपीय संघ भी विचार कर रहा है। फिलहाल डब्ल्यूटीओ में 164 देश सदस्य हैं। इनमें से 120 देशों ने भारत के प्रस्ताव का समर्थन कर किया है। किंतु विधान में विडंबना है कि जब सभी सदस्य देश किसी प्रस्ताव का समर्थन करेंगे तब वह मान्य होगा।

यदि डब्ल्यूटीओ में यह प्रस्ताव पारित हो जाता है तो टीका निर्माता सरकारी और निजी कंपनियों को अपनी तकनीक और शोध संबंधी जानकारियां साझा करनी होंगी, जिससे बिना कोई शुल्क चुकाए अन्य दवा कंपनियां इस टीके का निर्माण कर सकेंगी। नतीजन टीके के उत्पादन की मात्रा बढ़ जाएगी और वैक्सीन गरीब देशों को भी सस्ती दरों पर मिल जाएगी। वैसे भारत समेत जो भी टीका निर्माता देश हैं, वे बौद्धिक संपदा के अधिकारों को सुरक्षित बनाए रखने के पक्ष में रहते हैं, लेकिन जब पूरी दुनिया महामारी से जूझ रही है तब यह जरूरी हो जाता है कि पेटेंट समझौतों में रियायत दी जाए। क्योंकि टीकों की मांग की तुलना में उपलब्धता बहुत कम है। हालांकि यह रियायत कंपनियां आसानी से देने को राजी नहीं हैं।

इसलिए उनके सीईओ अमेरिका के फैसले को निराशाजनक एवं व्यापार विरोधी बता चुके हैं। खासकर यूरोपीय यूनियन के कुछ देश वैक्सीन से होने वाले मुनाफे को छोड़ना नहीं चाहते हैं। दरअसल टीका निर्माण की तकनीक पेटेंट मुक्त हो जाएगी तो

टीके के निर्माण में पूंजी लगाने वाली कंपनियों को अिर्थक हानि तो उठानी ही पड़ेगी, भविष्य में भी लाभ नहीं कमा पाएंगी। लिहाजा डब्ल्यूटीओ यदि टीके को पेटेंट मुक्त करता है तो कंपनियां अंतरराष्ट्रीय न्यायालय से भी हस्तक्षेप की अपील कर सकती हैं। हालांकि भारतीय दर्शन कहता है कि इस संसार में जो भी कुछ है, वह ईश्वर का है, इसलिए जो ईश्वर का है, वह सबका है। मानवता को बचाए रखने के लिए इसी भावना से जुड़ा भाव बचा सकता है। कोई भी व्यक्ति या कंपनी नई दवा का उत्पाद या किसी उपकरण का अविष्कार करते हैं तो उसे अपनी बौद्धिक संपदा बताते हुए पेटेंट करा लेते हैं। मसलन इस उत्पाद और इसे बनाने की विधि को कोई और उनकी इजाजत के बिना उपयोग नहीं कर सकता। भारत ने भी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका की कोविशील्ड तथा भारत बायोटेक की कोवैक्सीन के निर्माण में पूंजी लगाई है, लेकिन कोविशील्ड पर पेंटेट खत्म करने का अधिकार भारत सरकार के पास न होकर एस्ट्राजेनेका के पास है। इसे ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में विकसित किया गया है।

अदार पूनावाला की सीरम कंपनी सिर्फ इसका निर्माण कर रही है। कोवैक्सीन जरूर भारत बायोटेक और आइसीएमआर ने विकसित की है। अतएव इसकी बौद्धिक क्षमता पर भारत सरकार का अधिकार है। हालांकि टीका बनाने की विधि बता देने भर से वैक्सीन बना लेना आसान नहीं है। इसके लिए दुनिया के अनेक देशों से द्विपक्षीय समझौतों के अंतर्गत कच्चा माल भी मंगाना होता है। पश्चिमी देशों द्वारा अस्तित्व में लाया गया पेटेंट एक ऐसा कानून है, जो व्यक्ति या संस्था को बौद्धिक संपदा का अधिकार देता है। मूल रूप से यह कानून भारत जैसे विकासशील देशों के पारंपरिक ज्ञान को हड़पने की दृष्टि से ईजाद में लाया गया है। क्योंकि यहां जैव विविधता के अकूत भंडार होने के साथ, उनके नुस्खे मानव व पशुओं के स्वास्थ्य लाभ से भी जुड़े हैं। इन्हीं पारंपरिक नुस्खों का अध्ययन करके उनमें मामूली फेरबदल कर उन्हें एक विज्ञान शब्दावली दे दी जाती है और फिर पेटेंट के जरिये इस बहुसंख्यक ज्ञान को हड़पकर इसके एकाधिकार चंद लोगों के सुपुर्द कर दिए जाते हैं।

यही वजह है कि वनस्पतियों से तैयार दवाओं की ब्रिकी करीब तीन हजार अरब डॉलर तक पहुंच गई है। हर्बल या आयुर्वेद उत्पाद के नाम पर सबसे ज्यादा दोहन भारत की प्राकृतिक संपदा का हो रहा है। ऐसे ही बेतुके एवं चालाकी भरे दावे और तरकीबें एलोपैथी दवाओं के परिप्रेक्ष्य में पश्चिमी देशों की बहुराष्ट्रीय फार्मा कंपनियां अपना रही हैं। अब तक वनस्पतियों की जो जानकारी विज्ञानी हासिल कर पाए हैं, उनकी संख्या लगभग ढाई लाख है। इनमें से 50 प्रतिशत ऊष्ण कटिबंधीय वन-प्रांतरों में उपलब्ध हैं। भारत में 81 हजार वनस्पतियां और 47 हजार प्रजातियों के जीव-जंतुओं की पहचान सूचीबद्ध है। अकेले आयुर्वेद में पांच हजार से भी ज्यादा वनस्पतियों का गुण व दोषों के आधार पर मनुष्य जाति के लिए क्या महत्व है, इसका विस्तृत विवरण है।

विदेशी दवा कंपनियों की निगाहें इस हरे सोने के भंडार पर टिकी हैं। इसलिए 1970 में अमेरिकी पेटेंट कानून में नए संशोधन किए गए। विश्व बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि नया पेटेंट कानून परंपरा में चले आ रहे देशी ज्ञान को मान्यता नहीं देता। बल्कि इसके उलट जो जैव व सांस्कृतिक विविधता और उपचार की देशी प्रणालियां प्रचलन में हैं, उन्हें नकारता है। जबकि इनमें ज्ञान और अनुसंधान अंतर्निहित हैं। ये समाज में इसलिए संज्ञान में हैं, ताकि इन्हें आपस में साझा करके उपयोग में लाया जा सके। साफ है, बड़ी कंपनियां देशी ज्ञान पर एकाधिकार प्राप्त कर समाज को ज्ञान और उसके उपयोग से वंचित करना चाहती हैं। इसी क्रम में सबसे पहले भारतीय पेड़ नीम के औषधीय गुणों का पेटेंट अमेरिका और जापान की कंपनियों ने कराया था। इसके बाद तो पेटेंट का सिलसिला रफ्तार पकड़ता गया। हल्दी, करेला, जामुन, तुलसी, अनार, आमला, रीठा, अर्जुन, हरड़, अश्वगंधा, अदरक, कटहल, अर्जुन, अरंड, सरसों, बासमती चावल, बैंगन और खरबूजा तक पेटेंट की जद में आ गए। इसी तरह भारत में पैदा होने वाले बासमती चावल का पेटेंट अमेरिकी कंपनी राइसटेक ने हड़प लिया। यह चावल आहार नलिकाओं को स्वस्थ रखने में औषधीय गुण का काम करता है। हल्दी के औषधीय गुणों व उपचार से देश का हर आदमी परिचित है। इसका उपयोग शरीर में लगी चोट को ठीक करने में परंपरागत ज्ञान के आधार पर किया जाता है। इसमें कैंसर के कीटाणुओं को शरीर में नहीं पनपने देने की भी क्षमता है। मधुमेह और बवासीर के लिए भी हल्दी असरकारी औषधि के रुप में इस्तेमाल होती है। कोरोना के असर को खत्म करने के लिए करोड़ों लोग इसे दूध में मिलाकर पी रहे हैं। इसका भी पेटेंट अमेरिकी कंपनी ने करा लिया था, किंतु इसे चुनौती देकर भारत सरकार खारिज करा चुकी है। दरअसल पेटेंट कानून बौद्धिक संपदा के बहाने विकासशील देशों की ज्ञान परंपरा को हड़पने का एक अंतरराष्ट्रीय कानून है, जिसे समाप्त करना ही कोरोना महामारी से जूझ रही दुनिया के हित में है। प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा के बूते हमने दो बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विरुद्ध पेटेंट की लड़ाई जीती है। इन दोनों ही मामलों में विदेशी कंपनियों ने भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से उत्पादन की पद्धति व प्रयोग के तरीके चुरा लिए थे।

कोरोना जनित संक्रमण में पारिवारिक रिश्तों की बढ़ी महत्ता

आज पूरा विश्व त्रासदी के दौर से गुजर रहा है। कोरोना जनित संक्रमण के कारण शारीरिक समस्या तो है ही, इसने मानसिक समस्या भी पैदा की है। संवेदना होते हुए भी हमलोग किसी के लिए कुछ नहीं कर पा रहे हैं। वर्तमान त्रासदी इतनी भयावह है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मानसिक कुंठाओं को भूल चुका है, लिहाजा हम देख सकते हैं कि आत्महत्या जैसी घटनाओं में कुछ गिरावट आई है। वैसे यह अच्छी बात है कि कोरोना काल में तमाम दुश्वारियों के बीच लोगों ने जिंदगी से हार नहीं मानी है। विशेषज्ञों ने अपने शोध के आधार पर दावा किया है कि कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने के बावजूद खुदकुशी की घटनाओं में पिछले साल के मुकाबले 11 फीसद की कमी आई है। मई 2020 में आस्ट्रेलियन मेडिकल एसोसिएशन (एएमए) ने अनुमान लगाया था कि कोविड महामारी से आत्महत्या की प्रवृत्ति में 25 फीसद बढ़ोतरी होगी। कुछ स्थितियों में तो वायरस से अधिक मौतें आत्महत्याओं से हो सकती हैं।

मेडिकल जर्नल 'लांसेट' में प्रकाशित शोध रिपोर्ट से वे आशंकाएं गलत साबित हुई हैं, जिनमें संक्रमण बढ़ने पर आत्महत्या की घटनाएं बढ़ने की बात कही गई थी। सौभाग्य से यह आशंका सही नहीं निकले हैं। 21 देशों के संबंधित अध्ययन में पाया गया कि 2019 के मुकाबले 2020 में आत्महत्याओं में 11 फीसदी तक गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार 2020 के अप्रैल-जून के दौरान जितनी खुदकुशी की आशंकाएं जताई गई थीं, उससे 10 फीसद कम लोगों ने जान दी। इस तीन महीने की अवधि में वर्ष 2019 की तुलना में सात फीसदी कम लोगों ने आत्महत्या का रास्ता चुना। जापान में 2009 के बाद आत्महत्याओं में पिछले साल आए उफान को देखते हुए सरकार ने -मिनिस्टर ऑफ लोनलीनैस की नियुक्ति की थी। हालांकि 2021 की पहली तिमाही में जापान में आत्महत्याओं की दर महामारी से पहले के स्तर पर पहुंच गई। ब्रिटेन में आत्महत्याओं में 12 फीसद गिरावट दर्ज की गई है, जबकि अमेरिका में वर्ष 2020 के मुकाबले अब तक छह फीसद की कमी दर्ज की गई है। कुछ अन्य देशों के ताजा आंकड़े भी आत्महत्याओं में किसी तरह की बढ़ोतरी नहीं दर्शाते हैं। इंग्लैंड में तो आत्महत्याओं की दर में 12 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है।

अमेरिका के बीमारी नियंत्रण और रोकथाम सेंटर ने वर्ष 2020 में देश में इस मामले में छह फीसद की कमी होने की बात कही है। केवल कुछ विकासशील देशों जिनमें अिर्थक आघात सहने की क्षमता अपेक्षाकृत कम है, उन्होंने ही वर्ष 2020 के संबंधित आंकड़े जारी किए हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण की दूसरी लहर के दौर में संक्रमण के बढ़ते मामलों के देखते हुए लोगों से घरों में ही रहने के लिए कहा जा रहा है। वहीं कई इलाकों में आंशिक तो कहीं संपूर्ण लॉकडाउन लगा दिया गया है। लोगों को साबुन और हैंडवॉश से बार-बार हाथ धोने, अनिवार्य रूप से मास्क पहनने और शारीरिक दूरी समेत कोरोना प्रोटोकॉल को अपनाने के लिए कहा जा रहा है। ऐसे में लंबे समय से घर में रहने की वजह से बड़ी संख्या में लोग अवसाद का शिकार भी होने लगे हैं।

कई लोगों की तो सहनशीलता कम होने लगी तो वहीं कई सब्र खोने लगे। बच्चों के साथ निरंतर समय व्यतीत करने के बीच उनकी पढ़ाई-लिखाई में भी सहयोगी के तौर अभिभावकों को पूरा समय देना पड़ रहा है। ऐसे में मानसिक स्थिति को ठीक रखने के लिए और घर में शांति बनाए रखना के लिए खुद को किसी न किसी काम में व्यस्त रखना बहुत जरूरी होता है, ताकि ध्यान बटा रहे और सोच भी पॉजिटिव बनी रहे। इसके लिए सबसे पहले यह कोशिश करनी चाहिए कि किसी भी तरह की नकारात्मक सोच से खुद को दूर रखा जा सके। घर का परिवेश भी ऐसा बनाना चाहिए, जिससे सोच सकारात्मक रहे और उसे सकारात्मक ऊर्जा मिले। कोरोना वायरस से हर कोई खौफ में है, लेकिन इसका सकारात्मक असर भी हुआ है। लोगों ने अपने परिवार के साथ ज्यादा समय व्यतीत किया है। इससे परिवार में सहयोग व एक दूसरे के प्रति प्रेम का भाव बढ़ा है। परिवार की अहमियत समझ में आई है।

व्यस्तता के कारण जिंदगी में अक्सर तनाव में रहने वाले लोग परिवार के साथ रहकर सुखद अनुभव महसूस कर रहे हैं। आत्महत्या की दर में कमी का कोई एक कारण नहीं है। इस दर में गिरावट से यह साफ हो जाता है कि बड़े पैमाने पर फैले सामाजिक शोक से लोग व्यक्तिगत स्तर पर दुखी नहीं होते हैं। एक अन्य कारण यह हो सकता है कि महामारी के दौरान कुछ देशों ने अपने लोगों की बड़ी मदद की जिससे खुदकुशी की नौबत आई ही नहीं। एक बड़ा सत्य यह भी है कि जीवन कहीं ठहरता नहीं है और सबकुछ कभी खत्म नहीं होता। इस समय लोग अपने पड़ोसी से भी बात करते हुए बच रहे हैं। सभी को छोटे-छोटे काम करने वाले लोगों की अहमियत समझ में आ गई है, जिनके अभाव में उनके काम अटके पड़े हैं। यद्यपि कोरोना की वजह से लोगों के रोजगार-धंधे छिन गए, अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा है, पर पर्यावरण सुधरा है। लोग पुराने दोस्तों, रिश्तेदारों से फोन पर बात कर रहे हैं। कोरोना काल में पारिवारिक रिश्तों को व्यापक मजबूती मिल रही है।

हम होंगे कामयाब

कोरोना की दूसरी लहर के बीच अमेरिकी मदद की पहली खेप शुक्रवार को दिल्ली पहुंच गई। भारत इन दिनों जिस तरह के हालात से जूझ रहा है, उसे देखते हुए दुनिया के तमाम देश मदद के लिए आगे आए हैं। अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, साउथ कोरिया, सिंगापुर समेत 40 से अधिक देशों की ओर से सहायता सामग्री या तो देश में पहुंच चुकी है या पहुंचने की प्रक्रिया में है। अमेरिका ने जरूरी दवाएं, एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफर्ड की वैक्सीन यानी कोविशील्ड और इसे बनाने के लिए कच्चा माल भी भिजवाया है।

यों तो भारत की मदद का फैसला लेने में अमेरिकी प्रशासन की शुरुआती हिचक से कुछ सवाल खड़े होने लगे थे, लेकिन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सही समय पर सटीक फैसला करके उन्हें जड़ें जमाने का मौका नहीं दिया। जिन देशों ने भारत की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है, उनसे सरकार ने मेडिकल ऑक्सिजन, रेमडेसेवियर जैसी दवाएं मांगी हैं ताकि कोविड से गंभीर रूप से बीमार लोगों का इलाज किया जा सके। विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला ने बताया है कि इन देशों को हमने अपनी जरूरतें बता दी हैं। इस बारे में उच्चस्तर पर बातचीत चल रही है। महामारी से जंग में सरकारों के साथ कई देशों के आम लोग भी भारतीयों का हौसला बढ़ा रहे हैं।

वे इसके लिए सोशल मीडिया पर संदेश दे रहे हैं और अपनी सरकारों से हर संभव तरीके से भारत की मदद करने का आग्रह कर रहे हैं। भारत ने भी %वैक्सीन मैत्री% के तहत नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, अफगानिस्तान, श्रीलंका, मालदीव, मॉरिशस जैसे देशों को न सिर्फ टीके की सप्लाई की बल्कि वह डब्ल्यूएचओ की कोवैक्स इनीशिएटिव में भी योगदान कर रहा है। कोवैक्स नाम की पहल खासतौर पर वैसे विकासशील और गरीब देशों को वैक्सीन दिलाने के लिए शुरू की गई है, जिनके पास अपना टीका नहीं है। इसलिए आज दुनिया भर से भारतीयों की मदद के लिए जो हाथ आगे बढ़ रहे हैं, उसमें कुछ भूमिका निश्चित रूप से भारत के उन कार्यों से बने सद्भाव की भी है।

इस मुश्किल घड़ी में जिस तरह से कई देश मदद के लिए आगे आए हैं, उससे पता चलता है कि दुनिया भले अलग-अलग देशों की सरहदों में बंटी हो, लेकिन इंसानियत का धागा सबको इतनी मजबूती से जोड़ता है कि किसी भी संकट की घड़ी में सारी सरहदें छोटी पड़ जाती हैं। इसके साथ ही हमें यह भी याद रखना होगा कि कोरोना एक वैश्विक महामारी है। जब तक दुनिया में कहीं भी इससे लोग पीड़ित रहेंगे, तब तक हम इसके खिलाफ जंग नहीं जीत पाएंगे। इसलिए हमें इससे मिलकर लड़ना होगा। तभी हम सदी में एक बार आने वाली ऐसी आपदा को हरा पाएंगे।

कोरोना के चलते आर्थिक क्षेत्र में कुछ और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत

> उद्योग-कारोबार संगठनों द्वारा श्रमिकों का पलायन रोकने के लिए श्रमिकों के काम और कोरोना वैक्सीन, दोनों की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने की रणनीति पर आगे बढ़ना होगा। चूंकि इस समय कई औद्योगिक राज्यों से बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक अपने गांवों की ओर लौटे हैं, ऐसे में मनरेगा को एक बार फिर प्रवासी श्रमिकों के लिए जीवन रक्षक और प्रभावी बनाना होगा। हाल में प्रकाशित एसबीआइ की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2021 में मनरेगा के तहत गांवों में काम की मांग अप्रैल 2020 के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गई है। जहां अप्रैल 2020 में मनरेगा के तहत करीब 1.34 करोड़ परिवारों को रोजगार दिया गया, वहीं अप्रैल 2021 में करीब 2.73 करोड़ परिवारों को रोजगार दिया गया।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने हाल में अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा कि कोरोना की दूसरी लहर के कारण लॉकडाउन और अन्य पाबंदियां लगाने से यद्यपि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में गिरावट की आशंका है, लेकिन अर्थव्यवस्था पर इसका असर पिछले वर्ष के मुकाबले कम रहने की उम्मीद है। वहीं रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में कोरोना की दूसरी लहर अर्थव्यवस्था की रिकवरी की राह में बड़ी बाधा बन गई है। उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर सभी अध्ययन रिपोर्टों और सर्वेक्षणों में यह माना गया है कि कोरोना की दूसरी लहर से उनके द्वारा भारत की विकास दर के पूर्व निर्धारित अनुमानों में कुछ गिरावट जरूर आएगी, लेकिन शायद कोई बड़ी गिरावट नहीं आए।

अमेरिकी ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन साक्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के पूर्वानुमान को 11.7 प्रतिशत से घटाकर 11.1 प्रतिशत कर दिया है। जापानी फर्म नोमुरा ने इसे 13.5 फीसद से घटाकर 12.6 फीसद कर दिया है। इसी तरह जेपी मॉर्गन ने भी अपने पूर्व निर्धारित अनुमान को 13 से कम कर 11 फीसद कर दिया है। इसके अलावा वित्तीय सेवा प्रदाता आइएचएस मार्केट द्वारा प्रकाशित देश में सेवा क्षेत्र और विनिर्माण की गतिविधियों के हालिया सूचकांक भी अप्रैल 2020 की तरह बेहद निराशाजनक नहीं हैं। अप्रैल 2021 में सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक गिरकर 54 पर पहुंच गया, जो मार्च में 54.6 रहा था। इसी तरह विनिर्माण गतिविधियों का सूचकांक अप्रैल 2021 में 55.5 पर रहा, जो मार्च 2021 के 55.4 से थोड़ा ऊपर था। ज्ञातव्य है कि

ये सूचकांक अगर 50 से अधिक होते हैं तो इससे आर्थिक गतिविधियों में तेजी का पता चलता है, जबकि 50 से कम रहना संकुचन दर्शाता है।

यह महत्वपूर्ण है कि अप्रैल 2021 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह ने 1.41 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचकर रिकॉर्ड बनाया। शेयर बाजार में भी सकारात्मक रुख बना हुआ है। चूंकि देश में पिछले वर्ष की तरह पूरी तौर पर देशव्यापी सख्त लॉकडाउन नहीं लगाया गया है, अत~ विनिर्माण सेक्टर की आपूर्ति पर कोई अधिक बुरा असर नहीं पड़ा है। यही कारण है कि भारत के वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात पिछले साल के अप्रैल माह की अवधि की तुलना में अप्रैल 2021 में करीब तीन गुना बढ़कर 30.21 अरब डॉलर हो गया। निर्यात बढ़ने का कारण यह भी है कि पश्चिमी देशों सहित कुछ विकासशील देश कोविड के बुरे दौर से निकल चुके हैं। ऐसे में विदेशी मांग बढ़ रही है। भारत इस समय आपूर्ति में सक्षम है और निर्यात ऑर्डर की उपयुक्त पूर्ति कर रहा है। केंद्र सरकार और आरबीआइ महामारी की दूसरी लहर के बीच अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की मदद के लिए आगे बढ़ रहे हैं। गत 23 अप्रैल को केंद्र सरकार ने गरीब परिवारों के लिए एक बार फिर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का एलान किया है। इससे 80 करोड़ लाभार्थी लाभान्वित होंगे।

यह भी महत्वपूर्ण है कि पांच मई को आरबीआइ ने व्यक्तिगत कर्जदारों एवं छोटे कारोबारों के लिए कर्ज पुनर्गठन की जो सुविधा बढ़ाई और कर्ज का विस्तार किया, उससे छोटे उद्योग-कारोबार को लाभ होगा। स्वास्थ्य क्षेत्र की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए आरबीआइ ने 50,000 करोड़ रुपये नकदी की व्यवस्था भी की है। इस योजना के तहत बैंक टीकों और चिकित्सकीय उपकरणों के विनिर्माण, आयात या आपूर्ति से जुड़े कारोबारियों को ऋण दे सकेंगे। इसके अलावा बैंक अस्पतालों, डिस्पेंसरी और पैथलॉजी लैब्स को भी ऋण दे सकेंगे, लेकिन अभी कोरोना लहर के घातक रूप को देखते हुए कुछ और प्रभावी कदम उठाए जाने जरूरी हैं। जैसे- लघु एवं कुटीर उद्योग (एमएसएमई) को संभालने के लिए राहत के अधिक प्रयासों की जरूरत होगी। जीएसटी से हो रही उनकी मुश्किलें कम करनी होंगी।

मौजूदा हालात में एमएसएमई के लिए एक बार फिर से लोन मोरेटोरियम योजना लागू करनी चाहिए। आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना को आगे बढ़ाने या उसे नए रूप में लाने जैसे कदम भी राहतकारी होंगे। आरबीआइ द्वारा एमएसएमई के कर्ज को गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) की श्रेणी में डालने के नियम आसान बनाए जाने चाहिए। एमएसएमई क्षेत्र में कर्ज को एनपीए मानने के लिए मौजूदा 90 दिन की अवधि को बढ़ाकर 180 दिन किया जाना लाभप्रद होगा।

उद्योग-कारोबार संगठनों द्वारा श्रमिकों का पलायन रोकने के लिए श्रमिकों के काम और कोरोना वैक्सीन, दोनों की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने की रणनीति पर आगे बढ़ना होगा। चूंकि इस समय कई औद्योगिक राज्यों से बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक अपने गांवों की ओर लौटे हैं, ऐसे में मनरेगा को एक बार फिर प्रवासी श्रमिकों के लिए जीवन रक्षक और प्रभावी बनाना होगा। हाल में प्रकाशित एसबीआइ की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2021 में मनरेगा के तहत गांवों में काम की मांग अप्रैल 2020 के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गई है। जहां अप्रैल 2020 में मनरेगा के तहत करीब 1.34 करोड़ परिवारों को रोजगार दिया गया, वहीं अप्रैल 2021 में करीब 2.73 करोड़ परिवारों को रोजगार दिया गया। ऐसे में मनरेगा के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने के लिए चालू वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में मनरेगा के लिए आवंटित 73,000 करोड़ रुपये के आवंटन को बढ़ाया जाना जरूरी होगा। हम उम्मीद करें कि कोरोना संक्रमण की दूसरी घातक लहर से जंग में सुनियोजित लॉकडाउन तथा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मानकों को और कड़ा किए जाने की रणनीति से देश जहां पीड़ादायक मानवीय चुनौती को नियंत्रित कर सकेगा, वहीं अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों की बड़ी गिरावट को रोकने में भी सक्षम होगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

जीतनराम मांझी का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला और बीजेपी की चुप्पी

पटना । हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के अध्यक्ष व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी के साथ हैं। वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेहद करीबी माने जाते हैं। इसके बावजूद उन्होंने कोरोनावायरस संक्रमण व टीकाकरण के मामलों में सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लिया है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता प्रेमरंजन पटेल के सधी भाषा में जवाब को छोड़ दें तो बिहार बीजेपी के अन्य नेता इस मामले में चुप हैं। माना जा रहा है कि इस चुप्पी का एक बड़ा कारण बिहार की सत्ता में सीटों का गणित है। मांझी की गया सहित बिहार के मगध क्षेत्र में पकड़ है। वे बिहार एनडीए के बड़े दलित चेहरा भी माने जाते हैं।

पीएम को लेकर मांझी ने कही थी ये बात-विदित हो कि जीतन राम मांझी ने कोरोनावायरस के वैक्सीन सर्टिफिकेट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर को लेकर आपत्ति दर्ज की थी। उन्होंने कहा था कि जब वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट पर प्रधानमंत्री की तस्वीर है तो कोरोना से मरने वालों के डेथ सर्टिफिकेट पर भी उनकी तस्वीर लगाई जानी चाहिए। जीतन राम मांझी के इस बयान ने विपक्ष को नया मुद्दा दे दिया। दूसरी ओर सत्ता पक्ष सन्नाटे में है।

बयान पर चुप हैं बिहार बीजेपी के बड़े नेता- खास बात यह है कि प्रधानमंत्री पर छोटे से छोटे हमले का जवाब देती रही बीजेपी इस बार मांझी के बड़े हमले पर चुप है। बीजेपी के लिए हर छोटे-बड़े मुद्दों पर बयान देते रहे राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने मांझी पर एक भी बयान जारी नहीं किया है। हालांकि, मांझी के बयान के बाद से अब तक उन्होंने करीब ढ़ाई दर्जन ट्वीट कर पंजाब से लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस तक को निशाने पर लिया है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने भी बीते दो-तीन दिनों के दौरान आधे दर्जन से अधिक ट्वीट किए हैं, लेकिन मांझी पर चुप ही रहे हैं। बीजेपी के किसी और नेता ने भी मांझी के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया है।

बीजेपी प्रवक्ता ने सधे लहजे में दिया जवाब-जीतन राम मांझी के बयान पर केवल बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता प्रेमरंजन पटेल ने सधे लहजे में नाम लिए बिना केवल इतना कहा है कि सवाल खड़े करने वाले लोगों को अपना ज्ञान बढ़ाना चाहिए। देश में पहली बार किसी बीमारी से लड़ने के लिए इतनी जल्दी वैक्सीन तैयार किया गया है। इसके पीछे प्रधानमंत्री की समय पर मजबूत फैसले लेने की क्षमता है। प्रधानमंत्री की तस्वीर से आम लोगों का वैक्सीन पर भरोसा बढ़ा है।

कहीं ये तो नहीं बीजेपी की चुप्पी का कारण- सवाल यह है कि बीजेपी के इस नरम रुख का कारण क्या है राजनीतिक प्रेक्षक बताते हैं कि बिहार में कोरोनावायरस संक्रमण के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बीजेपी बैकफुट पर है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय बीजेपी से ही हैं। केंद्र में भी बीजेपी की सरकार है। ऐसे में बीजेपी मांझी के बयान पर हमलावर होकर विपक्ष को एक मुद्दा थमा देना नहीं देना चाहती है। बीजेपी की चुप्पी का अर्थ बिहार एनडीए के सीटों के गणित में भी छिपा है। बिहार में एनडीए को बहुमत के लिए 122 विधायक चाहिए। फिलहाल एनडीए के पास 125 विधायक हैं, जिनमें मांझी की पार्टी के चार शामिल हैं। जीतन राम मांझी की बिहार के गया सहित मगध क्षेत्र में पकड़ है। वे बिहार एनडीए में एक बड़े दलित चेहरा भी माने जाते हैं। ऐसे में फिलहाल उनकी नाराजगी घातक हो सकती है।

शादी के बाद पति की चौखट पर पहुंचते ही कांपने लगी पत्नी, मायके वापस गया शव

बिहारशरीफ (नालंदा)। शादी के बाद ससुराल में कदम रखते ही विवाहिता ने घर की चौखट पर ही दम तोड़ दिया। सोमवार की सुबह हुई इस घटना से हर कोई हैरान है। वर और वधू पक्ष के साथ स्थानीय लोगों को समझ में नहीं आ रहा कि आखिर यह हुआ कैसे लड़के के स्वजन इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अभी लड़की ने घर में कदम भी नहीं रखा था कि यह घटना हो गई। मृतका की पहचान नवादा के गोला रोड निवासी गोपाल पंडित की बेटी आरती कुमारी के रूप में हुई है।

दरअसल, सोमवार को 24 मई को बिहारशरीफ (नालंदा) के सोहसराय के कटहल टोला निवासी विकास कुमार की शादी नवादा के गोला रोड निवासी गोपाल पंडित की बेटी आरती कुमारी से हुई थी। शादी के बाद जब विवाहिता 25 मई को मायके से कटहल टोला के निकट बंधु बाजार स्थित ससुराल पहुंची थी। इस दौरान उसका भाई भी कार में साथ था। गाड़ी जैसे ही लड़के के घर पर पहुंची कि महिलाएं गाल सेकाई की रस्म करने आ गईं। जैसे ही गाल सेकाई की रस्म की गई उसी वक्त लड़की कांपने लगी। जिसके बाद उसे पानी पिलाया गया। बाद में युवती को ग्लूकोज और नींबू का शर्बत भी दिया गया। थोड़ा स्थिर होने के बाद लड़की जैसे ही गाड़ी से उतरी घर के दरवाजे के पास ही लड़खड़ा कर गिर गई। इस दौरान अफरातफरी मच गई। आननफानन में लड़की को बिहार शरीफ सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मृतका के स्वजनों को दी गई। घटना के बाद परिवार को लोगों के बीच कोहराम मचा है। वहीं साथ आए भाई का भी रो-रोकर बुरा हाल है। मृतका के शव को उसके मायके नवादा भेज दिया गया है। घटना से लड़के के स्वजन भी काफी सदमे में हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह बोले, उत्तराखंड को विशेष पैकेज दे केंद्र सरकार

ऋषिकेश । कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कोरोना महामारी के खिलाफ जंग में प्रदेश और केंद्र सरकार को असफल बताया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड कोरोना और ब्लैक फंगस के साथ प्राकृतिक आपदा की चुनौती से जूझ रहा है, ऐसे में केंद्र सरकार को राज्य को विशेष पैकेज देना चाहिए।

जिला और नगर कांग्रेस कमेटी ढालवाला-मुनीकीरेती की ओर से मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि के उपलक्ष में ढालवाला में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। हिमालयन हॉस्पिटल जौलीग्रांट के सहयोग से आयोजित शिविर में 40 कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में कांग्रेस पूरी ताकत के साथ जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह पूरे प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं ने रक्तदान शिविरों के माध्यम से ब्लड बैंकों में बनी रक्त की कमी को काफी हद तक पूरा करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कोरोना महामारी से निपटने मैं पूरी तरह असफल साबित हुई है। सरकार को जब दूसरी से लहर से निपटने की तैयारी करनी थी, तब भाजपा आपसी कलह में उलझी रही। प्रदेश में वैक्सीनेशन की स्थिति पटरी पर नहीं आ रही है। वही ब्लैक फंगस के उपचार के लिए जरूरी दवाइयों की कमी बनी हुई है। मगर, सरकार इसके लिए अवश्य प्रयास तक नहीं कर रही है। उन्होंने ये भी कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश सरकार को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए थे, जिन पर अमल करने के बजाय सरकार ने उन्हें दरकिनार कर दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में कोरोना वायरस व ब्लैक फंगस के अलावा प्राकृतिक आपदा बड़ी चुनौती है। ऐसे में केंद्र सरकार को चाहिए कि उत्तराखंड को विशेष पैकेज देने का काम करें।

इस अवसर पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष हिमांशु बिजलवान, पूर्व प्रदेश महासचिव रमेश व्यास, दीपक थलवाल, विजेंद्र पयाल, दिनेश भट्ट, राजेश थलवाल, अजय रमोला, संतोष पैन्यूली, रोहित चौहान, शिवम भट्ट, अरविंद नेगी, अरविंद चौहान, विकास रयाल, शंकर रयाल, मोहित कपरूवान आदि मौजूद थे।

लखनऊ जेल लाया गया कुख्यात सुरेंद्र कालिया, पूर्व सांसद धनंजय सिंह फंसाने की रची थी साजिश

लखनऊ । चित्रकूट जिला जेल में गैंगवार के बाद पुलिस एनकांउटर तथा बागपत जिला जेल में माफिया मुन्ना बजरंगी की हत्या के बाद किसी भी जेल में बाहर से बड़े अपराधी के आने के बाद सुरक्षा कड़ी कर दी जाती है, कुछ ऐसा ही हाल जिला जेल लखनऊ का है। सोमवार को यहां कोलकाता से कुख्यात सुरेंद्र कालिया को लाया गया है। 50 हजार के इनामी बदमाश कालिया ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह को फंसाने की साजिश में लखनऊ में अपने ऊपर ही हमला करवा लिया था।

कोलकाता से हिस्ट्रीशीटर सुरेंद्र कालिया के सोमवार को लखनऊ जिला में पहुंचने के बाद से पुलिस अतिरिक्त रूप से सतर्क है। कालिया को लखनऊ के एक केस के सिलसिले में कोलकाता में पकड़ा गया था, लेकिन वह कोलकाता से लखनऊ आने में कतरा रहा था।

हरदोई के हिस्ट्रीशीटर और जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र कालिया ने सरकारी गनर पाने और पूर्व सांसद को फंसाने के लिए लखनऊ में खुद पर गोली चलवाई थी। पुलिस ने घटना पर शक किया तो उसने कोरोना का बहाना बनाकर चकमा देने की कोशिश की और अपने परिवार के साथ फरार हो गया। इसके बाद नाटकीय ढंग से कोलकाता में गिरफ्तार हो गया। वहां पर गिरफ्तार होने के बाद सुरेंद्र कालिया नौ महीने से लखनऊ आने से बच रहा था लेकिन अब वह लखनऊ जेल में कैद है।

लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र में 13 जुलाई 2020 को अजंता हॉस्पिटल के बाहर देर शाम सुरेंद्र कालिया पर उस वक्त जानलेवा हमला हुआ जब वह अपने एक बीमार साथी को अस्पताल में देखकर गाड़ी में बैठने जा रहा था। उस समय बताया गया कि पैदल आए दो लड़कों ने ताबड़तोड़ 20-25 राउंड फायरिंग की और फरार हो गए। फायरिंग के दौरान सुरेंद्र के ड्राइवर को गोली भी लगी, लेकिन

उसकी जान बच गई। सुरेंद्र कालिया ने इस जानलेवा हमले का आरोप जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह लगाया और आलमबाग थाने में एफआईआर भी दर्ज करवा दी। इसके बाद पुलिस ने गाड़ी को देखा और मौका मुआयना किया। इस दौरान पुलिस ने सीसीटीवी खंगाला और चश्मदीदों से बात की तो पता चला कि मौके पर चार या पांच राउंड ही फायरिंग हुई। पुलिस ने सुरेंद्र कालिया की गाड़ी का भी मुआयना किया तो उस पर एक दो नहीं पूरी 17 गोलियां मारी गई थी। यह गोली गाड़ी के दोनों तरफ लगी थी। फॉरेंसिक टीम और टेक्निकल मुआयना करवाया गया तो साफ हो गया उसकी काली गाड़ी पर गोली तो चली लेकिन घटनास्थल पर नहीं और शूटरो ने नही चलाई।

इस मामले की जांच शुरू हुई और पुलिस की पूछताछ में झूठ पकड़ा जाने लगा तो सुरेंद्र कालिया ने चकमा देने के लिए खुद को कोरोना पॉजिटिव बता दिया।

पुलिस को लगा कि वह अब 14 दिन तक अब घर से बाहर नहीं निकलेगा लेकिन मौका मिलते ही वह परिवार के साथ लखनऊ के आशियाना में घर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसके पीछे लगी और 13 अगस्त को उसकी लोकेशन मध्य प्रदेश के सतना जिले के मैहर मंदिर के पास मिली। होटल में पुलिस के पहुंचने से पहले ही वह फरार हो गया। पुलिस ने सुरेंद्र कालिया की पत्नी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

सुरेंद्र कालिया इसके बाद सितंबर 2020 में कोलकाता में अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार हो गया। सितंबर 2020 से मई 2021 तक पूरे नौ महीने में लखनऊ पुलिस ने सुरेंद्र को लाने के लिए पांच वारंट बार दाखिल किया, लेकिन कभी कोरोना के नाम पर तो कभी बीमारी के नाम पर उसको नहीं आने दिया गया। आखिर कोर्ट ने भी लखनऊ पुलिस को बीते हफ्ता वारंट बी पर सुरेंद्र को ले जाने की अनुमति दे दी। फिलहाल सुरेंद्र कालिया को सोमवार देर शाम को ज्यूडिशल कस्टडी में जेल भेज दिया गया है। उसे आलमबाग पुलिस कोलकाता से वारंट बी पर लेकर आई थी। देर शाम कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया गया। कालिया को कोलकाता में अवैध पिस्टल के साथ अरेस्ट किया गया था।

50 हजार रुपये का इनाम- तत्कालीन पुलिस कमिश्नर सुजीत पांडेय ने उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। डीसीपी मध्य सोमेन वर्मा के मुताबिक, सोमवार को सुरेंद्र कालिया को कोलकाता से वारंट बी पर लखनऊ लाया गया। जहां कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद न्यायिक अभिरक्षा में उसे गोसाईंगंज जेल भेज दिया गया है।

लखनऊ में सीवेज में कोरोना वायरस, संक्रमितों के स्टूल से पानी में पहुंचा वायरस

लखनऊ । बॉलीवुड मुम्बई के बाद प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी पानी में कोरोना वायरस मिलने से खलबली मच गई है। संजय गांधी पीजीआई के डॉक्टर्स अब इसके अध्ययन में लगे हैं कि यह कितना खतरनाक हो सकता है।

राजधानी लखनऊ के खदरा के साथ ही मछलीमोहाल और घंटाघर के पास के क्षेत्र में सीवेज में कोरोना वायरस मिले हैं। डॉक्टर्स का अनुमान है कि यहां पर रहने वाले संक्रमितों के स्टूल से कोरोना वायरस सीवेज में पहुंच गया है। सीवेज के पानी से कोरोना वायरस संक्रमण बढने के प्रश्न पर डॉक्टर्स ने कहा कि पानी से संक्रमण फैलेगा या नहीं, यह तो अब रिसर्च का विषय है।

लखनऊ में संजय गांधी पीजीआई के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की

अध्यक्ष डॉ. उज्ज्वला घोषाल के मुताबिक, कोरोना की दूसरी लहर के बाद इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च व वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने रिसर्च स्टडी शुरू की है। इसमें अलग-अलग शहरों से पानी में कोरोना वायरस का पता लगाने के लिए सीवेज सैंपल जुटाए जा रहे हैं।

संक्रमित के स्टूल से सीवेज में कोरोना वायरस- लखनऊ के साथ ही मुंबई के सीवेज में भी कोरोना वायरस पाया गया है। अभी देश के अन्य शहरों में अध्ययन जारी है। डॉ. घोषाल ने बताया कि सीवेज के पानी में कोरोना वायरस का पाया जाना संक्रमित के स्टूल से हो सकता है। कोरोना संक्रमित तमाम मरीज होम आइसोलेशन में हैं। ऐसे में उनका मल (स्टूल) सीवेज में आ जाता है। कई देशों में हुए अध्ययनों में पाया गया है कि 50 प्रतिशत संक्रमितों के स्टूल में भी वायरस पहुंच जाता है। ऐसे में सीवेज में वायरस मिलने के पीछे का कारण संक्रमित का स्टूल हो सकता है। इसी क्रम में लखनऊ के तीन जगहों से लिए गए सैंपल में कोरोना वायरस मिला है। डॉ. उज्ज्वला ने बताया कि देश में सीवेज सैंपल टेस्टिंग के लिए आठ सेंटर बनाए गए हैं। इनमें से एक सेंटर लखनऊ के संजय गांधी पीजीआई में भी है। सीवेज के पानी की टेस्टिंग के लिए लखनऊ के ही तीन जगह से सीवेज सैंपल लिए गए। इनमें से एक जगह के सैंपल में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है। लखनऊ में जिन तीन साइट से सीवेज सैंपल लिए गए हैं। उनमें वह स्थान हैं, जहां पर पूरे मोहल्ले का सीवेज एक जगह पर गिरता है। इनमें पहला तो खदरा क्षेत्र का रूकपुर, दूसरा चौक का घंटाघर और तीसरा सदर का मछली मोहाल का है। लैब में हुई जांच में रूकपुर खदरा के सीवेज के पानी में वायरस पाया गया है। सीवेज सैंपल में 19 मई को वायरस की पुष्टि होने के बाद इसकी रिपोर्ट बनाई गई है, जिसे अब आइसीएमआर को भेज दिया गया है, जो इसे सरकार से साझा करेगी।

सात फेरों से पहले गांव के विकास की बात, मंडप के नीचे ली शपथ

लखनऊ । निगोहां के अकबरपुर गांव के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान विशाल शुभम (28) की शादी 25 मई को पहले से ही तय थी और सरकार का इसी दिन शपथ ग्रहण कराने का निर्णय भी हो गया। लिहाजा शुभम ने पहले गांव की विकास की शपथ ली और फिर जिंदगी की नई पारी की शुरूआत करने की तैयारियों में जुट गये। वही, इससे पूर्व शुभम की मां पूनमलता अभी तक गांव निवर्तमान प्रधान थी, जो बेटे की शपथ लेने के साथ ही पूर्व प्रधान हो गयीं। वही, करीब एक दशक पूर्व सबसे पहले शुभम के पिता विनोद कुमार भी ग्राम पंचायत का चुनाव लड़े थे किंतु उन्हे सफलता नही मिली थी।

मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत अकबरपुर बेनीगंज में निवर्तमान ग्राम प्रधान पूनमलता अपने बेटे विशाल शुभम को दूल्हे के रूप में तैयार किया और सात फेरों से पहले गांव के विकास की शपथ लेने को कहा।

जिस पर शुभम ने मंडप के नीचे ही दूल्हे की पोशाक पहनकर आनलाइन शपथ ली। शायद ही कभी देखने को मिला हो कि निवर्तमान प्रधान पूर्व प्रधान को कोई सलाह मशविरा देता हो किंतु मंडप के नीचे एक मां जो निवर्तमान प्रधान थी और अपने वर्तमान प्रधान बेटे को गांव की राजनीति को समझा बुझा रही थी।

बेटे की शपथ लेने के साथ ही मां पूनमलता निवर्तमान प्रधान से पूर्व प्रधान हो गयी। वही, पूरे परिवार के पूरे लोग दोहरी खुशी से काफी खुश दिखे। पूर्व में रहे प्रधान पद के प्रत्याशी और वर्तमान प्रधान विशाल शुभम के पिता विनोद कुमार ने बताया कि उनकी जिंदगी में यह सबसे खुशी का मौका रहा कि बेटे ने शादी के दिन ही गांव के विकास करने की शपथ ली।

कृषि कानून वापस लेने की मांग को लेकर किसानों के समर्थन में बसपा मुखिया मायावती

लखनऊ । कोरोना वायरस संक्रमण की सेकेंड स्ट्रेन के गति पकडने के साथ ही मंद पड़ी कृषि कानून को वापस लेने की मांग अब फिर से तेज होने लगी है। राष्ट्रीय लोकदल के 26 मई को होने वाले किसानों के प्रदर्शन को समर्थन देने की घोषणा के बाद बहुजन समाज पार्टी ने भी किसानों के साथ आने की घोषणा कर दी है।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती किसानों के समर्थन में खड़ी हो गई है। किसानों की कृषि कानून वापस लेने की मांग जब चरम पर थी, तब मायावती ने कोई घोषणा नहीं की थी। अब मायावती ने किसानों के साथ खड़े होने का मन बना लिया है।

बसपा की मुखिया मायावती ने मंगलवार को दो ट्वीट किया है। मायावती ने कहा है कि 26 मई को होने वाले किसानों के प्रदर्शन को हमारा पूरा समर्थन है। उन्होंने कहा कि तीन नए कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर देश के किसान कोरोना के इस अति-विपदाकाल में भी लगातार आंदोलन कर रहा है। इस बड़े आंदोलन के छह महीने पूरे होने पर पर कल यानी 26 मई को किसानों के देशव्यापी विरोध दिवस को बहुजन समाज पार्टी का समर्थन है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को अब तो इनके प्रति संवेदनशील होने की जरूरत है। केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ हम किसानों के साथ खड़े हैं।

मायावती ने कहा कि देश के किसानों के प्रति केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का रवैया अभी तक अधिकतर टकराव का ही रहने से उत्पन्न बड़े गतिरोध के कारण खासकर दिल्ली के पड़ोसी राज्यों में स्थिति काफी तनावपूर्ण है। इसको देखते हुए नरेंद्र मोदी सरकार को इन आंदोलन करने वाले किसानों से वार्ता करके व इनकी समस्या का हल निकालने का प्रयास करना चाहिए।

नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से 28 को वार्ता करेंगे सीएम योगी आदित्यनाथ, वर्चुअल माध्यम से होगा संवाद

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में गांव की सरकार की नींव माने जाने वाले ग्राम प्रधानों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी संवाद करेंगे। बीते तीन दिन से जिलों के दौरे में कई गांव में जाकर कोरोना संक्रमण से उबरे लोगों से भेंट के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों से वार्ता के दौरान भी उनको विकास का काम करने की प्रेरणा दे रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में मंगलवार व बुधवार को शपथ लेने के बाद ग्राम प्रधान तथा ग्राम पंचायत सदस्य 27 को अपना कार्यभार संभालेंगे। इसके बाद 28 मई को सीएम योगी आदित्यनाथ ने इन सभी ग्राम प्रधानों से संवाद का कार्यक्रम तय कर लिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 28 मई को दिन में करीब 11 बजे शपथ लेने वाले प्रधानों से वर्चुअल माध्यम से संवाद करेंगे। नवनिर्वाचित प्रधानों को मंगलवार सुबह से बुधवार शाम को पांच बजे तक शपथ दिलाई जाएगी। इन सभी को कहीं ऑनलाइन माध्यम से वर्चुअल तो कहीं

आफलाइन शपथ दिलाई जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इन प्रधानों से बातचीत का कार्यक्रम बनाया है। सीएम आफिस के अनुसार सीएम योगी 28 मई को नए प्रधानों से बातचीत करेंगे। लखनऊ में अपने दफ्तर से ही मुख्यमंत्री इन प्रधानों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे। लखनऊ से आला अधिकारियों ने इस बाबत तैयारी करने का निर्देश जिलों के अफसरों को दे दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ की 28 मई को फिलहाल चुनिंदा जिलों के ही प्रधानों से बातचीत हो सकेगी। इसके लिए अगले दो दिनों में तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। माना जा रहा है कि ग्रामीण इलाकों में चल रहे विशेष जांच अभियान को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ प्रधानों से बातचीत करेंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ बीते कई दिनों से जिलों के दौरे पर हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने वहां पर निगरानी समितियों के लोगों से भी मुलाकात की है। कई ग्रामीण इलाकों में भी खुद जाकर निरीक्षण किया और कोरोना संक्रमित लोगों से बातचीत की है।

गर्लफ्रेंड की शादी नहीं रुकवाई तो सीएम नीतीश से प्रेमी ने मांगा इस्तीफा, बोला- आपको लगेगी आशिक की आह

पटना । क्या एक निराश प्रेमी की आह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कुर्सी पर आफत बनकर टूटेगी प्रेमी ने पहले गलफ्रेंड की शादी रोकने की गुहार लगाई थी, जिसकी मुख्यमंत्री ने अनसुनी कर दी। अब शादी के बाद उसने बददुआएं देते हुए कहा है कि नीतीश कुमार को उसकी हाय लगेगी। हम बात कर रहे हैं पंकज कुमार गुप्ता की, जिनकी गर्लफ्रेंड की शादी बीते 19 मई को किसी और से हो गई।

मुख्यमंत्री को बताया नकारा, इस्तीफा मांगा- अपने ट्वीट में पंकज कुमार गुप्ता ने नीतीश कुमार को नकारा मुख्यमंत्री बताते हुए उनसे इस्तीफा की मांग की है। लिखा है कि उसने 19 मई को होने वाली गर्लफ्रेंड की शादी रुकवा देने की अपील की थी, लेकिन उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। केवल बेरोजगारी के कारण उसकी अपनी गर्लफ्रेंड से शादी नहीं हो सकी। पंकज ने इस प्रकरण के लिए मुख्यमंत्री को जिम्मेदार बताते हुए लिखा है कि उन्हें उसकी हाय लगेगी। पंकज ने यह ट्वीट मुख्यमंत्री के लॉकडाउन बढ़ाने की घोषणा के ट्वीट पर रिट्वीट करते हुए लिखा है।

पहले की थी गर्लफ्रेंड की शादी रोकने की मांग- विदित हो कि पंकज ने अपनी गर्लफ्रेंड की शादी के पहले मुख्यमंत्री के लॉकडाउन को 25 मई तक बढ़ाने वाले पहले के ट्वीट पर दूसरे ट्विटर हैंडल से रिट्वीट करते हुए लॉकडाउन में शादियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग रखी थी। उसने लिखा था कि अगर मुख्यमंत्री लॉकडाउन में शादी पर भी रोक लगा देते हैं तो 19 मई को उसकी गर्लफ्रेंड की होने वाली शादी भी रुक जाती। इसके लिए वह उनका जीवन भर आभारी रहेगा। हालांकि, मुख्यमंत्री ने उसकी मांग का संज्ञान नहीं लिया और गर्लफ्रेंड की शादी हो गई।

फिर लिखा था- दोबारा नहीं बन पाएंगे सीएम- पंकज ने इस शादी के पहले भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए ट्वीट कर लिखा कि वह उन्हें कभी माफ नहीं करेगा, क्योंकि उन्होंने उसकी बातों का संज्ञान नही लिया। इस कारण उसकी गर्लफ्रेंड की शादी होने जा रही है। एक सच्चे आशिक की हाय लगने के कारण वे दोबारा मुख्यमंत्री नही बन पाएंगे।

गर्लफ्रेंड को दी शादी की मुबारकबाद, खुद को बताया भूतपूर्व प्रेमी- शादी के बाद पंकज अब गर्लफ्रेंड को मिस कर रहा है। उसके लिए अपने ट्वीट में उसने शादी की मुबारकबाद देते हुए अपने ससुराल वालों और सरकारी हसबैंड का ध्यान रखने को कहा है। साथ ही खुद को भूतपूर्व प्रेमी बेरोजगार पंकज गुप्ता बताया है। गर्लफ्रेंड को मिस करने की बात लिखते हुए उसने और भी कई ट्वीट किए हैं। खास बात यह है कि उसकी गर्लफ्रेंड ने भी शादी के पहले अपनी मर्जी से शादी करने की बात लिखी थी। किसी नव्या कुमारी ने पंकज को जवाब देते हुए लिखा है कि जब वह उसे छोड़ कर पूजा से बात करने गया था, तब वह बहुत रोती थी। आज वह अपनी मर्जी से शादी कर रही है, इसलिए वह इसे रोकने का प्रयास नहीं करे।

ट्विटर पर सुर्खियों में है यह मामला

पंकज के ट्वीट पर कई यूजर्स ने प्रतिक्रियाएं दी हैं। अब ये पंकज और नव्या कौन हैं तथा वाकई उनकी प्रेम कहानी और उसका ट्रेजिक एंड सच है, हम इसकी पुष्टि नहीं करते। हम तो केवल यह बता रहे हैं कि ऐसा एक मामला ट्विटर पर सुर्खियों में है।

कोरोना संक्रमित पांच लोगों की मौत, पिछले 24 घंटों में 160 स्वस्थ होकर घर लौटे

दरभंगा । कोरोना का कहर लगातार जारी है। दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सोमवार को पांच मरीज की मौत देर शाम तक हो गई। इनमें दरभंगा के तीन और मधुबनी के दो मरीज शामिल हैं। जिले के विभिन्न केंद्रों पर हुई जांच के दौरान कोरोना के 42 नए मरीज मिले हैं। इस तरह अबतक जिले में कुल 8965 संक्रमित मरीज मिल चुके हैं। जिले में आज 160 मरीज स्वस्थ होकर अस्पताल से घर के लिए विदा हो गए। अब स्वस्थ लोगों की संख्या बढ़कर 8970 हो गई है। जिले में कुल एक्टिव केस की संख्या भी लगातार घटकर 620 तक पहुंच गई है। इसमें डीएमसीएच में एक्टिव केस की संख्या 96 है। जिले के विभिन्न प्रखंडों में 535 मरीज होम आइसोलेशन में है। सिविल सर्जन संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि इधर जांच, पॉजिटिव और भर्ती के मामले में लगातार कमी आ रही है। समय से लोगों को बीमारी का पता चल रहा है। अस्पताल और होम आइसोलेशन में भी मरीजों की संख्या घट रही है। लोग लक्षण के आधार पर जांच और टीकाकरण जरूर कराएं। कोरोना से बचाव के लिए टीका लें और मास्क का उपयोग करें।

दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कान, नाक व गला वार्ड और नेत्र रोग व बीएससी नर्सिंग छात्रावास में बने वार्ड में ब्लैक फंगस के संदिग्ध मरीजों के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

प्राचार्य डॉ. केएन मिश्रा ने मंगलवार को जारी आदेश में साफ किया है इन दोनों वार्डों में वैसे मरीज रहेंगे जो कोविड निगेटिव हो गए हैं। मरीजों की देखभाल के लिए विभागाध्यक्ष को चिकित्सकों की तैनाती के आदेश दिए हैं। बता दे कि कोविड के साथ ब्लैक फंगस के मरीजों के लिए बीएससी नर्सिंग छात्रावास में 25 बेड की व्यवस्था की गई है। जबकि गैर कोविड वाले ऐसे मरीजों को इन दोनों वार्डों में भर्ती कराया जाएगा। प्राचार्य डॉ. केएन मिश्रा ने बताया कि इन मरीजों के बेहतर इलाज के लिए यह व्यवस्था की गई है।

जिले में कोविड-19 का असर लगातार कम होता जा रहा है। दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के वायरोलॉजी लेबोरेटरी की नमूने की जांच सोमवार को हुई। इसकी लेबोरेटरी की जांच रिपोर्ट मंगलवार को जारी हुई। जिसमें 606 नमूने की जांच में मात्र चार नमूने की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव मिले है। प्राचार्य डॉ. केएन मिश्रा ने बताया कि पॉजिटिव दर में कमी पिछले एक पखवारे से दर्ज की जा रही है।

आप ने जालंधर के ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के लिए पंजाब सरकार से मांगे 5-5 हजार रुपये

जालंधर । दिल्ली की अरविंदर केजरीवाल सरकार की तर्ज पर पंजाब सरकार भी ऑटो एवं टैक्सी चालकों को पांच-पांच हजार की वित्तीय सहायता प्रदान करे। इस मांग के साथ आप की महिला विंग की अध्यक्ष राजविंदर कौर एवं जिला अध्यक्ष ओलंपियन सुरेंद्र सिंह सोढ़ी ने पार्टी वॉलिंटियर्स के साथ डीसी घनश्याम थोरी को एक ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर आप नेताओं ने कहा कि ऑटो और टैक्सी ड्राइवारों की आमदनी बिल्कुल खत्म हो चुकी है। उनके घरों की आर्थिक स्थिति बिगड़ चुकी है। उनके लिए रोजी-रोटी चलाना मुश्किल है। बच्चों की स्कूल की फीस नहीं दी जा पा रही है। बुजुर्ग मां-बाप का इलाज भी कराना संभव नहीं रहा है। चालक ब्याज पर पैसा उठाकर रोजी-रोटी चलाने को मजबूर हैं। ऐसे में पंजाब सरकार को उन्हें वित्तीय सहायता उपलब्ध करवानी चाहिए। दिल्ली में अरविंदर केजरीवाल सरकार ने ऐसा ही किया है। इस मौके पर मीडिया प्रभारी तरणदीप सनी, ब्लॉक प्रधान राजीव आनंद, सोशल मीडिया इंचार्ज सीनियर लीडर दर्शन लाल भगत, बलबीर सिंह, सुरजीत, करनैल, वरुण, कुलविंदर, कुक्की, सोनू, सर्वजीत सिंह मौजूद थे।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को कोलकाता के एक निजी कोविड-19 अस्पताल में ले जाते हुए।

मुंबई के सायन में कोविड-प्रेरित लॉकडाउन के दौरान, जरूरतमंदों के बीच अंत्योदय प्रतिष्ठान द्वारा वितरित भोजन किट प्राप्त करती एक महिला।

नादिया में चक्रवात यास के लैंडफॉल से पहले एहतियात के तौर पर मछुआरे हुगली नदी के तट पर अपनी नाव को लंगर डालते हुए।

एक नजर

अशोक गहलोत की चेतावनी, वैक्सीन का इंतजाम नहीं हुआ तो तीसरी लहर कई गुना बदतर होगी

जयपुर । वैक्सीन को लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। गहलोत ने मंगलवार को एक ट्वीट कर चेतावनी दी कि सभी के लिए वैक्सीन का इंतजाम नहीं हुआ तो तीसरी लहर में अब से कई गुना बदतर हालत बनेंगे। हम बच्चों को बचा नहीं पाएंगे। तीन अलग-अलग ट्वीट में गहलोत ने कहा ,केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को आंकड़ेबाजी छोड़कर राज्यों को अधिक से अधिक वैक्सीन उपलब्ध करना सुनिश्चित करना चाहिए। यदि तीसरी लहर ने बच्चों को प्रभावित किया तो देश कभी माफ नहीं करेगा। 1

30 करोड़ की आबादी वाले देश में जल्द ही सभी के लिए वैक्सीन का इंतजाम नहीं हुआ कोरोना की तीसरी लहर ने बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया तो ऑक्सीजन और दवाइयों की कमी से जो स्थिति दूसरी लहर में बनी उससे कई गुना बदतर हालात तीसरी लहर में बनेगे और हम बच्चों को बचा नहीं पाएंगे। गहलोत ने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ.हर्षवर्धन को वैक्सीन उत्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखना चाहिए था । इसके लिए आवश्यक हो तो कानून में बदलाव कर अन्य कंपनियों को भी वैक्सीन उत्पादन करने की अनुमति और प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए । उल्लेखनीय है कि वैक्सीनेशन के मुद्दे को लेकर गहलोत सरकार पिछले कई दिनों से लगातार मोदी सरकार पर निशाना साध रही है । एक वैक्सीन एक दाम मुद्दे को लेकर गहलोत सरकार सुप्रीम कोर्ट जाने की भी तैयारी कर रही है । इसी बीच राज्य में 18 से 44 साल तक की उम्र के लोगों के लिए वैक्सीनेशन डोज नहीं मिलने के कारण बंद हो सकता है ।

सरकार को अब तक इस वर्ग के लिए 14 लाख 94 हजार 750 डोज ही मिले हैं, इनमें से करीब 14 लाख डोज अब तक लगाई जा चुकी है। चिकित्सा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रतिदिन 50 से 60 हजार डोज लगाई जा रही है। अगर वैक्सीन शीघ्र नहीं आई तो वैक्सीनेशन का काम बंद हो सकता है। राज्य सरकार ने 18 से 44 साल तक के लोगों के वैक्सीन लगाने को लेकर ग्लोबल टेंडर निकाला था, जिसमें दो बड़ी कंपनियों ने दिलचस्पी भी दिखाई है। टेंडर प्रक्रिया पर अब चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कुछ भी बताने को तैयार नहीं है ।

5 साल से कम उम्र के बच्चों को लगाया जाये इन्फ्लूएंजा का टीका, महाराष्ट्र सरकार से अपील

ठाणे । पूर्व विधायक विवेक पंडित, जो आदिवासी कल्याण राज्य समिति के प्रमुख हैं, ने महाराष्ट्र सरकार से अपील की है कि आगामी मानसून के मौसम से पहले राज्य के आदिवासी क्षेत्र में पांच साल से कम उम्र के सभी बच्चों को एंटी-इन्फ्लूएंजा टीका लगाया जाए। सोमवार को यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने संकेत दिया है कि बारिश के मौसम में, इन्फ्लूएंजा, जिसे सामान्य फ्लू भी कहा जाता है, बच्चों में फैल सकता है। उन्होंने कहा कि देश पहले से ही कोविड-19 संकट का सामना कर रहा है।

विवेक पंडित ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों को सभी तहसीलों में इन्फ्लूएंजा से बचाव के लिए टीका लगाया जाए इसके लिए जिला कलेक्टरों की निगरानी में प्राधिकरण बनाया जाए। उन्होंने कहा कि गरीब आदिवासी इन्फ्लूएंजा रोधी टीके नहीं खरीद सकते, जिनकी कीमत 1,500 रुपये से 2,000 रुपये के बीच है। इसलिए, सरकार को मानसून के मौसम की शुरुआत से पहले सभी बच्चों को मुफ्त में टीके लगाने का अभियान चलाना चाहिए। गौरतलब है कि बाल चिकित्सकों और राज्य की कोविड-19 टास्क फोर्स ने भी मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से राज्य में बच्चों को इन्फ्लूएंजा का टीका लगाये जाने की अपील की है, बता दें कि इन्फ्लूएंजा और कोरोना के शुरुआती लक्षण एक जैसे ही होते हैं। ऐसे में टास्क फोर्स का मानना है कि इससे इस एहतियाती कदम में संभावित खतरे की स्थिति को टालने में सहायता अवश्य मिलेगी।

इन्फ्लूएंजा के सामान्य लक्षण- इन्फ्लूएंजा एक श्वसन वायरल संक्रमण होता है। इसके लक्षण कोरोना संक्रमण से काफी हद तक मिलते हुए ही होते हैं। इन्फ्लूएंजा से ग्रसित मरीज को खांसी, हल्का बुखार, जुकाम और बदन दर्द की शिकायत रहती है।

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाएं लगवा सकती हैं कोविड वैक्सीन, पूर्व पंजीकरण की जरूरत नहीं

मुंबई । कोरोना संक्रमण के मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार के निर्देश के बाद मुंबई नागरिक निकाय ने सोमवार को स्तनपान कराने वाली माताओं और गर्भवती महिलाओं को बिना किसी पूर्व पंजीकरण के अनुमोदित केंद्रों पर कोविड-19 से बचाव के लिए टीका लगाने की अनुमति दे दी है। स्तनपान कराने वाली माताएं और गर्भवती महिलाएं सोमवार से बुधवार के बीच महाराष्ट्र सरकार और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा संचालित केंद्रों पर जाकर टीका लगवा सकती हैं।

बीएमसी ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि ये टीकाकरण सोमवार से बुधवार के बीच किया जाएगा। इसके लिए पूर्व पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है, हालांकि उन्हें टीकाकरण केंद्रों पर पंजीकरण कराना होगा। बृहन्मुंबई नगर निगम ने केंद्र सरकार के 19 मई के निर्देश का हवाला देते हुए स्तनपान कराने वाली माताओं और गर्भवती महिलाओं को को कोविड-19 के टीके लेने की अनुमति दी है। इस दौरान स्तनपान कराने वाली माताओं को टीके लगाते समय, सभी आवश्यक दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा।

गर्भवती महिलाओं के लिए खास निर्देश - गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण के लिए जाते समय अपने चिकित्सा विवरण के साथ डिलीवरी की तारीख और स्थान के बारे में आवश्यक दस्तावेज ले जाने होंगे। गर्भवती महिलाओं को एक स्व-सहमति पत्र के साथ स्त्री रोग विशेषज्ञों के लेटरहेड पर लिखा हुआ एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिनसे वे उपचार ले रही हैं।

बीएमसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि गर्भवती महिलाएं सोमवार से बुधवार के बीच कोविड-19 की जांच भी करा सकती हैं। वर्तमान में, मुंबई में 321 सक्रिय टीकाकरण केंद्र हैं, और अब तक, 29,80,478 नागरिकों का टीकाकरण किया जा चुका है। सोमवार को 25,211 नागरिकों को कोविड-19 टीके लगाये गए थे। सोमवार तक, मुंबई में कुल कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 6,98,867 थी, जबकि कुल मरने वालों की संख्या14,671 थी।

गहलोत और पायलट खेमे में खींचतान जारी, कांग्रेस विधायक ने अब कहा- पायलट मेरे नेता और मार्गदर्शक

जयपुर । राजस्थान कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट खेमों के बीच खींचतान जारी है। पायलट समर्थक विधायक लगातार सीएम गहलोत और मंत्रियों पर निशाना साध रहे हैं। इसी बीच एक दिन पहले गहलोत की तारीफ करने वाले पायलट समर्थक विधायक इंद्राज गुर्जर ने मंगलवार को सफाई दी। उन्होंने पायलट को अपना नेता बताते हुए कहा कि मेरे नेता और मेरा अभिमान पायलट हैं। मैं साथ हूं और रहूंगा।

एक बातचीत में उन्होंने कहा कि पायलट के कारण ही वे विधानसभा में पहुंचे हैं। वहीं इंटरनेट मीडिया पर पायलट के साथ खुद की फोटो शेयर करते हुए गुर्जर ने हर बात के राजनीतिक मायने नहीं निकालने चाहिए। उन्होंने लिखा, प्रदेश के मुखिया और वर्तमान में सार्वजनिक निर्माण विभाग देख रहे मुख्यमंत्री का मेरे क्षेत्र की सड़क के शिलान्यास के लिए मैंने आभार व्यक्त किया था। मेरे क्षेत्र की जनता के कार्यों को मैं हमेशा प्राथमिकता देता रहूंगा। लेकिन राजनीति में मुझे स्थापित करने और मेरे बुरे वक्त में हाथ पकड़कर आगे बढ़ाने वाले सचिन पायलट मेरे नेता और मार्गदर्शक है। किसी को भी इस सत्य के बारे में आशंका व्यक्त करने की अथवा पुनर्विचार करने की आवश्यक्ता नहीं है ।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को गुर्जर के निर्वाचन क्षेत्र विराटनगर में सीएम गहलोत ने वर्चुअल 30 किलोमीटर सड़क का शिलान्यास

किया था । इस मौके पर गुर्जर ने सीएम की जमकर तारीफ करते हुए कहा था कि तीन साल में 125 करोड़ रूपए की सड़क की स्वीकृति देकर गहलोत ने कायाकल्प किया है। इस दौरान प्रदेश के विकास और कोविड मैनेजमेंट को लेकर विधायक ने गहलोत को श्रेय दिया,लेकिन पायलट का नाम तक नहीं लिया । इससे नाराज उनके समर्थकों ने सोमवार शाम से ही हंगामा शुरू कर दिया । कुछ समर्थकों ने मंगलवार सुबह गुर्जर को आगामी चुनाव सहयोग नहीं करने तक की धमकी दी। इस पर गुर्जर ने दिन में आपसी बातचीत व इंटरनेट मीडिया पर सफाई दी ।

लगातार सक्रिय हो रहे पायलट समर्थक विधायक- पिछले साल पायलट खेमे की बगावत के समय गुर्जर अन्य विधायकों के साथ मानेसर में रहे थे । बाद में कांग्रेस के तत्कालीन कोषाध्यक्ष स्व.अहमद पटेल और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ हुई बातचीत के बाद पायलट समर्थक विधायक जयपुर लौटे थे। उस समय उन्हे सत्ता व संगठन में महत्व दिए जाने का आश्वासन दिया गया था । लेकिन एक साल बाद भी न तो मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ और न ही राजनीतिक नियुक्तियां हुई । इससे पायलट समर्थक विधायकों में नाराजगी बढ़ने लगी है ।

पायलट के विश्वस्त वरिष्ठ विधायक हेमाराम चौधरी ने क्षेत्र में विकास कार्य नहीं होने को मुद्दा बनाकर पिछले दिनों विधानसभा से इस्तीफा दिया था । इस पर विधानसभा अध्यक्ष को निर्णय करना है। एक अन्य विधायक वेदप्रकाश सोलंकी ने भी मीडिया में बयान देकर हेमाराम चौधरी का समर्थन करते हुए कहा था कि यदि मेरे क्षेत्र में काम नहीं हुए तो मैं भी इस्तीफा दे सकता हूं। पायलट खेमे के विधायक विश्वेंद्र सिंह,रमेश मीणा,मुरारी लाल मीणा व पी.आर.मीणा कई बार सार्वजनिक रूप से मंत्रियों व सरकार के कामकाज को लेकर नाराजगी भरे बयान दे चुके हैं।

महाराष्ट्र में ब्लैक फंगस महामारी घोषित, अब तक 2,245 मामले

मुंबई । महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बताया कि महाराष्ट्र सरकार ने ब्लैक फंगस को महामारी घोषित कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री टोपे के अनुसार महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना के तहत ब्लैक फंगस के मरीजों का सरकारी अस्पताल में मुफ्त इलाज किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य में वर्तमान समय में पॉजिटिविटी रेट 12त्न है और रिकवरी रेट 93 फीसदी है। राज्य में ब्लैक फंगस के 2,245 मामले हैं।

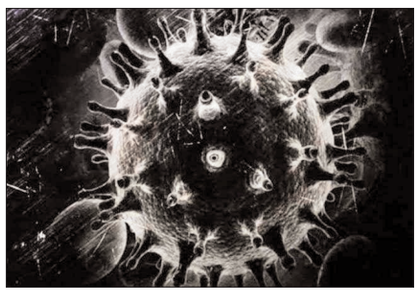

स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बताया कि हमें वैक्सीन खरीद के लिए वैश्विक निविदा पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। हम केंद्र सरकार से निविदा जारी करने और हमें टीके उपलब्ध कराने का अनुरोध कर रहे हैं।

इन राज्यों में पहले ही ब्लैक फंगस महामारी घोषित - कोरोना संक्रमित मरीजों में ब्लैक फंगस के लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। जिसे देखते हुए देश के कई राज्य पहले ही ब्लैक फंगस को महामारी घोषित कर चुके हैं। बता दें कि गुजरात, पंजाब, ओडिशा, तमिलनाडु, बिहार राजस्थान, तेलंगाना, चंडीगढ़, उत्तराखंड समेत लगभग 15 राज्यों में इस बीमारी को महामारी घोषित किया जा चुका है।

महामारी घोषित होने के बाद इन गाइडलाइन का पालन जरूरी

ज्ञात हो कि जो राज्य किसी बीमारी को महामारी घोषित कर देते हैं उन्हें उसके बाद उस बीमारी का पूरा हिसाब रखना पड़ता है। बीमारी के केस, दवा, इलाज और बीमारी से होने वाली मौत के आंकड़े दर्ज करने होते हैं। इसकी रिपोर्ट चीफ मेडिकल अधिकारी को भेजी जाती है। इसके अलावा केंद्र सरकार और आईसीएमआर की गाइडलाइन का पालन भी करना आवश्यक होता है।

सोनिया गांधी की पीएम से अपील

ब्लैक फंगस महामारी के बढ़ रहे मामलों को देखते हुए कुछ दिन पहले सोनिया गांधी ने दवा की कथित कमी पर चिंता जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। सोनिया गांधी ने अपने पत्र में पीएम से आग्रह किया था कि ब्लैक फंगस के मरीजों को राहत देने के लिए तुरंत जरूरी कदम उठाये जायें।

राजस्थान में महंगा होगा पान-मसाला, बीड़ी, सिगरेट और गुटखा, गहलोत सरकार लगाएगी नया शुल्क, जुटाएगी चार सौ करोड़

अजमेर । राजस्थान की गहलोत सरकार लॉकडाउन में पेट्रोल-डीजल से राजस्व में आई कमी को पूरा करने के लिए अब पान मसाला, तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट और गुटका के आवागमन पर शुल्क लगाने जा रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर राज्य के वित्त विभाग में प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। प्रस्ताव को जल्द ही मुख्यमंत्री की हरी झंडी मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार के इस फैसले से कोरोना काल में प्रदेश में महंगे दामों पर बेचे जा रहे पान-मसाला, बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू तथा गुटखों के दामों में और उछाल आएगा।

कोरोना लॉकडाउन के दौरान आम वाहन संचालकों के लिए पेट्रोल और डीजल भरवाने का समय सुबह 6 से 12 बजे तक तय किया गया है। इसके चलते सरकार के खजाने को खासी चपत लगी है, इसके साथ ही कोविड-19 के कारण सरकार की वित्तीय हालत और भी खराब हो गई है। राज्य में पिछले साल लॉकडाउन की अवधि के बाद पान-मसाला, गुटखा, तंबाकू, बीड़ी और सिगरेट पर लगा प्रतिबंध हटा लिया गया था और शर्तों के साथ इनकी बिक्री की अनुमति प्रदान की गई थी।

'400 करोड़ राजस्व की प्राप्ति होगी'- वित्त विभाग ने आवागमन शुल्क से 400 करोड़ राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में 10 मई से 24 मई तक लॉकडाउन लागू रहा। इसके बाद राज्य सरकार ने लॉकडाउन की अवधि 8 जून तक के लिए बढ़ा दी है।

इस अवधि के दौरान पेट्रोल और डीजल से आने वाले राजस्व में भारी कमी आई है। इस कमी की भरपाई के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर वित्त विभाग ने यह कार्य योजना बनाई है। प्रदेश में लॉकडाउन के बीच पान-मसाला, बीड़ी, सिगरेट और तम्बाकू की जमकर कालाबाजारी हो रही है।

'लॉकडाउन की आड़ में कालाबाजारी'- उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 10 मई से 8 जून तक त्रिस्तरीय जन अनुशासन लॉकडाउन लागू है। इसकी वजह से परिवहन सेवाएं पूरी तरह ठप है। लॉकडाउन की आड़ में कारोबारी विभिन्न उत्पादों की कालाबाजारी कर रहे हैं।

तम्बाकू उत्पादों, पान मसाला, गुटखा आदि को ऊंचे दामों पर बेचने की शिकायतें आ रही हैं। डीलर इन्हें मनमानी कीमतों पर बेच रहे हैं। व्यापारियों द्वारा बिना बिल के भारी मात्रा में राजस्व चोरी कर माल बेचने की भी शिकायत वाणिज्य कर विभाग विभाग को मिली है

खुद को तपस्वी बाबा कहता था योगेंद्र मेहता, एक ही परिवार की चार महिलाओं के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार

जयपुर । जयपुर में दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक आश्रम से कथित बाबा को गिरफ्तार किया है । इस कथित बाबा ने एक ही परिवार की चार महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया जब मामला खुला तो परिजनों ने भंकरोटा पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया । पुलिस ने पीड़िताओं के बयान और मेडिकल के आधार पर कथित तपस्वी बाबा उर्फ योगेंद्र मेहता को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया । एक पीड़िता ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि तपस्वी बाबा खुद को भगवान बताता था और प्रसाद के रूप में भांग की गोली देता था,जिन्हे खाने के बाद अचेत महिलाओं के साथ दुष्कर्म करता था ।

थाना अधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया कि मामला दर्ज होने के बाद योगेंद्र मेहता फरार हो गया था,लेकिन पुलिस ने कुछ दिन में उसे गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित महिला ने बताया कि उसका विवाह जयपुर के बिंदायका में साल,1998 में हुआ था । उसके ससुराल पक्ष के कुल देवता तपस्वी बाबा थे, जिनका निधन हो गया । उनके आश्रम में परिवार के सभी लोग पिछले 15 साल से जा रही थी । तपस्वी बाबा के निधन के बाद उनकी गद्दी पर मेहता ने कब्जा कर लिया । उसका मुख्य आश्रम मुकुंदपुरा में और दो अन्य सीकर और दिल्ली रोड़ पर थे । वह खुद को भी तपस्वी बाबा और भगवान बताता था ।पीड़िता ने बताया कि वह अपने पति के साथ आश्रम में जाती थी । इस दौरान वह वहां सेवा-पूजा के लिए तीन-चार दिन रूकती थी । कुछ समय तो ठीक चला,लेकिन एक दिन मेहता ने उसे आश्रम की छत पर बने कमरे में बुलाया और प्रसाद बताते हुए एक गोली खाने के लिए दी । मेहता ने पीड़िता से कहा ईश्वरका ध्यान करो और सबकुछ मुझे दे दो । गोली के नशे में उसने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया । पति के कहने पर वह फिर आश्रम गई तो मेहता ने उसके साथ दोबारा दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर बर्बाद करने की धमकी दी । तीन दिन पहले 21 मई को पति अपनी 20 साल की बेटी को आश्रम ले जाने लगा तो पीड़िता ने मना कर दिया । इस पर पति ने उससे कारण पूछा तो पीड़िता ने सबकुछ बता दिया । परिवार में चर्चा हुई तो सामने आया कि मेहता ने पीड़िता की दो देवरानी व एक जेठानी के साथ भी दुष्कर्म किया था ।

मूछें रखने पर ओबीसी समाज के लोगों ने की दलित युवक की पिटाई, मामला दर्ज

अहमदाबाद । जिले की साणंद तहसील में एक दलित युवक ने ओबीसी समुदाय के 10 लोगों के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। अनुसूचित जाति के पीड़ित युवक का आरोप है कि ओबीसी ठाकोर समाज के कुछ लोग उसके मूछें रखने से नाराज होकर गत दिनों उस पर हमला कर दिया।

साणंद जीआईडीसी में रेफ्रिजरेटर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी में काम करने वाले 22 साल के सुरेश वाघेला ने साणंद पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उसी के गांव के धमा ठाकोर, कोशिक बालंद, अतिक ठाकोर, आनंद ठाकोर संजय ठाकोर विजय ठाकोर सहित 10 जनों ने मिलकर उस पर रविवार रात को हमला कर दिया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। सुरेश का आरोप है कि उसके मूछें रखने से आरोपी नाराज थे तथा उसे बुलाकर धमा ठाकोर ने पूछा कि मूछें क्यों रखता है।

रविवार को धमा ठाकुर ने उसे अपने पास बुलाया और पूछा कि मूछें क्यों रखी है। जब सुरेश ने उसकी बात का जवाब नहीं दिया तो वह उसके घर आया और उसे धमकी देने लगा। सुरेश ने तंग आकर अपना मोबाइल बंद कर दिया इसके बाद देर रात्रि उसके घर के मुख्य दरवाजे को खटखटाने की आवाज आई। पीड़ित सुरेश के पिताजी ने जब दरवाजा खोला तो बाहर धमा ठाकोर व उसके साथी हाथों में लकड़ी के डंडे व लोहे के पाइप लेकर खड़े थे तथा गालियां दे रहे थे। जब सुरेश घर से बाहर आया तो उसे पकड़ कर पीटने लगे तथा पाइप व डंडों से हमला कर उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया।

चीख पुकार सुनकर गांव के कुछ अन्य लोग वहां पहुंचे और उन्होंने बीच बचाव किया। सुरेश को पहले प्राथमिक उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में ले जाया गया जहां मलहमपट्टी करने के बाद वह एक निजी अस्पताल में भर्ती हो गया। पीड़ित सुरेश ने पुलिस को बताया कि आरोपी धमा ठाकोर तथा उसके 9 साथी इस हमले में शामिल थे तथा उसे व उसके परिवार वालों को जातिसूचक शब्दों के साथ गाली दे रहे थे। पुलिस ने एससी एसटी एक्ट (प्रिवेंशन ऑफ एट्रोसिटी एक्ट) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि गुजरात में दलितों के मूछें रखने, दलित युवकों के घोड़ी पर बैठ कर निकासी निकालने को लेकर सामान्य व ओबीसी समाज के लोग कई बार नाराजगी जताते हुए उनके साथ जातिगत भेदभाव करते रहते हैं। अहमदाबाद जिले के साणंद में इस तरह की यह पहली घटना नहीं है इससे पहले भी उत्तर गुजरात में सौराष्ट्र में इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी है।

राजस्थान के 8 जिलों में पेट्रोल 100 के पार, 12 जिलों में 93 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा है रेट

जयपुर । पेट्रोल व डीजल की दरों में बढ़ोतरी लगातार जारी है। तेल कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल पर 8 और डीजल पर 24 पैसे प्रति लीटर बढ़ाने के कारण राजस्थान में लोगों पर आर्थिक भार बढ़ गया।राजस्थान के 8 जिलों में पेट्रोल की रेट 100 रुपये प्रति लीटर तक पार कर गई। प्रदेश में सबसे महंगा पेट्रोल श्रीगंगानगर में 104.42, बाड़मेर में 101.59, सवाई माधोपुर में 101.48, उदयपुर में 100.72, अलवर में 100.67, दौसा में 100.40, नागौर में 101.43, सीकर में 100.86, झुंझुनूं में 101.17 रुपये प्रति लीटर हो गया।

वहीं जयपुर में जयपुर में पेट्रोल 99.92 प्रति लीटर हो गया। मात्र 8 पैसे की बढ़ोतरी होती ही यहां 100 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल की दर हो जाएगी। कोटा में 99.50, चित्तोडगढ़ में 99.66 और अजमेर में 99.63 रुपये प्रति लीटर हो गया। पिछले 20 दिन में 13 बार दामों में बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोल के दामों में करीब सवा तीन और डीजल में 4 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। श्रीगंगानगर में डीजल 97.18 रुपये प्रति लीटर और बाड़मेर, उदयपुर, सवाईमाधोपुर, नागौर, अलवर, दौसा, सीकर, जयपुर, झुंझुनूं, चित्तोडगढ़, कोटा व अजमेर में डीजल की रेट 93 से लेकर 94.44 पैसे प्रति लीटर तक पहुंच गई।

राजस्थान में दाम अधिक होने का कारण तेल कंपनियों की बढ़ोतरी के साथ ही राज्य सरकार द्वारा लिया जाने वाला वैट बड़ा कारण है। राज्य में पेट्रोल पर 36 व डीजल पर 26 फीसदी वैट वसूला जा रहा है। राज्य में पेट्रोल व डीजल महंगा होने के कारण अन्य राज्यों से आने वाले वाहन चालक प्रदेश की सीमा में प्रवेश करने से पहले ही पेट्रोल व डीजल लेकर आते हैं। जयपुर-दिल्ली, भरतपुर-मथुरा और भरतपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्गों पर तो उत्तरप्रदेश व हरियाणा के पेट्रोल पंप संचालकों ने बड़े-बड़े बोर्ड लगाकर लिख रखा है कि राजस्थान से सस्ता पेट्रोल व डीजल यहां मिलता है।

पुराने लोगों को नजरअंदाज कर भाजपा में लाए गए तृणमूल के दल-बदलू धीरे-धीरे चले जाएंगे- तथागत राय

कोलकाता। भाजपा नेतृत्व के एक धड़े पर हमले जारी रखते हुए पूर्व राज्यपाल तथागत राय ने कहा कि पुराने लोगों को नजरअंदाज कर तृणमूल कांग्रेस के जिन दलबदलुओं का भाजपा में स्वागत किया गया था, वे अब अपने %असली रंग%दिखाने लगे हैं। राय ने कहा कि ऐसे सभी लोग एक के बाद एक अपनी पुरानी पार्टी में शामिल हो जाएंगे। बंगाल चुनाव से पहले भाजपा में शामिल होने वाली तृणमूल कांग्रेस की नेता सोनाली गुहा, सरला मुर्मू और अमल आचार्य ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी में

वापस लौटने की इच्छा जाहिर की है और कहा है कि उन्हें भाजपा में शामिल होने के अपने निर्णय पर खेद है। अपने विवादास्पद बयानों के लिए पहचाने जाने वाले तथागत राय ने कहा कि मेरी बात सही साबित हुई है। 20-30 साल पुराने लोगों को नजरअंदाज कर, जिन नए आने वालों का भाजपा में बाहें फैलाकर स्वागत किया गया, वे अब एक के बाद एक वापस तृणमूल कांग्रेस में जाने की तैयारी में हैं। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 77 सीटें जीतीं जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटों पर कब्जा जमाया है।

भाजपा के पूर्व वरिष्ठ नेता ने कहा कि बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी के अवांछनीय तत्व विधानसभा चुनाव से पहले भगवा दल में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि उनके विचार से चुनाव से पहले पाला बदलने वाले ऐसे नेताओं को अगले छह माह तक तृणमूल कांग्रेस को भी अपनी पार्टी में शामिल नहीं करना चाहिए। राय ने कहा कि हालांकि इस बारे में अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री व तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी लेंगी। परंतु, मेरे विचार से ऐसे लोग किसी भी दल का सगा नहीं हो सकता है।

हंसल मेहता की फिल्म में दिखेंगे कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के उभरते हुए सितारों में से एक है। काफी कम समय में उन्होंने दर्शकों के बीच अपनी एक अलग पहचान बना ली है। वह लगातार नई फिल्में साइन करते जा रहे हैं। खबर है कि उन्होंने हंसल मेहता के निर्देशन वाली अगली फिल्म और प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला की एक फिल्म साइन की है। खबरों के मुताबिक, हंसल की आने वाली फिल्म पूरी तरह कमर्शल होगी। यह सच्ची घटना पर आधारित एक देशभक्ति की फिल्म होगी। बताया जा रहा है कि हंसल मेहता की आगामी फिल्म में कार्तिक एक एयरफोर्स पायलट की भूमिका में दिखने वाले हैं। यह एक कमर्शियल फिल्म होगी, जिसमें हंसल का टच देखने को मिलेगा। इस फिल्म में एक राष्ट्रवादी दृष्टिकोण देखने को मिल सकता है। वास्तव में यह फिल्म एक असल जिंदगी की घटना पर आधारित होगी। खबरों के अनुसार कार्तिक फिल्म में एक भारतीय वायुसेना अधिकारी की भूमिका को निभाते दिखेंगे। कहा जा रहा है कि कार्तिक को बचाव अभियान का मुख्य पायलट के रूप में फिल्माया जाएगा। वह फिल्म में एक रेस्क्यू ऑपरेशन को लीड करते हुए नजर आएंगे। बता दें कि कार्तिक आर्यन से पहले फिल्म 'भुज' में अजय देवगन और 'तेजस' में कंगना रनौट भी इंडियन एयर फोर्स के पायलट के किरदार में नजर आएंगी। इससे पहले पिछले साल ही जाह्नवी कपूर भी 'गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल' में भारतीय वायु सेना की पायलट के करिदार में नजर आई थीं।

कार्तिक आर्यन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह इस साल कई फिल्मों में देखा जा सकता है। वह अनीस बज्मी की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूल भुलैया 2' को लेकर चर्चा में हैं। वह संजय लीला भंसाली की 'हीरा मंड़ी' में भी नजर आएंगे। कार्तिक अपनी आगामी फिल्म 'धमाका' को लेकर भी सुर्खियों में हैं। वह लक्ष्मण उतेकर की 'लुका छुपी 2' में भी अभिनय करते हुए नजर आएंगे।

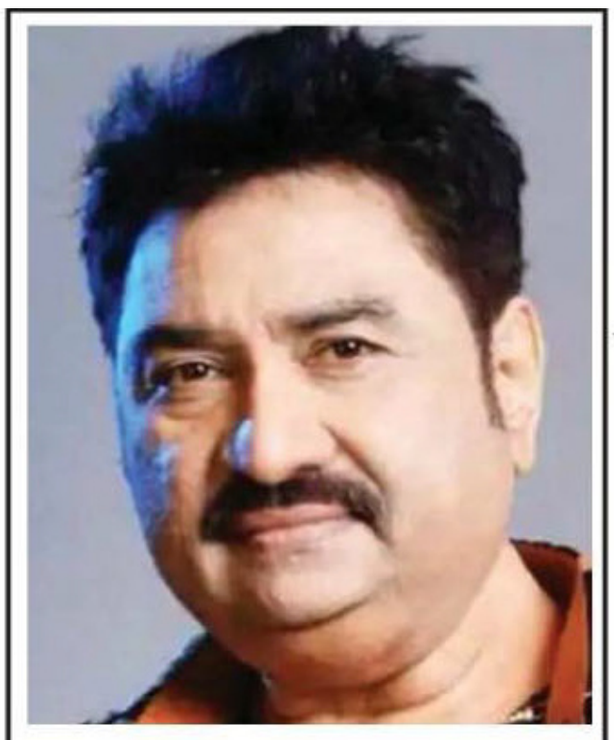

राम लक्ष्मण ने कई सिंगर्स की आगे बढ़ने में मदद की है

जाने-माने पार्श्व गायक कुमार सानू ने कम्पोजर राम लक्ष्मण के साथ मिलकर कई सारी फिल्मों में काम किया है, जिनमें 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। अपने साथी राम के निधन के बाद राम-लक्ष्मण के तौर पर काम करने वाले लक्ष्मण का शनिवार को निधन हो गया है। इस मौके पर लक्ष्मण उर्फ विजय पाटिल को याद कर कुमार सानू काफी भावुक हो गए। गायक ने कहा, ''मैंने 'हम साथ-साथ हैं' और 'हम आपके हैं कौन' जैसी तीन-चार और फिल्मों में विजय जी के साथ काम किया है, जिन्हें दुनिया राम लक्ष्मण के नाम से जानती है। हमने जिन भी गानों पर साथ में किया है, उनमें से अधिकतर हिट रही हैं।'' वह आगे कहते हैं, ''उनके बारे में सोचने पर जो पहली बात दिमाग में आती है, वह है उनका स्वभाव। वह एक खुशमिजाज और मृदुभाषी इंसान थे, जिनके चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती थी। उनके बोल हमेशा मीठे होते थे और मैंने कभी भी उन्हें अपना आपा खोते नहीं देखा है। वह एक गजब के इंसान थे। उनका जाना निश्चित रूप से इंडस्ट्री के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। हम बस अब दुआएं मांग सकते हैं ताकि उनकी आत्मा को शांति मिले।'' कुमार सानू ने आगे कहा, ''वह मुझे कुमार जी के नाम से बुलाते थे। कोई भी गाना सिखाते वक्त वह हमेशा अपने गायकों को सहजता का अनुभव कराते थे। अगर कभी कोई गाना मुझे मुश्किल लगा भी, तो उन्होंने यह कहकर मुझे हिम्मत दी कि 'कोशिश तो करो, मैं हूं ना, घबराओ मत। मुझे पता है तुम गा लोगे।' उनके इसी स्वभाव के चलते वह कलाकारों में काफी मशहूर थे।'' वह आगे कहते हैं, ''वह हमेशा अपने सिंगर्स को साहस दिलाते थे। मुझे अभी भी याद है कि रिकॉर्डिंग खत्म हो जाने के बाद उनके चेहरे पर एक मुस्कान रहती थीं आज यह सोचकर मुझे काफी दुख हो रहा है कि वह अब नहीं हैं। इंडस्ट्री के प्रति उनका योगदान अपार है। उन्होंने कई शानदार गीतों का तोहफा दिया है और कई सिंगर्स की आगे बढ़ने में मदद की है।''

जनहित में जारी में दिलचस्प किरदार निभाएंगी नुसरत भरूचा

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा पिछले कई दिनों से अपनी फिल्म 'जनहित में जारी' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में नुसरत क अलग ही किरदार में नजर आने वाली हैं। रोमांटिक और न्यू एज गर्ल की भूमिकाएं करने वाली नुसरत पहली बार किसी टैबू समझे जाने वाले सब्जेक्ट पर काम करने वाली हैं। इस फिल्म में नुसरत 'कॉन्डम' बेचती नजर आएंगी। फिल्म के निर्माताओं ने यह खुलासा किया है। नुसरत कहती हैं कि यह फिल्म उनकी अब तक की सभी फिल्मों से काफी अलग है। वह पहली बार अपने करियर में इतनी बोल्ड भूमिका निभाने जा रही हैं। निर्माता राज शांडिल्य ने कहा, नुसरत इस फिल्म में छोटे शहर की शिक्षित लड़की की भूमिका में होंगी। वह एक नौकरी की तलाश में है। उसे एक कॉन्डम बनाने वाली कंपनी में सेल्स एंड प्रमोशन एग्जीक्यूटिव के रूप में नौकरी मिल जाती है। उन्होंने कहा, फिल्म की कहानी इसी के आसपास घूमती दिखेगी कि नुसरत जब मेडिकल स्टोर से लेकर दूसरी जगहों पर भी कॉन्डम बेचने के लिए जाती हैं तो उन्हें किन-किन दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जब मैं मथुरा में नुसरत के साथ 'ड्रीम गर्ल' की शूटिंग कर रहा था, तभी मेरे दिमाग में यह फिल्म बनाने का आइडिया आया था। मैंने जब नुसरत को स्टोरी बताई तो वह काफी उत्साहित हो गईं। नुसरत ने तुरंत कहा कि उन्हें यह किरदार करना है। नुसरत कहती हैं, मैंने अपनी ज्यादातर फिल्मों में ग्लैमरस किरदार निभाया है जैसे प्यार का पंचनामा, कल किसने देखा है, प्यार का पंचनामा 2, सोनू की टीटू की स्वीटी। लेकिन 'छलांग' के बाद से मेरी इमेज थोड़ी बदली है और मैंने साबित किया है कि ग्लैमर से हटकर भी मैं कुछ कर सकती हूं। 'जनहित में जारी' का निर्देशन ओमंग कुमार कर रहे हैं। इस फिल्म में अमायरा दस्तूर और रवि किशन भी दिलचस्प भूमिका में होंगे। 25 अप्रैल से फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली थी, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे आगे बढ़ा दिया गया। अब अगर हालात सामान्य हो गए जो अगस्त में फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी।

कोविड से अनाथ हुए बच्चों की मदद के लिए आगे आईं लक्ष्मी मांचू

अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू उन बच्चों की मदद के लिए आगे आई हैं, जिन्होंने कोरोनाकाल में अपने माता-पिता को खोया है। उनके एनजीओ टेक फॉर चेंज की तरफ से ऐसे 1,000 बच्चों की मदद की जाएगी। उनकी टीम इस काम में लग चुकी है। इनकी पढ़ाई की सुविधा, जरूरत की चीजें मुहैया कराई जाएंगी। लक्ष्मी कहती हैं, ''निजी तौर पर मैं यथासंभव लोगों की मदद करने का प्रयास करती हूं। उनके लिए दवाई या अस्पताल में बेड ढूंढ़ने की कोशिश करती हूं। कोविड का प्रभाव उन लोगों के लिए काफी अधिक भयावह है, जिन्होंने किसी अपने को खोया है।'' वह आगे कहती हैं, ''हम टेक फॉर चेंज में निम्न-वर्गीय परिवारों से ताल्लुक रखने वाले 1,000 बच्चों की जिम्मेदारी उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम इनकी पढ़ाई, ट्यूशन, कपड़ें और जरूरत की सभी चीजों का खर्च उठाएंगे।'' हाल ही में लक्ष्मी ने हैदराबाद के अस्पतालों में 1,000 लोगों को खाना पहुंचाने का भी काम किया था। उन्होंने कहा था, ''इस पहल की शुरुआत लॉकडाउन के साथ हुई। अस्पतालों में अधिकतर लोग छोटे शहरों से आते हैं, जिनके पास भोजन की सुविधा नहीं होती है। इसलिए हमने कुछ अस्पतालों को चुना, जहां हम पूरा लॉकडाउन भोजन का वितरण कर सके। टेक फॉर चेंज में हमारी टीम, हमारे स्वयंसेवक, हमारी टीम के सदस्य हर रोज ऐसा कर रहे हैं। हम इस बात के लिए बेहद आभारी हैं कि हम लोगों को खाना खिला पा रहे हैं और भूख को उनसे दूर रख पा रहे हैं।''

मानव कौल ने ढूंढ लिया बोरियत दूर करने का तरीका

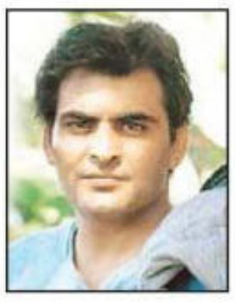

अभिनेता मानव कौल ने बोरियत को दूर करने का एक तरीका ढूंढ लिया है। वह घर पर बिना कुछ किए लटके रहते हैं। वह एक या दो सेल्फी लेते हैं और उसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर देते हैं। मानव ने एक रहस्यमय मुस्कान के साथ कैमरे की ओर देखते हुए इंस्टाग्राम पर कुछ सेल्फी पोस्ट की हैं। मानव, कवि भी हैं। उन्होंने तस्वीरों का वर्णन करने के लिए केवल हैशटैग का उपयोग करके अपने पोस्ट को कैप्शन देना चुना। उन्होंने लिखा : हैशटैग 'सेफ्लशॉट', 'रैंडम', 'बोरडिंथ हाउस', 'माइटडिलीटलैटर', 'रैंडमलाइफ', 'सेल्फी', 'एक्टर', 'एक्टर्सलाइफ', 'जॉब्लेस'। अभिनेता को अब से पहले डिजिटल रूप से रिलीज हुई एंथोलॉजी फिल्म 'अजीब दास्तान' में देखा गया था। वह आगामी थ्रिलर श्रृंखला 'फाइंडिंग अनामिका' में माधुरी दीक्षित नेने के साथ काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कई बार अपनी सीमाएं पार कर देते हैं पैपराजी, इससे नाम हमारा खराब होता है

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर अपने मजाकिया अंदाज के लिए जाने जाते हैं। अकसर उनका शरारती अंदाज देखने को मिल ही जाता है। इतना ही नहीं, पैपराजी के साथ भी उनके बहुत अच्छे संबंध हैं। वह हमेशा पैपराजी को पोज देने के लिए तैयार रहते हैं। लेकिन कई बार ऐसा हुआ कि अर्जुन पैपराजी से बचने की कोशिश करते हुए उन्हें इग्नोर कर निकल जाते हैं। इसी बीच अर्जुन ने पैपराजी के साथ अपने संबंधों के बारे में बात की है।

इंटरव्यू में अर्जुन कपूर कहते हैं कि मैं जानता हूं कि फोटोग्राफर भी रोजी-रोटी कमाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं उनके काम का सम्मान करता हूं। मैं हमेशा उनके लिए पोज देता हूं, ताकि उनका काम चलता रहे। उन्होंने सीमाओं को बनाए रखने के लिए समय के साथ सीखा है, जो सम्मान के पात्र है। वह आगे कहते हैं कि अब हमारे पास वह एक नजरिया है। आज, जब मैं उनसे कहता हूं, यार आज तस्वीरें मत लो, फिरभी वे एक फोटो ही लेते हैं और कल हमें लगता है कि यह एक फिल्म का लुक है, हम कह सकते हैं नहीं।

कई बार बड़ा भाई और दोस्त बनें

अर्जुन आगे कहते हैं कि ऐसा नहीं है कि वो समझते नहीं हैं लेकिन कई बार वो अपनी सीमाएं पार कर गए हैं इस बारें में इस बारें में उन्हें पता नहीं होता है। ऐसे में एक दोस्त और एक बड़े भाई की तरह मैं उन्हें बताता हूं कि अरे यार आप ऐसा नहीं कर सकते। आप रात के 12 बजे चिल्लाते हुए किसी के घर में प्रवेश नहीं कर सकते। दूसरे लोग शिकायत करेंगे, इससे हमारा नाम खराब होगा। मैं केवल उसी समय ऐसा कहता हूं अन्यथा मैं बाकि समय शांत रहता हूं। गौरतलब है कि अर्जुन फिल्म 'सरदार का ग्रैंडसन' 8 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई। फिल्म 'सरदार का ग्रैंडसन' को दर्शकों से शानदार रिस्पांस मिल रहा है। इस फिल्म के बाद 'संदीप और पिंकी फरार', 'भूत पुलिस' में नजर आने वाले हैं।

द मैरिड वुमन जैसा शो करना चाहती थीं एकता कपूर

एकता कपूर एक खास वजह से 'द मैरिड वुमन' के साथ अर्बन कहानियों से आगे निकल गईं है। कंटेंट क्वीन ने साझा करते हुए बताया कि वह केवल महानगरों में ही नहीं, बल्कि हार्टलैंड एरिया पर आधारित शो क्यों करना चाहती थी। एकता ने साझा किया, बॉम्बे और दक्षिण बॉम्बे को छोड़कर वहां एक पूरा भारत है जो पूरी तरह से अलग तरह का कंटेंट देखना पसंद करता है। और हाल ही में मैंने द मैरिड वुमन को सिर्फ इसलिए किया क्योंकि मुझे लगता था कि मेरे पास अलग दर्शक होंगे और यह काम कर गया। वह आगे कहती हैं, मैंने इसके काम करने की कल्पना नहीं की थी, लेकिन इसने काम किया और इसलिए अब मैं थोड़ा सा डेटा और थोड़ी राहत के साथ बैठी हूं, जबकि हम 75% प्रोग्रामिंग करते हैं, जो उस ज्ञान के नेतृत्व में होता है जो हमें डेटा से मिलता है। 25% कम से कम प्रयोग कटौती करने के लिए छोड़ दिया जाएगा, उन विचारों के लिए जो शायद संख्याओं के साथ लगातार दबाव में नहीं हैं, लेकिन शायद ये दबाव है कि वे नए दर्शकों को आकर्षित करेंगे। कंटेंट की रानी ने समय-समय पर अपने विविध शो से हमें हमेशा आश्चर्यचकित किया है। द मैरिड वुमन के साथ, उन्होंने एक महानगरीय शहर की तुलना में भारत के एक अलग हिस्से में एक कहानी की खोज की है और यह एक बड़ी सफलता साबित हुई है। एकता कपूर का करियर 2 दशकों से अधिक लंबा है और उन्होंने बालाजी टेलीफिल्म्स व ऑल्ट बालाजी के साथ अलग-अलग और नई कहानियों की खोज करते हुए भारतीय टीवी और ओटीटी लैंडस्केप को अकेले ही बदल दिया है।

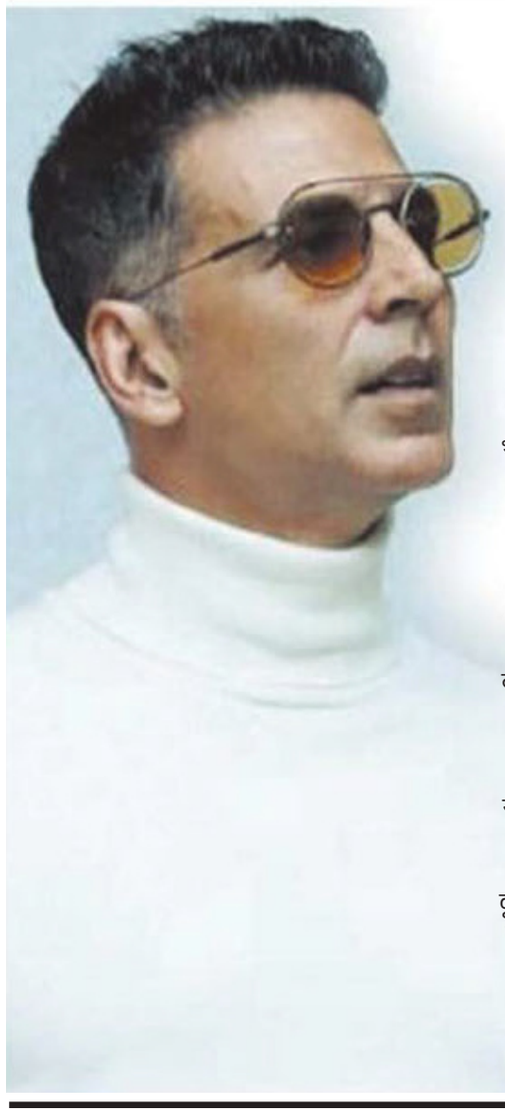

सूर्यवंशी और बेल बॉटम की रिलीज पर अक्षय कुमार का बयान

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार की कई फिल्में कतार में हैं। ऐसे में फैन्स को भी उनकी अपकमिंग फिल्मों का बेसब्री से इंतजार भी है। इस बीच अक्षय कुमार ने उनकी दो अपकमिंग फिल्मों को लेकर एक बड़ी जानकारी फैन्स के साथ शेयर की है। हालांकि ये खबर अक्षय के फैन्स को कुछ खास पसंद नहीं आ रही है।

प्यार के लिए दिया धन्यवाद

दरअसल तरण आदर्श के सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक अक्षय कुमार ने अपनी आगामी फिल्मों सूर्यवंशी और बेल बॉटम को लेकर एक नोट जारी किया है। अपने नोट में अक्षय ने कहा, 'सूर्यवंशी और बेल बॉटम की रिलीज को लेकर अपने फैन्स के उत्साह और उत्सुकता को देखकर मैं कृतज्ञ हू। इसके साथ ही मैं उनके प्यार के लिए सभी का अपने दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं।'

रिलीज डेट पर निर्माता कर रहे काम

अक्षय कुमार अपने नोट में आगे लिखते हैं, 'हालांकि, फिलहाल यह कहना पूरी तरह कयास ही है कि दोनों फिल्में स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होंगी। दोनों फिल्मों के निर्माता रिलीज की तारीखों पर काम कर रहे हैं और सही समय पर इसकी घोषणा करेंगे।' बता दें कि अक्षय कुमार की इन दोनों फिल्मों का फैन्स को बेसब्री से इंतजार है, लेकिन कोविड के चलते इन फिल्मों की रिलीज में देरी हो रही है।

अक्षय कुमार के प्रोजेक्टस

गौरतलब है कि एक ओर अक्षय जहां कुछ वक्त पहले तक फिल्म राम सेतु के शूट में बिजी थे तो दूसरी ओर वो फिल्म अतरंगी रे का शूट पूरा कर चुके हैं। अतरंगी रे में उनके साथ सारा अली खान और धनुष नजर आएंगे। इसके अलावा अक्षय की सूर्यवंशी भी रिलीज के लिए तैयार है, लेकिन कोविड के चलते इसकी रिलीज फंसी है। इन सभी फिल्मों के साथ ही अक्षय कुमार के पास पृथ्वीराज, बच्चन पांडे, रक्षाबंधन और बेल बॉटम भी है।

बाल एरेना में एनबीए बास्केटबाल के प्लेऑफ मुकाबले में भाग लेते हुए डेनवर नेगेट व निकोला जोकिक।

रोहन बोपन्ना के प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए 30 लाख का खर्च आएगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के पुरुष टेनिस डबल्स खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने जनवरी से जून 2021 के बीच अपने कोच स्कॉट डेविड और फिजियो गौरांग शुक्ला के साथ 11 प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने का प्रस्ताव रखा था, जिसे आज मिशन ओलंपिक खेल की हुई बैठक में मंजूरी दे दी गई। रोहन बोपन्ना की पुरुष डबल्स में विश्व रैंकिंग 39 है और वह 2016 के रियो ओलंपिक में सेमी फाइनल खेल चुके हैं। आगामी प्रतियोगिताओं में रोहन बोपन्ना के भाग लेने के लिए लगभग 27.61 लाख रुपए जारी किए हैं। रोहन बोपन्ना वर्तमान ओलंपिक अवधि के दौरान टीओपीएस से पहले ही 1.24 करोड़ रु प्राप्त कर चुके हैं।

समिति ने पुरुष डबल्स के टेनिस खिलाड़ी दिविज शरण के जनवरी से जून के बीच 14 टूर्नामेंट में खेलने के प्रस्ताव को भी मंजूर कर लिया है। समिति ने शरण के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए लगभग 30 लाख रुपये जारी करने की अनुमति दी है, जिसमें हवाई यात्रा का खर्च भी सम्मिलित है। इससे पहले शरण को वर्तमान ओलंपिक अवधि के दौरान टीओपीएस से 80.59 लाख रुपये प्राप्त हो चुके हैं। एशियन चैंपियन विनेश फोगाट जुलाई में ओलंपिक खेलों से पहले विदेशों में प्रशिक्षण लेना जारी रखेंगी। प्रशिक्षण संबंधी उनका यह प्रस्ताव भारतीय कुश्ती महासंघ के माध्यम से टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) ने स्वीकार किया था, जिसके अंतर्गत हंगरी और पोलैंड में उनके प्रशिक्षण की अनुमति दी गई थी। फोगाट ने सितंबर 2019 में विश्व चैंपियनशिप में 53 किलोग्राम भार वर्ग में अपना ओलंपिक कोटा सुरक्षित कर लिया था। उन्हें 9 जून तक बुडापेस्ट में प्रशिक्षण दिया जाएगा, उसके बाद वह पोलैंड ओपन में भाग लेने के लिए 9 से 13 जून के दौरान पोलैंड में रहेंगी। उसके उपरांत वह वापस बुडापेस्ट लौटेंगी जहां 2 जुलाई तक उनका प्रशिक्षण जारी रहेगा। इस दौरान उनके कोच वोल्लर अकोस, उनकी सहायिका प्रियंका और फिजियोथेरेपिस्ट पूर्णिमा रमन नगोंदिर उनके साथ रहेंगे। उनके प्रस्ताव के अनुसार उनके प्रशिक्षण और इन स्पधाओं में भाग लेने के लिए कुल 20.21 लाख रुपये खर्च होंगे। उन्हें अब तक टार्गेट ओलिम्पिक पोडियम स्कीम से 1.13 करोड़ रुपये प्राप्त हो चुके हैं। एमओसी ने नाविक अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह के 1 जून से 5 हफ्तों के प्रशिक्षण प्रस्ताव को भी मंजूर कर लिया है। ओलिम्पिक खेलों के लिए उन्हें पुर्तगाल के पोसिनहों उच्च प्रदर्शन केंद्र पर प्रशिक्षित किया जाएगा। दोनों नाविकों ने इसी महीने टोक्यो में ओलिम्पिक के लिए क्वालिफाई किया था। पोलैंड में उनके प्रशिक्षण पर 21 लाख रुपये का खर्च आएगा।

नाविक अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह डेव्लपमेंट ग्रुप से कोर ग्रुप में पहुँच गए थे जबकि पहलवान सीमा बिसला और सुमित मालिक को हाल ही में विश्व ओलिम्पिक क्वालिफायर में कोटा हासिल करने के बाद कोर ग्रुप में जगह मिल गई। टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना को भी हाल ही में महिला डबल्स में विश्व की शीर्ष 100 खिलाड़ियों में स्थान बनाने और बिली जीन किंग कप में सानिया मिर्जा के साथ खेलने के बाद टीओपीएस कोर ग्रुप में प्रवेश किया मिल गया।

खेल पुरस्कार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून तक बढ़ी

भोपाल, (एजेंसी)। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2020 के एकलव्य पुरस्कार, विक्रम पुरस्कार, विश्वामित्र पुरस्कार, लाइफ टाईम एचीव्हमेंट एवं स्व. श्री प्रभाष जोशी खेल पुरस्कार हेतु आवदेन करने की अंतिम तिथि अब 15 जून, 2021 तक बढ़ा दी गई है।

संचालक खेल और युवा कल्याण पवन जैन ने कहा कि वर्ष 2020 के एकलव्य पुरस्कार, विक्रम पुरस्कार, विश्वामित्र पुरस्कार, लाइफ टाईम एचीव्हमेंट एवं स्व.श्री प्रभाष जोशी खेल पुरस्कार के लिए पूर्व में 30 जून,2020 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे, लेकिन कोविड-19 संक्रमण को ध्यान में रखते हुए आवदेन की तिथि में बढ़ोतरी की गई है। जिन खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल हस्तियों ने पूर्व में किन्हीं कारणों के चलते आवेदन नहीं कर पाए वह अपने जिले के जिला खेल और युवा कल्याण कार्यालय अथवा संचालनालय खेल और युवा कल्याण, टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल में ऑफलाईन आवेदन 15 जून, 2021 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे आवेदक जिन्होंने वर्ष 2020 के अवार्ड हेतु ऑनलाईन आवेदन पूर्व में जमा करा दिए हैं उन्हें दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं है। आवेदन-पत्र विभागीय वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है।

खेल संचालक पवन जैन द्वारा प्रदेश के समस्त संभागीय एवं जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारियों को वर्ष 2020 के शिखर खेल अलंकरण पुरस्कारों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने तथा इसका अपने-अपने जिलों में व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं।

11 साल से टीम में वापसी की राह देख रहे उनादकट

मुम्बई, (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं किये जाने से निराश हैं। जयदेव ने 19 साल की उम्र में ही टेस्ट पदार्पण किया था पर इसके बाद भी वह पिछले 11 साल से टेस्ट मैच नहीं खेल पाये हैं हालांकि इस गेंदबाज को अब भी टीम में वापसी की उम्मीद है। 29 साल के उनादकट ने अब तक एक टेस्ट, सात एकदिवसीय और 10 टी20 मैचों में टीम इंडिया की ओर से खेला है।

इस गेंदबाज ने कहा, जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुझे टीम में जगह नहीं मिली तो मुझे लगा था कि ये सही है, क्योंकि तब टीम में हर कोई फिट था पर बाद में जब अधिकतर खिलाड़ियों को चोट लगी और जिन क्रिकेटरों को उनकी जगह मौका दिया गया तो मुझे महसूस हुआ कि एक अवसर मुझे भी मिलना चाहिए था। उनादकट ने साल 2010 के बाद से ही कोई टेस्ट नहीं खेला है।

इस तेज गेंदबाज को उम्मीद थी कि उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में जगह मिलेगी पर उन्हें स्टैंडबाई क्रिकेटरों में भी शामिल नहीं किया गया।

इस बारे में उन्होंने कहा, मुझे इंग्लैंड दौरे के लिए चुने जाने की उम्मीद थी पर जब शीर्ष खिलाड़ी टीम में हों तो मुझे इंतजार करना ही था, लेकिन इस बार मैं निराश हूं हालांकि मैं खुद को प्रोत्साहित करने पर ध्यान देता हूं।

उनादकट ने 89 प्रथम श्रेणी मैचों में 327 विकेट लिए हैं। 2019-2020 रणजी सीजन में जयदेव उनादकट ने 67 विकेट लिए थे। उनके नाम एक तेज गेंदबाज के तौर पर एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड है।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों बायो बबल में पहुंची

मुंबई, (एजेंसी)। अगले माह की शुरूआत में इंग्लैड दौरे पर जाने वाली भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों मंगलवार को कोरोना संक्रमण के बचाव के लिए बने बायो बबल (जैव सुरक्षा घेरे) में प्रवेश कर गयीं। इसी के साथ ही दोनो टीमों का आठ दिनों का पृथकवास भी शुरू हो गया। भारतीय पुरुष ओर महिला टीमें दो जून को एकसाथ इंग्लैंड रवाना होंगी। भारतीय पुरुष टीम के कप्तान विराट कोहली, उप कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच रवि शास्त्री भी इस बायो बबल में शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार , विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा अभी हाल ही में कोरोना संक्रमण से उबरे हैं और ये दोनो दो दिन बाद बायो बबल में प्रवेश करेंगे। सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के आरटी पीसीआर के तीन परीक्षण नेगेटिव आने के बाद ही दोनों टीमों को इंग्लैंड दौरे पर भेजा जाएगा। भारतीय पुरुष टीम को इस दौर में पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 जून से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलना है। इसके बाद टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है।

द्रविड़ ने कहा अपना स्वाभाविक खेल खेलो : पृथ्वी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने हाल के दिनों में आईपीएल और विजय हजारे ट्राफी में बेहतर प्रदर्शन कर टीम में वापसी का प्रयास किया है। पृथ्वी के अनुसार द्रविड़ ने उन्हें अपना स्वभाविक खेल खेलने की सलाह दी। साथ ही कहा कि अपने खेल का आनंद लें।

इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि द्रविड़ का स्वभाव, बैकग्राउंड और खेलने का स्टाइल काफी अलग है। उनकी जिंदगी को लेकर सोच भी काफी अलग है। अंडर-19 विश्व कप से पहले भी हमने उनके साथ दो साल टूर किया था। उनके साथ अनुभव काफी अच्छा था। अंडर-19 में, इंग्लैंड में इंडिया ए की तरफ से हम उनके साथ खेले हैं। उन्हें पता है कि वो अलग हैं, लेकिन उन्होंने कभी भी हम पर कुछ थोपने या बदलने की कोशिश नहीं की। उन्होंने किसी की बल्लेबाजी में कोई बदलाव नहीं किया। वह मुझे भी बोलते थे कि मुझे मेरा स्वाभाविक गेम खेलना है, क्योंकि वह जानते थे कि अगर मैं पावरप्ले ओवरों में खेलूंगा तो इससे टीम को मदद मिलेगी। उन्होंने मुझे कभी मेरा गेम खेलने से नहीं रोका।

पृथ्वी ने कहा, वह सिर्फ मानसिक चीजों पर काफी ज्यादा बात करते थे और गेम की रणनीति पर बात करते थे। अगर आप मैच में जा रहे हो तो कैसा रुख रखो। बैठक में रणनीति को लेकर थोड़ी बात होती थी। वह हमें हमेशा कहते थे कि अपने गेम को एन्ज्वॉय करो। यहां तक अभ्यास सत्र में भी कहते थे कि जाओ और एन्ज्वॉय करो। अगर बार बार कोई गलती होती थी तो वह आपके पास आते हैं और आपको बताते हैं। इसके अलावा वह हमेशा मानसिक चीजों पर ही बात करते थे।

मानसिक रुप से परेशान रहने के कारण मयंक का प्रदर्शन प्रभावित हुआ : मुरली

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टीम इंडिया के युवा सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल के लिए पिछला एक साल अच्छा नहीं रहा और वह प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। इसको लेकर मयंक के बचपन के कोच आर एक्स मुरली का कहना है कि मयंक मानसिक रुप से परेशान रहे हैं जिससे वह उम्मीद के अनुरुप नहीं खेल पाये हैं। मयंक अभी मुंबई में बीसीसीआई के बायो बबल में हैं और वह टीम इंडिया के साथ अगले माह 2 जून को इंग्लैंड दौरे पर रवाना होंगे। इंग्लैंड में भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के अलावा मेजबान टीम के साथ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है. मुरली ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मयंक को अपने पर ही संदेह होने लगा था। कोच ने कहा, सब कुछ आपकी सोच पर निर्भर करता है। अगर कुछ सही नहीं होता है तो आपके दिमाग में दो तरह की बातें आने लगती हैं। आप अपनी मानसिक स्थिति का संतुलन गंवाने लगते हो। आप हर चीज पर संदेह करने लगते हो, यही मयंक के साथ भी हुआ। मुरली ने आगे कहा, हर खिलाड़ी में काफी घबराहट होती है। खेल में आप कामयाबी से ज्यादा नाकामी देखते हो। जब आप फेल होने से डरने लगते हो और आपको पता होता है कि टीम में काफी ज्यादा प्रतिस्पर्धा है तो एक नाकामी आपको प्रक्रिया से हटा देती है। वहीं ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद मयंक ने अपनी मानसिक स्थिति पर ही काम किया है और उन्होंने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया। मयंक ने आईपीएल 2021 में खेले 7 मैचों में 43.33 की औसत से 260 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी 140 से ऊपर रहा।

फ्लैट बना सुशील और सागर के बीच विवाद की वजह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या मामले में ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार की गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले को लेकर कई अहम बातें सामने आयी हैं। यह भी पता चला है कि कि दिल्ली के मॉडल टाउन इलाके में पहलवान सुशील का एक फ्लैट है, जो उसकी पत्नी सावी सेहरावत के नाम पर था। इस फ्लैट के कारण सागर को जान गंवानी पड़ी। वहीं सुशील दिल्ली पुलिस की 6 दिन की हिरासत में है। सुशील का सफलता के शिखर तक पहुंचने का सफर भी सामने आया है।

सुशील की शादी एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता महाबली सतपाल की बेटी सावी सहरावत से 18 फरवरी 2011 में हुई थी। 2010 नवंबर में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने के बाद दिल्ली में दोनों की सगाई हुई थी। इसके बाद वर्ष 2011 फरवरी में दोनों की शादी हो गई जिसमें राजनेताओं के साथ ही कई दिग्गज खिलाड़ी भी पहुंचे थे।

सुशील के करीबी लोगों के अनुसार सुशील काफी शमीर्ले मिजाज के हैं। उसे काफी शोहरत और इज्जत मिली थी। विज्ञापनों से उसकी लाखों की कमाई होती थी तो वहीं उसे सरकारी नौकरी भी मिली थी। जमीन-जायदाद के साथ एक बड़ा स्कूल सब कुछ उनके पास है। ऐसे में उनका मानना है कि सुशील इस हत्या मामले में शामिल नहीं हो सकता। सुशील एक साधारण परिवार से संबंध रखता है। उसके पिता सरकारी विभाग में ड्राइवर थे।

उत्तर रेलवे ने पहलवान सुशील कुमार को निलंबित किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जुनियर पहलवान सागर धनकड़ हत्याकांड मामले में गिरफ्तार ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार को उत्तर रेलवे ने निलंबित कर दिया है। इससे सुशील कुमार की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं। सुशील के निलंबन की तैयारी उसके गिरफ्तारी के बाद से ही शुरू हो गई थी। उत्तर रेलवे ने कहा है कि सुशील कुमार को फिलहाल निलंबित कर दिया गया है। सुशील उत्तर रेलवे में ओएसडी के पद पर कार्यरत थे।

इससे पहले सुशील कुमार से दिल्ली पुलिस ने लगभग चार घंटे कड़ी पूछताछ की। कुमार को छत्रसाल स्टेडियम में हुई मारपीट के मामले में गिरफ्तार किया गया है जिसमें पहलवान सागर की मौत हो गई थी। कुमार और उसके साथी अजय को दिल्ली के मुंडका क्षेत्र से रविवार को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वे इस हत्याकांड के सभी पहलुओं पर गौर कर रहे हैं।

कोरोना संक्रमित होने की बात याद कर भावुक हुए सीफर्ट

क्राइस्टचर्च, (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान कारोना पॉजिटिव हुए न्यूजीलैंड के क्रिकेटर टिम सीफर्ट अब ठीक हैं और अपने घर में होम आईसोलेशन में समय बिता रहे हैं। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम में शामिल सीफर्ट पॉजिटिव होने के बाद भारत में बिताये गये अपने समय को लेकर भावुक हो गये और उनकी आंखों में आंसू आ गये। इस खिलाड़ी ने कहा कि संक्रमित होने के बाद उन्हें भारत में ही आइसोलेट होने के लिए कहा गया था, जबकि उनके देश के साथी खिलाड़ी चार्टर्ड फ्लाइट से स्वदेश रवाना हो गये थे। सीफर्ट का इलाज चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच ऑस्ट्रेलिया के माइकल हसी के साथ चेन्नई के एक निजी अस्पताल में हुआ था। उन्होंने कहा, जब मुझे पता चला कि मैं कोविड-19 पॉजिटिव हूं तो मानो दुनिया रुक सही गई। मैं तब सोच नहीं सकता था कि आगे क्या होने वाला है और वह इसका सबसे डरावना हिस्सा था क्योंकि जब आप बुरी चीजों के बारे में सुनते हैं तो सोचते हैं कि ऐसा मेरे साथ भी होगा।

सीफर्ट को केकेआर ने पिछले सीजन में यूएसए के तेज गेंदबाज अली खान के स्थान पर साइन किया था और फरवरी में नीलामी से पहले उन्हें रिटेन किया गया था। हालांकि, आईपीएल 2021 स्थगित होने से पहले उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिल पाया था।

उन्होंने ब्रेंडन मैकुलम और स्टीफन फ्लेमिंग को उस समय के दौरान उनकी सहायता करने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा, उन्होंने सब कुछ बहुत आसान बना दिया था। उन्होंने सुनिश्चित किया सब कुछ सही हो। सीएसके प्रबंधन और केकेआर के सीईओ ने मेरे लिए यह जानना आसान बना दिया कि सब कुछ ठीक हो जाएगा और जब मेरे घर आने का समय था, तो उन्होंने मुझे सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किये।

धोनी की स्पार्क वाली टिप्पणी युवाओं के लिए नहीं थी : जगदीसन

चेन्नई, (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के विकेटकीपर-बल्लेबाज एन जगदीसन ने कहा है कि कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नो स्पार्क वाली टिप्पणी युवाओं के लिए नहीं बल्कि अनुभवी खिलाड़ियों को लेकर थी। उन्होंने कहा, कि धोनी की टिप्पणी का गलत अर्थ निकाला गया। जगदीसन ने कहा कि टिप्पणी युवाओं के लिए नहीं थी, यह आईपीएल में टीम के अनुभवी खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए की गयी थी। गौरतलब है कि आईपीएल 2020 के दौरान धोनी ने कहा था कि सीएसके के युवाओं ने सीनियर खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने के लिए पर्याप्त चिंगारी नहीं दिखाई पर यह भी पुष्टि की कि आने वाले खेलों में युवा खिलाड़ियों को कुछ अवसर अवश्य दिए जाएंगे। जगदीसन ने कहा, उन्होंने धोनी ने जो भी उसे मीडिया ने गलत तरीके से पेश किया था। ईमानदारी से कहूं तो यह युवाओं के बारे में नहीं था, रुतुराज गायकवाड़ और मैंने अच्छा प्रदर्शन किया था। वह ऐसे है जो पूरी टीम को बढ़ावा देने की कोशिश करते हैं, इसमें सीनियर भी शामिल रहते हैं।

उन्होंने कहा, जब आपके पास टीम में ऐसे दिग्गज हैं, तो आप उनमें से प्रत्येक पर निशाना नहीं बना सकते। ऐसे में आपके पास एक ऐसा तरीका होना चाहिए जिससे अनुभवी खिलाड़ियों का समर्थन प्राप्त किया जाए। उनका बैकअप लेने के लिए, कुछ करना होगा। उनकी टिप्पणी के बाद, हमने अच्छा किया और टीम ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। धोनी की टिप्पणी के बाद, सीएसके ने आईपीएल 2020 में अपने शेष बचे चार लीग मैचों में से तीन में जीत दर्ज की।

टी20 विश्व कप के लिए पाक टीम में आमिर को शामिल करें पीसीबी : अकरम

लाहौर, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम हाल में संन्यास लेने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के समर्थन में उतरे हैं। स्थानीय मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार अकरम ने कहा है कि आमिर को इस साल के अंत में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये। आमिर ने 29 साल की उम्र में ही पिछले साल दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। आमिर ने इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के रवैये पर कई सवाल उठाये थे। साथ ही कहा था कि वह टीम प्रबंधन में बदलाव के बाद ही वापसी करेंगे। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज अकरम ने टीम में चयन के संबंध में आमिर की उपेक्षा के लिए राष्ट्रीय टीम प्रबंधन को आड़े हाथों लिया है। अकरम ने एक कहा, मैं बहुत हैरान हूं क्योंकि आमिर बेहद अनुभवी गेंदबाज हैं और टी20 क्रिकेट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है। व्यक्तिगत तौर पर, मुझे लगता है कि उन्हें पाकिस्तान की विश्व टी20 टीम में होना चाहिए।

अकरम ने पर कहा कि आमिर का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का निर्णय व्यक्तिगत था और इससे किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, अन्य खिलाड़ियों ने भी ऐसा किया है, लेकिन उनके बारे में कोई कुछ नहीं कहता। तो फिर आमिर पर सवाल क्यों उठाये जा रहे हैं मुझे लगता है कि अगर वह अन्य प्रारूपों के लिए उपलब्ध है तो उन्हें पाकिस्तान के लिए खेलना चाहिए। आमिर पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में कराची किंग्स का हिस्सा हैं, जहां अकरम क्रिकेट के निदेशक हैं और टीम के मुख्य कोच भी हैं। अकरम ने कहा कि पाकिस्तान को युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करने के लिए आमिर जैसे गेंदबाज की जरूरत है। उन्होंने कहा, विश्व कप के आयोजनों में आपको अनुभवी गेंदबाजों की आवश्यकता होती है, जो युवा गेंदबाजों को सलाह और मार्गदर्शन भी दे सकते हैं।

इटली में कोलंबिया के इगान बर्नेल गियरो डि इटालिया रेस जीतने के बाद अपनी महिला मित्र मारिया फर्नाडा को खुशी से गले लगाते हुए।